RNI NO.: MAHHIM/2010/41894

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net | वर्ष 15 ■ अंक 70 ■ पुणे, बुधवार 4 फरवरी 2026 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00 | संरक्षक : आरएन सिंह

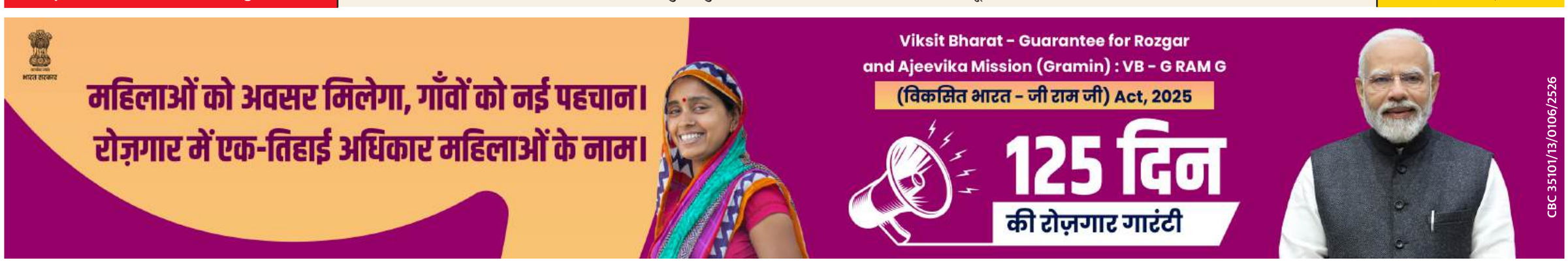

Short News एक नजर

जांच में सही पाए गए एयर इंडिया विमान के फ्यूल स्विच: DGCA

नई दिल्ली। एयर इंडिया के ग्राउंड किए गए बोइंग 787 ड्रीमलाइनर को लेकर विमानन मंत्रालय ने मंगलवार को राहत भरी जानकारी दी है। मंत्रालय ने बताया है कि विमान के दोनों फ्यूल कंट्रोल स्विच पूरी तरह संतोषजनक स्थिति में पाए गए हैं, जबकि पायलट ने इंजन स्टार्ट के दौरान एक स्विच के 'RUN' पोजिशन में ठीक से लॉक न रहने की शिकायत की थी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार यह जांच विमान निर्माता बोइंग की सिफारिशों के आधार पर की गई।

डिलीवरी बॉयज ने की कारोबारी की हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के कनॉट प्लेस से खौफनाक घटना सामने आई है जहां तीन फूड डिलीवरी एजेंट्स ने एक बिजनेसमैन की पीट-पीटकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 36 साल के कारोबारी शिवम गुप्ता के तौर पर हुई है। 3 जनवरी की रात वह एक पार्टी से लौट रहे थे। तभी तीन फूड डिलीवरी राइडर्स ने कथित तौर पर बेरहमी से पीटा। गंभीर रूप से घायल शिवम करीब दो हफ्तों तक अस्पताल में मौत से जूझते रहे, लेकिन आखिरकार 19 जनवरी को उन्होंने दम तोड़ दिया।

एआई -इंडिगो विमानों के विंग्स आपस में टकराए

मुंबई। मुंबई के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा टल गया, जब एअर इंडिया और इंडिगो के विमानों के बीच जमीन पर टक्कर हो गई। विमानों के विंग्स आपस में टकरा गए। घटना उस वक्त हुई जब दोनों विमानों में यात्री सवार थे। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में सभी यात्री सुरक्षित हैं। AI 2732 मुंबई से कोयंबटूर जाने के लिए टेक-ऑफ से पहले पुशबैक की प्रक्रिया में थी। इसी दौरान इंडिगो की फ्लाइट 6E 791, जो हैदराबाद से मुंबई पहुंची थी, लैंडिंग के बाद टैक्सी कर रही थी। इसी दौरान दोनों विमानों के विंगटिप आपस में टकरा गए।

मुनव्वर राणा की बेटी को पति ने दिया तीन तलाक

सआदतगंज। मशहूर शायर मुनव्वर राना की बेटी हिबा राना को उनके शौहर और ससुर ने दहेज में 20 लाख रुपये और फ्लैट की मांग पूरी न होने पर जमकर पीटा और जान से मारने की धमकी दी। मांग पूरी होने पर शौहर ने तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया। हिबा राना ने यह आरोप लगाते हुए सआदतगंज कोतवाली में शौहर और ससुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस तफ्तीश कर रही है। इंस्पेक्टर सआदतगंज संतोष आर्या के मुताबिक हिबा ने अपनी तहरीर में लिखा कि 19 दिसंबर 2013 को उनका निकाह कमीरमगंज के सकीरये हाउस में रहने वाले सय्यद मो. साकिब से हुआ था।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता

'फरेब के जरिये देश को गुमराह कर रहे'

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता को लेकर संसद से लेकर संसद परिसर तक सियासी घमासान तेज रहा। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि व्यापार समझौते के नाम पर देश के हितों से समझौता किया गया है। वहीं केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने पलटवार करते हुए कहा कि यह समझौता भारत की अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार देगा और राहुल गांधी झूठ और फरेब के जरिए देश को गुमराह कर रहे हैं। राहुल गांधी ने संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में कहा कि जो व्यापार समझौता कई महीनों से अटका हुआ था, उसे अचानक साइन कर दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर ऐसा क्या बदला कि समझौता तुरंत कर दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार भारी दबाव में है और अपनी छवि बचाने के लिए जल्दबाजी में फैसला लिया गया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार ने किसानों के हितों को नुकसान पहुंचाया है।

हमें मिली सबसे अच्छी डील : गोयल

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से टैरिफ को लेकर लिए गए ऐलान के बाद मंगलवार को वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने इसका ब्योरा दिया। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में भारत की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने वाला है। गोयल ने बताया कि इस वजह से हम संसद की जगह यहां जानकारी दे रहे हैं। पीएम मोदी ने अपनी मित्रता के जरिए राष्ट्रपति ट्रंप के साथ ट्रेड डील तय की है। यह हमारे सभी पड़ोसी देश और जो देश हमारे साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं, उनमें सबसे अच्छी डील हमें मिली है। यह देशवासियों के लिए शुभ संकेत लाती है।

'आत्मविश्वास वह बल है जिससे सब कुछ संभव है'

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच वार्ता के बाद टैरिफ डील पर बड़ा फैसला हुआ है। अमेरिका ने अब भारत पर लगने वाले टैरिफ को सीधे 50 फीसदी से घटाकर 18 पर्सेंट कर दिया है। इसे भारत और अमेरिका के रिश्तों में सुधार की नई पहल के तौर पर देखा जा रहा है। इसके अलावा भारत के एक्सपोर्ट बाजार के लिहाज से भी यह अहम है। इस फैसले को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार रात को ही एक ट्वीट किया था और डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद दिया था। अब उन्होंने एक और पोस्ट की है, जिसमें आत्मविश्वास के जरिए विकसित भारत के रास्ते में आगे बढ़ने की बात कही है। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस पोस्ट में टैरिफ डील का जिक्र नहीं किया, लेकिन उनकी बात को उससे ही जोड़कर देखा जा रहा है। पीएम मोदी ने लिखा कि आत्मविश्वास वह बल है जिससे सब कुछ संभव है और विकसित भारत के सपने को साकार करने में यही शक्ति काम आएगी।

उनकी मेहनत को बेच दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया गया क्योंकि सरकार सच्चाई से डर रही है। राहुल गांधी ने कहा कि इतिहास में पहली बार नेता प्रतिपक्ष को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलने का मौका नहीं दिया गया। उनके मुताबिक असली मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए दूसरे विषय सामने लाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व सेना प्रमुख का बयान साइड शो है और असली सवाल व्यापार समझौते की शर्तों का है। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार ने सिर्फ किसानों ही नहीं बल्कि पूरे देश के हितों से समझौता किया है और इसी वजह से उनकी आवाज दबाई जा रही है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने राहुल गांधी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह व्यापार समझौता भारत के लिए फायदेमंद है और विपक्ष जानबूझकर भ्रम फैला रहा है।

पीयूष गोयल ने राहुल गांधी पर किया पलटवार

युमनाम खेमचंद होंगे मणिपुर के नए सीएम

महानगर नेटवर्क

मणिपुर

भारतीय जनता पार्टी के नेता युमनाम खेमचंद सिंह को दिल्ली में हुई मणिपुर भाजपा विधायक दल की बैठक में विधायक दल का नेता चुना गया है। इसके साथ ही वह मणिपुर के नए मुख्यमंत्री होंगे। मणिपुर से भाजपा के विधायकों की बैठक मंगलवार की शाम करीब पांच बजे बीजेपी मुख्यालय में हुई। मणिपुर में करीब एक साल से राष्ट्रपति शासन लगा हुआ है और मुख्यमंत्री का पद खाली है। इससे पहले भाजपा के महासचिवों की गृह मंत्री अमित शाह के साथ भाजपा के एक्सटेंशन ऑफिस में बैठक हुई। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, संगठन महासचिव बीएल संतोष और राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल मौजूद रहे। वरिष्ठ भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह को पार्टी बैठक के बाद मणिपुर भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है। यह जिम्मेदारी उन्हें ऐसे अहम समय में मिली है, जब राज्य में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम के बीच पार्टी अपने नेतृत्व को मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

राज्य से एक साल बाद हटेगा राष्ट्रपति शासन

युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के एक प्रमुख भाजपा नेता और दो बार के विधायक हैं। वह 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में सिंगजामेई विधानसभा क्षेत्र से चुने गए थे, जिससे राज्य की राजधानी क्षेत्र में उनकी मजबूत राजनीतिक पकड़ साफ झलकती है। मार्च 2017 में वह मणिपुर विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए थे और 2022 तक पूरे पांच साल तक इस पद पर रहे।

पश्चिम बंगाल में अकेले लड़ेगी ममता

- कहा- किसी से भी गठबंधन नहीं करेगी TMC

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को राज्य के आगामी विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन की संभावना से इंकार कर दिया है। ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि बाकी सभी सियासी दल टीएमसी के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। ममता बनर्जी के इस फैसले को कांग्रेस के लिए बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल भाजपा के खिलाफ विपक्षी पार्टियों ने मिलकर इंडिया ब्लॉक बनाया है। इनमें कांग्रेस के साथ ही टीएमसी भी शामिल है। इसके बावजूद ममता बनर्जी ने कांग्रेस को सीधे तौर पर सियासी ठेंगा दिखा दिया है। बीते जनवरी महीने में कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी (पश्चिम बंगाल) के चेयरमैन बीके हरिप्रसाद ने कहा था कि स्क्रीनिंग कमेटी की पहली बैठक हुई। उन्होंने बताया था कि पार्टी हाईकमान जल्द ही पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी नेतृत्व के साथ बैठक करेगा ताकि आने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीति को फाइनल किया जा सके।

बुलेट ट्रेन को महाराष्ट्र में रफ्तार

महानगर संवाददाता

मुंबई

मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना ने महाराष्ट्र में एक और उपलब्धि हासिल की। पालघर जिले में मंगलवार को दूसरी सुरंग की खुदाई पूरी होते ही हाईस्पीड रेल का सपना और करीब आ गया। महज एक महीने पहले पहली टनल का ब्रेक थ्रू हुआ था और अब दूसरी सफलता ने परियोजना की रफ्तार को और तेज कर दिया है। इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ऑनलाइन जुड़े। जैसे ही टीबीएम मशीन ने सुरंग के अंतिम हिस्से को भेदा, तालियों की गूंज सुनाई दी। भारत माता की जय के नारों के बीच इंजीनियरों और कर्मचारियों ने तिरंगा लहराकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दोहराया कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन 15 अगस्त 2027 को पटरी पर दौड़ेगी। इसके साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो जाएगा, जहां हाईस्पीड ट्रेन सेवा उपलब्ध है।

गुजरात के बाद अब महाराष्ट्र में भी बुलेट ट्रेन परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है। रेल मंत्री के मुताबिक बुलेट ट्रेन का पहला ट्रायल रन गुजरात में होगा। सबसे पहले यह ट्रेन सूरत से बिलिमोरा के बीच फर्राटा भरेगी। 508 किलोमीटर लंबे पूरे कॉरिडोर को 2029 तक चालू करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके बाद अहमदाबाद से मुंबई का सफर महज 2 घंटे में पूरा होगा। अहमदाबाद में प्रस्तावित कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 के दौरान बुलेट ट्रेन को यात्रियों के लिए बेहद उपयोगी माना जा रहा है। तेज, सुरक्षित और आधुनिक परिवहन व्यवस्था के रूप में यह परियोजना भारत की वैश्विक छवि को भी नई ऊंचाई देगी।

- पालघर में दूसरी टनल का ब्रेक थ्रू

एक और उपलब्धि: फडणवीस

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के ट्वीट को शेयर करते हुए लिखा, अजेय महाराष्ट्र! बुलेट ट्रेन के सफर में एक और उपलब्धि हासिल करते हुए, एक महीने के भीतर पालघर में दूसरी सुरंग का सफलतापूर्वक ब्रेक थ्रू (सफलतापूर्वक खुदाई) संपन्न हुई। बता दें कि मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की कुल लंबाई 508 किलोमीटर की है। गुजरात में कुल 348 किलोमीटर ट्रैक है, जबकि 4 किलोमीटर ट्रैक दादरा नगर हवेली और बाकी 156 किलोमीटर का कॉरिडोर महाराष्ट्र में हैं।

हिमाचल में खाई में गिरी बस, 3 की मौत

देहरादून। मंगलवार सुबह हिमाचल प्रदेश के चौपाल-नेरवा से पांवटा जा रही एचआरटीसी की एक बस क्वानू के पास अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में बस तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह बस सुबह साढ़े छह बजे चौपाल डिपो से पहले नेहवा पहुंची और उसके बाद मीनस-क्वानू- हरिपुर रूट से पांवटा जा रही थी। बस में तीस से अधिक लोग सवार बताए जा रहे हैं। घटना सुबह करीब दस बजे की बताई जा रही है। मीनस-क्वानू- हरिपुर मार्ग पर सुदोई गड्ढे के पास ट्रक को साइड देने के चक्कर में सड़क का पुश्ता धंसने से सवारियों से भरी एचआरटीसी की बस खाई में कई पलटी खाने के बाद सीधे गड्ढे में जा गिरी। स्थानीय लोग राहत एवं बचाव कार्य के लिए मौके पर जुट गए। घटना की सूचना से पुलिस प्रशासन व एसडीआरएफ की टीम मौके के लिए रवाना हो गई। वहीं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर दुख जताया। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में लिखा, क्वानू-मीनस मोटर मार्ग, कालसी क्षेत्र (देहरादून) में हिमाचल परिवहन निगम की बस के दुर्घटनाग्रस्त होने का अत्यंत दुःखद समाचार प्राप्त हुआ है।

मेटा-वॉट्सएप कानून मानें या भारत छोड़ें : सुप्रीम कोर्ट

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक और व्हाट्सऐप की प्राइवेसी पॉलिसी को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि टेक कंपनियां डेटा साझा करने के नाम पर नागरिकों के निजता के अधिकार के साथ 'खेल' नहीं सकतीं। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मेटा प्लेटफॉर्म्स और व्हाट्सऐप एलएलसी की प्राइवेसी पॉलिसी को लेकर कड़ी और आलोचनात्मक टिप्पणियां कीं और कहा कि अदालत उन्हें भारतीयों के निजी डेटा का शोषण करने की अनुमति नहीं देगी। अदालत मेटा प्लेटफॉर्म्स और व्हाट्सऐप एलएलसी द्वारा दायर उन अपीलों पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसने व्हाट्सऐप की 2021 की प्राइवेसी पॉलिसी के संबंध में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा लगाए गए 213.14 करोड़ के जुर्माने को बरकरार रखा था। इसके साथ ही भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने भी एक क्रॉस-अपील दायर की थी, जिसमें NCLAT के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत मेटा और व्हाट्सऐप को विज्ञापन उद्देश्यों के लिए यूज़र्स का डेटा साझा करने की अनुमति दी गई थी, यह कहते हुए कि उनकी ओर से प्रभुत्व के दुरुपयोग का मामला नहीं बनता। शीर्ष अदालत ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को भी इन याचिकाओं में पक्षकार बनाए जाने का निर्देश दिया। चीफ जस्टिस ने कहा कि आप डेटा साझा करने के नाम पर इस देश के निजता के अधिकार के साथ नहीं खेल सकते।

भारतीयों का डेटा शेयर करने की इजाजत नहीं देंगे

उधमपुर में जैश का एक आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के मजलता इलाके में सुरक्षाबलों और जैश के आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। सेना को 2-3 आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद पूरे इलाके को घेर लिया गया है। इस दौरान एनकाउंटर में एक आतंकी को ढेर कर दिया गया। सुरक्षा बल आतंकियों को पकड़ने के लिए सघन तलाशी अभियान चला रहे हैं। सूत्रों के अनुसार चिगला बलोता क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान तेज कर दिया। पूरे क्षेत्र में अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है और सर्च ऑपरेशन अब भी जारी है।

विपक्ष के आठ सांसद निलंबित

स्पीकर के आसन पर फेंक रहे थे पर्चे

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र में लगातार दूसरे दिन लोकसभा में हंगामा देखने को मिला। इस दौरान मंगलवार को कांग्रेस के 7 और सीपीएम के एक सांसद को निलंबित कर दिया गया है। जिन सांसदों को सस्पेंड किया गया उन पर सदन में स्पीकर की सीट पर पेपर फाड़कर उछालने के आरोप लगे हैं। स्पीकर पर कागज फेंकने के लिए ही इन सांसदों को निलंबित किया गया है। हालांकि एक्शन के दौरान सांसदों पर आरोप है कि उन्होंने स्पीकर की सीट पर कागज उछाले। वहीं सांसदों के निलंबन पर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में पार्टी ने प्रोटेस्ट किया। पूरा मामला मंगलवार को दिन में तीन बजे सामने आया, जब लोकसभा की कार्यवाही फिर से शुरू हुई। इसी दौरान चेयर की ओर लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में मंगलवार को आसन के समीप

विपक्षी सांसदों की ओर से पेपर के टुकड़े फेंके गए। हंगामे और चेयर की तरफ कागज फेंकने की घटना के सिलसिले में 8 विपक्षी सांसदों को इस सत्र के बाकी समय के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। इसके बाद कागज उछालकर सदन की अवमानना करने के मामले में कांग्रेस के सात सदस्यों और माकपा के एक सांसद को वर्तमान बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया।

इंडिगो का बड़ा फैसला

ईरान तनाव के बाद 28 फरवरी तक उड़ानें रद्द

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिगो ने मंगलवार को ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। ईरान में हो रहे घटनाक्रमों के बीच इंडिगो ने कई उड़ानें रद्द की हैं। इंडिगो ने यात्रियों और क्रू के लिए सुरक्षित और निर्बाध अनुभव सुनिश्चित करने के लिए अपने फ्लाइट शेड्यूल में बदलाव किया है। इंडिगो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि त्बिलिसी, अल्माटी, बाकू और ताशकंद के लिए उसकी उड़ानें 28 फरवरी तक रद्द कर दी गई हैं। इंडिगो ने एक्स पर लिखा, 'ट्रैवल एडवाइजरी- ईरान के आसपास की स्थिति को देखते हुए, हमने अपने ग्राहकों और क्रू के लिए एक सुरक्षित और निर्बाध अनुभव सुनिश्चित करने के लिए अपने फ्लाइट शेड्यूल में अतिरिक्त बदलाव किए हैं।' ग्राहक अपनी पसंद के अनुसार वैकल्पिक यात्रा विकल्पों का पता लगाने या पूरा रिफंड पाने के लिए https://bit.ly/4rnkK5G पर जा सकते हैं।'

डीआरडीओ ने किया SFDR तकनीक का सफल परीक्षण

भारत की मिसाइलों को मिलेगी नई ताकत

चांदीपुर। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 3 फरवरी को सुबह लगभग 10:45 बजे ओडिशा तट के पास चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से सॉलिड फ्यूल डक्टेड रामजेट (SFDR) तकनीक का सफल प्रदर्शन किया। इस सफल परीक्षण के साथ भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है, जिनके पास यह उन्नत तकनीक मौजूद है। यह तकनीक लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के विकास में अहम भूमिका निभाती है। इस तकनीक से संभावित विरोधियों के मुकाबले रणनीतिक बढ़त मिलती है। परीक्षण के दौरान सभी प्रमुख उप-प्रणालियों ने अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन किया। इनमें नोजल-लेस बूस्टर, सॉलिड फ्यूल डक्टेड रामजेट मोटर और फ्यूल फ्लो कंट्रोलर शामिल थे। सिस्टम को पहले ग्राउंड बूस्टर मोटर की मदद से निर्धारित मैक संख्या तक पहुंचाया गया, जिसके बाद एसएफडीआर प्रणाली ने सफलतापूर्वक काम किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी बधाई

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एसएफडीआर तकनीक के सफल प्रदर्शन पर डीआरडीओ और उद्योग जगत को बधाई दी। वहीं रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव एवं डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने इस सफल उड़ान परीक्षण में शामिल सभी टीमों को शुभकामनाएं दीं।

कोयला तस्करी मामले में ED का एक्शन

कोलकाता-दुर्गापुर समेत 9 ठिकानों पर मारा छापा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोयला तस्करी मामले की जांच कर रही ईडी ने मंगलवार सुबह एक बार फिर बड़ी कार्रवाई शुरू की है। केंद्रीय जांच एजेंसी की टीमें कोलकाता, दुर्गापुर, आसनसोल, बर्द्धमान सहित कुल नौ स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चला रही है। सूत्रों के अनुसार इस छापेमारी का मुख्य उद्देश्य कोयला तस्करी से अर्जित 'काले धन' के लेन-देन के तरीकों का पता लगाना है। जांच एजेंसी को शक है कि तस्करी की इस बड़ी रकम को हवाला के जरिए ठिकाने लगाया गया है। ईडी इसी वित्तीय ट्रेल को ट्रैक करने के लिए डिजिटल साक्ष्यों और दस्तावेजों को खंगाल रही है। कोलकाता के साथ-साथ दुर्गापुर में भी ED ने मंगलवार सुबह करीब 6 बजे से सेपको टाउनशिप में बालू कारोबारी के आवास पर छापेमारी की है। सिटी सेंटर क्षेत्र के आंबेडकर सरणी स्थित एक संदिग्ध घर की तलाशी ली जा रही है।

ठाणे, केडीएमसी सहित कई मनपाओं को मिले महापौर

ठाणे को मिला नया नेतृत्व

शर्मिला पिंपलोलकर बनीं महापौर, कृष्णा पाटील उपमहापौर

ठाणे। ठाणे नगर निगम को नया महापौर और उपमहापौर मिल गया है। मंगलवार को हुई विशेष आम सभा में शिवसेना की शर्मिला पिंपलोलकर को ठाणे की महापौर चुना गया,जबकि भारतीय जनता पार्टी के कृष्णा दादू पाटील को उपमहापौर पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। दोनों का चयन निर्विरोध हुआ। महापौर और उपमहापौर पद के लिए यह चुनाव जिलाधिकारी एवं पीठासीन अधिकारी डॉ. श्रीकृष्णनाथ पांचाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। चुनाव की औपचारिक घोषणा भी डॉ. पांचाल ने ही की। यह विशेष आम सभा ठाणे महानगरपालिका के भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सभागृह में आयोजित की गई थी। सभा में जिलाधिकारी के साथ-साथ महापालिका सचिव मनीष जोशी भी उपस्थित थे। सुबह 11.30 बजे शुरू हुई इस बैठक में महापौर और उपमहापौर पद के लिए किसी भी प्रकार का विरोध या मुकाबला नहीं हुआ, जिसके चलते दोनों पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद ठाणे महानगरपालिका आयुक्त सौरभ राव ने नवनिर्वाचित महापौर शर्मिला पिंपलोलकर और उपमहापौर कृष्णा पाटील का स्वागत किया। इस अवसर पर आयुक्त राव ने दोनों जनप्रतिनिधियों को तुलसी का पौधा भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

नए नेतृत्व के चयन के साथ ही शहर के विकास, प्रशासनिक समन्वय और नागरिक सुविधाओं को लेकर अपेक्षाएं बढ़ गई हैं। महापौर और उपमहापौर के रूप में दोनों नेताओं की भूमिका आने वाले समय में ठाणे शहर की दिशा तय करने में अहम मानी जा रही है। ठाणे महानगरपालिका में सत्ता संतुलन और आपसी समन्वय के इस नए समीकरण पर अब सभी की नजरें टिकी हैं।

अश्वनी कमलेश निकम बनी उल्हासनगर की महापौर

अमर लुंड बने उप-महापौर

उल्हासनगर। मंगलवार को मनपा महापौर उप महापौर का चुनाव संपन्न हुआ, इस चुनाव में कालानी खेमे की आश्वनी कमलेश निकम ने मनपा महापौर पद पर अपना कब्जा जमा लिया है। वहीं भाजपा के अमर लुंड उप महापौर पद पर कब्जा किया है,और दोनो उम्मीदवार निर्विरोध चुने गये हैं। उल्हासनगर महानगरपालिका में आखिरकार सत्ता का समीकरण स्पष्ट हो गया है। महायुति (भाजपा-शिवसेना गठबंधन) ने मनपा पर अपना परचम लहराया है, शिवसेना की अश्विनी कमलेश निकम को निर्विरोध महापौर चुना गया है, जबकि भाजपा के अमर लुंड ने निर्विरोध उप-महापौर का पद संभाला है। हालांकि भाजपा और शिवसेना राज्य में गठबंधन (महायुति) का हिस्सा हैं।

मीरा-भायंदर मनपा में भाजपा का परचम

डिंपल मेहता दूसरी बार बनीं महापौर | विरोध प्रदर्शन के दौरान हंगामा

भायंदर। मीरा-भायंदर महानगरपालिका में एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी ने महापौर पद पर कब्जा जमाया है। भाजपा की डिंपल मेहता दूसरी बार महापौर बनी हैं, जबकि ध्रुव किशोर पाटील को उप महापौर चुना गया है। मीरा-भायंदर मनपा चुनाव में भाजपा को कुल 95 सीटों में से 78 सीटों के साथ एक अपक्ष नगरसेवक का समर्थन मिला। वहीं भाजपा उम्मीदवारों के विरोध में 16 वोट पड़े। स्पष्ट बहुमत के साथ डिंपल मेहता का महापौर बनना तय हुआ। महापौर चुनाव के दौरान मनसे शहर अध्यक्ष संदीप राणे और मराठी एकीकरण समिति के गोवर्धन देशमुख ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ डिंपल मेहता के चयन का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने "मराठी महापौर" की मांग को लेकर आंदोलन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई, जिससे कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण बन गया। मनसे शहर अध्यक्ष संदीप राणे ने भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता पर मराठी समाज के साथ अन्याय करने और शहर में "घराना शाही" चलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मराठी अस्मिता की अनदेखी की जा रही है। वहीं पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने कहा कि डिंपल मेहता ओबीसी समाज से आती हैं और उनके पास वैध जाति प्रमाण पत्र मौजूद है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र सरकार के नियमों के अनुसार, जो व्यक्ति वर्ष 1962 से राज्य में निवास कर रहा है, उसे जाति प्रमाण पत्र दिया जाता है। इस आधार पर डिंपल मेहता महाराष्ट्र की ही निवासी हैं और उनका जन्म भी यहीं हुआ है। नरेंद्र मेहता ने विरोध करने वालों पर राजनीतिक लाभ के लिए मुद्दे को तूल देने का आरोप लगाया और कहा कि यह पूरा विरोध राजनीति से प्रेरित है।

वसई-विरार महानगर पालिका : अजीव पाटिल बने महापौर

विरार। वसई-विरार की राजनीति में एक बार फिर हितेंद्र ठाकुर का जादू सिर चढ़कर बोला है। साढ़े पांच साल के लंबे प्रशासनिक शासन के बाद, मंगलवार को बहुजन विकास अघाड़ी ने आधिकारिक तौर पर महानगरपालिका की सत्ता की चाबी अपने हाथ में ले ली। भारी गहमागहमी और कड़ी सुरक्षा के बीच हुए चुनाव में अजीव पाटिल को वसई-विरार का नया महापौर और मार्शल लोपिस को उप महापौर चुना गया।

रणनीति के आगे पस्त हुआ विपक्ष

हालांकि कयास लगाए जा रहे थे कि चुनाव निर्विरोध हो सकता है,लेकिन भाजपा-शिवसेना (शिंदे) गठबंधन ने मुकाबले में उतरकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। बहुजन विकास अघाड़ी की ओर से रणनीतिक तौर पर कई उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए थे, परंतु अंतिम क्षणों में नाम वापस लेकर अजीव पाटिल के लिए रास्ता पूरी तरह साफ कर दिया गया। अजीव पाटिल अब इस प्रतिष्ठित महापालिका के 7वें महापौर के रूप में शहर की कमान संभालेंगे।

चुनौतियों का 'कांटों भरा ताज'

भले ही जश्न का माहौल है, लेकिन नए महापौर के लिए राह आसान नहीं होगी। पिछले कई वर्षों से प्रशासक के अधीन रहे इस शहर में कई मुद्दे लंबित हैं।बढ़ती आबादी के बीच पानी की सुचारू आपूर्ति।सड़कों का सुदृढ़ीकरण और यातायात की समस्या। वसई विरार महापालिकाआयुक्त मनोज कुमार सूर्यवंशी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय के साथ काम करने की उम्मीद जताई है।

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका : हर्षाली चौधरी महापौर,राहुल दामले उपमहापौर चुने गए

कल्याण। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका(केडीएमसी) में महापौर और उपमहापौर पद के चुनाव शांतिपूर्ण और निर्विरोध संपन्न हुए। हर्षाली चौधरी थविल को महापौर तथा राहुल दामले को उपमहापौर चुना गया। चुनाव परिणाम घोषित होते ही महापालिका सभागार में खुशी का माहौल देखने को मिला। सभी दलों के नगरसेवकों ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी और उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। विशेष बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों ने विश्वास जताया कि नया नेतृत्व जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देगा। कई नगरसेवकों ने उम्मीद जताई कि प्रशासनिक कारणों से रुके विकास कार्यों को अब तेजी मिलेगी। महापौर पद की घोषणा के बाद हर्षाली चौधरी ने सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की उपस्थिति में पदभार ग्रहण किया। इसी बीच चुनाव प्रक्रिया के दौरान शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के तीन नगरसेवक—राहुल कोट, स्वप्नाली केणे और मधुर म्हात्रे—सभागार में अनुपस्थित रहे। इनकी गैरहाजिरी ने राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं को हवा दे दी है। पार्टी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तीनों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सूत्रों के अनुसार, जवाब मिलने के बाद आगे की पार्टी कार्रवाई तय की जाएगी। हालांकि, पार्टी की चौथी 'नॉट-रीचेबल' नगरसेवक कीर्ति ढोणे सभागार में मौजूद रहीं। उन्होंने अपनी उपस्थिति को लेकर स्पष्टीकरण देते हुए पार्टी के प्रति निष्ठा दोहराई।

नागरिकों की नजर अब विकास पर

महापालिका में सत्ता संरचना स्पष्ट होने के बाद अब नागरिकों की अपेक्षाएं नए नेतृत्व से बढ़ गई हैं। शहर में आधारभूत सुविधाओं, जल आपूर्ति, सड़कों की स्थिति, स्वच्छता और अन्य नागरिक समस्याओं पर ठोस निर्णय लिए जाने की मांग उठ रही है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि नई टीम शहर के विकास को प्राथमिकता देगी और लंबित परियोजनाओं को जल्द आगे बढ़ाएगी।

भिवंडी में एक ही दिन दो नाबालिग बच्चे लापता

पुलिस की सक्रियता पर उठे सवाल

भिवंडी। भिवंडी शहर में नाबालिग बच्चों के लापता होने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। एक ही दिन में शहर के अलग-अलग इलाकों से दो नाबालिग बच्चों के गायब होने की घटनाओं ने अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। लगातार सामने आ रही ऐसी वारदातों के चलते पुलिस की सक्रियता और कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। पुलिस के अनुसार, नारपोली पुलिस स्टेशन अंतर्गत काल्हेर इलाके से एक 12 वर्षीय नाबालिग बच्चा अचानक लापता हो गया है। परिजनों को आशंका है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने बच्चे की नासमझी का फायदा उठाकर उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। वहीं दूसरी घटना शांतिनगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के न्यू आजाद नगर की है, जहां 9 वर्षीय बच्चा 31 जनवरी को दोपहर करीब 12 बजे अपने घर के सामने खेल रहा था, लेकिन उसके बाद वह वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बावजूद बच्चे का कोई सुराग नहीं लग पाया। दोनों मामलों में पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज कर बच्चों की तलाश शुरू कर दी है। हालांकि, बीते दिनों में नाबालिगों के गायब होने की बढ़ती घटनाओं और कई मामलों में बच्चों का अब तक पता न चल पाने से नागरिकों में भय का माहौल है।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

महानगर संवाददाता

भिवंडी

चार देसी पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद

भिवंडी में अपराध शाखा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से चार देसी पिस्टल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई ठाणे पुलिस की विशेष शाखा की टीम ने की है। मामले में आरोपी के खिलाफ नारपोली पुलिस थाना में शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान सोहेल बेग शोराब बेग मिर्झा (20) के रूप में हुई है,जो मूल रूप से आलमपुर, लहारखेड़ा, जिला भिंड, मध्यप्रदेश का निवासी है। वर्तमान में वह भिवंडी क्षेत्र में रह रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक अवैध हथियार लेकर भिवंडी इलाके में घूम रहा है। सूचना के आधार पर 2 फरवरी की दोपहर करीब 3।55 बजे जय बारकुला देव चौक, वेहले-भाटाले रोड, मानकोली नाका के पास भिवंडी में जाल बिछाकर आरोपी को रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से बिना किसी वैध लाइसेंस के चार देसी पिस्टल और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए। जब पुलिस ने हथियार रखने का कारण और दस्तावेज पूछे, तो आरोपी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने महाराष्ट्र पुलिस आयुक्त, ठाणे द्वारा जारी निषेधाज्ञा (मनाई आदेश) का भी उल्लंघन किया है। बरामद हथियारों की कुल कीमत करीब 4 लाख 12 हजार 940 रुपये आंकी गई है। इस मामले में नारपोली पुलिस स्टेशन में शस्त्र अधिनियम की धारा 3, 25, 27 के साथ-साथ महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धाराओं 37(1) और 135 के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी इन हथियारों को कहां से लाया, किस उद्देश्य से भिवंडी आया था और क्या वह किसी संगठित अपराध गिरोह से जुड़ा हुआ है। इस कार्रवाई से शहर में अवैध हथियारों की तस्करी पर एक बार फिर चिंता बढ़ गई है। जिसकी आगे की जांच अमली पदार्थ विरोधी पथक, अपराध शाखा ठाणे के पुलिस उप निरीक्षक राजेन्द्र निकम कर रहे है।

नाले की सफाई के दौरान एक की मौत, एक बीमार

मुम्बई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के पश्चिमी उपनगर में एक मॉल के पास नाले की सफाई के दौरान एक मजदूर की दम घुटने से मौत हो गयी, जबकि एक अन्य सफाईकर्मी तबीयत खराब होने पर उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के बाद उसे छुट्टी दे दी गयी। अग्निशमन दल के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना मंगलवार की है। मजदूरों की पहचान कर ली गयी है। मृतक का नाम सलील रजाक गाजी (27) था और दूसरा प्रभावित मजदूर 30 वर्षीय साहिल नूर है। दोनों सफाई अभियान के दौरान संकरी, गहरे नाले में प्रवेश कर गये थे। जहां दोनों का दम घुटने लगा। मौके पर मौजूद अन्य श्रमिकों ने तुरंत आपातकालीन सेवाओं को खबर दी और रस्सियों के सहारे उन्हें बाहर निकालने की कोशिश की।

18 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, दो लोग झुलसे

महानगर संवाददाता

ठाणे

70 को बचाया गया

ठाणे में मंगलवार को एक 18 मंजिला इमारत आग की चपेट में आ गई। आग की लपटों के बीच 70 से ज्यादा लोग अंदर फंस गए,जिन्हें रेस्क्यू किया गया। पुलिस के अनुसार, इस घटना में दो लोग घायल हैं। ये घटना ठाणे के शास्त्री नगर स्थित मिलान हिल का है। मंगलवार सुबह लगभग 4 बजे बिजली की पाइप से चिंगारी उठी और पलक झपकते ही पूरी बिल्डिंग आग की चपेट में आ गई। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन अधिकारी यासीन ताडवी के अनुसार, हमें सुबह 4.14 बजे आग लगने की सूचना मिली। आग 10वीं और 13वीं मंजिल के बीच में स्थित बिजली की पाइप में लगी थी, जिससे इमारत के अंदर भारी धुआं भर गया था। यासीन ने बताया कि धुएं के कारण लगभग 70 से ज्यादा लोग अंदर फंस गए थे। दमकल कर्मियों और रेस्क्यू टीम ने मिलकर सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। हालांकि, इस घटना में 62 वर्षीय और 74 वर्षीय दो लोग बुरी तरह से झुलस गए। दोनों घायलों को निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिकारी के अनुसार, दमकल कर्मियों ने सुबह लगभग 5.30 बजे तक आग पर काबू पा लिया था। आग लगने का सटीक कारण अभी पता नहीं चल सका है।

एक व्यक्ति की हत्या के संबंध में दो महिला गिरफ्तार

ठाणे। ठाणे जिले में कथित तौर पर झगड़े के बाद एक अज्ञात व्यक्ति की मौत के सिलसिले में पुलिस ने एक युवती को गिरफ्तार किया है और एक नाबालिग लड़की को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सहायक पुलिस निरीक्षक जयश्री अनावाने ने बताया कि भिवंडी कस्बे में रविवार को 40 वर्षीय व्यक्ति और दोनों आरोपियों के बीच किसी मुद्दे पर झगड़ा हो गया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी 18 वर्षीय महिला और 17 वर्षीय महिला ने धामंकर नाका स्थित पुलिस चौकी के स्लैब से उस व्यक्ति को कथित तौर पर धक्का देकर नीचे गिरा दिया। उन्होंने बताया कि गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ घंटों के बाद उसकी मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने पहले झगड़े और गंभीर चोट पहुंचाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की थी और व्यक्ति की मौत हो जाने के बाद इसे भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 के तहत गैर इरादतन हत्या के मामले में बदल दिया।

दूध की गाड़ी का ड्राइवर बना ठग

डेयरी व्यापारी से 4.50 लाख रुपए की ठगी

भिवंडी। भिवंडी में दूध व्यवसाय से जुड़े एक गंभीर धोखाधड़ी के मामले में ड्राइवर और बिचौलिये की मिलीभगत सामने आई है। दूध सप्लाई के नाम पर डेयरी व्यापारी से 4.50 लाख रुपये की रकम हड़प ली गई। कोनगांव पुलिस ने इस मामले में आरोपी ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, वहीं पूरे प्रकरण में एक अन्य व्यक्ति राजू यादव की भूमिका भी अहम बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता नरेन्द्र मधुकर देवरे (30), निवासी भिवंडी, पेशे से दूध डेयरी का व्यवसाय करते हैं। वे अपनी डेयरी से दूध की सप्लाई राजू यादव (निवासी नवी मुंबई) को करते थे,जो आगे अन्य स्थानों पर दूध पहुंचाने का काम करता था। इसी सप्लाई व्यवस्था में आरोपी संतोष राजाराम सिंह (40),जो दूध की गाड़ी चलाने का ड्राइवर है, को दूध और रकम लाने-ले जाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

आरोप है कि राजू यादव को दूध सप्लाई के बदले मिलने वाली रकम ड्राइवर संतोष सिंह के माध्यम से शिकायतकर्ता तक पहुंचनी थी। लेकिन आरोपी ड्राइवर ने राजू यादव से दूध की रकम लेकर शिकायतकर्ता तक नहीं पहुंचाई और विश्वास का दुरुपयोग करते हुए अलग-अलग समय पर कुल 4 लाख 50 हजार रुपये की रकम अपने पास ही रख ली। बार-बार पूछताछ के बावजूद जब रकम वापस नहीं की गई, तब नरेन्द्र देवरे को ठगी का एहसास हुआ।

अवैध वाहन पार्किंग के कारण आग बुझाने में बाधा होने पर वाहन मालिक पर होगा मामला दर्ज

मुंबई। अनधिकृत वाहन पार्किंग के कारण यदि आग बुझाने में और बचाव कार्य में फायर विभाग को बाधा उत्पन्न होती है तो संबंधित वाहन मालिकों के खिलाफ सीधे पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की जाएगी। इस तरह की इस तरह की जानकारी मनपा आयुक्त भूषण गगराणी ने दी। बता दें कि मुंबई फायर विभाग शहर में नागरिकों के साथ-साथ पशु-पक्षियों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए आगजनी की घटनाओं तथा अन्य प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं के दौरान बचाव कार्य करता है। इसके लिए अत्याधुनिक वाहनों,उपकरणों और प्रशिक्षित मनुष्यबल के माध्यम से घटनास्थल पर शीघ्र पहुंचना आवश्यक होता है। पिछले कुछ वर्षों से यह बार-बार सामने आया है कि शहर की सड़कों के किनारे नागरिकों द्वारा बड़ी संख्या में वाहन अनधिकृत रूप से पार्क किए जाते हैं। ऐसे वाहनों के कारण फायर गाड़ियों को घटनास्थल तक समय पर पहुंचने में तथा प्रत्यक्ष कार्रवाई के दौरान गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ता है। इससे बचाव कार्य में देरी होती है और जान-माल के नुकसान की आशंका काफी बढ़ जाती है जिसे अत्यंत गंभीर माना गया है। मनपा आयुक्त भूषण गगरानी ने कहा कि ऐसी कई घटनाओ में देखा गया है कि आपदा स्थितियों में अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों के कारण अग्निशमन दल को समय पर पहुंचने और प्रभावी कार्रवाई करने में कठिनाई होती है। यदि किसी आग या आपदा स्थल पर अनधिकृत रूप से पार्क किए गए वाहन के कारण अग्निशमन या बचाव कार्य में विलंब होता है और इससे जान-माल की हानि या घायलों की संख्या बढ़ती है। आयुक्त ने कहा बचाव कार्य में गया फायर अधिकारी या कर्मचारी बचाव कार्य पूर्ण होने के बाद उस वाहन का पंजीकरण नंबर सहित फोटो लेकर वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति से संबंधित पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करेंगे।

आंगनवाड़ी यात्रा 2026 के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय

मुंबई। यात्रियों के लिए अच्छी खबर है, आंगनवाड़ी यात्रा 2026 के लिए कोंकण रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है , जिसका विवरण इस प्रकार है ।

आंगनवाड़ी यात्रा-2026 के दौरान यात्रियों की भीड़ अधिक होती है। जिसे कम करने के लिए ये स्पेशल ट्रेनें चलाने का फ़ैसला किया गया है। डिटेल्स नीचे दी गई हैं।

ट्रेन नंबर 01004 / 01003 मडगांव जंक्शन - लोकमान्य तिलक (T) - मडगांव जंक्शन वीकली स्पेशल।

ट्रेन नंबर 01004 मडगांव जंक्शन - लोकमान्य तिलक (T) वीकली स्पेशल 07 और 09 फरवरी को मडगांव जंक्शन

से 16:30 बजे निकलेगी। ट्रेन अगले दिन 05:50 बजे लोकमान्य तिलक (T) पहुंचेगी।

ट्रेन नंबर 01003 लोकमान्य तिलक (T) - मडगांव जंक्शन। साप्ताहिक स्पेशल 08 और 10 फरवरी को लोकमान्य तिलक (टी) से 07:55 बजे रवाना होगी। ट्रेन उसी दिन 22:00 बजे मडगांव जंक्शन पहुंचेगी।

ट्रेन करमाली, थिविम, सावंतवाड़ी रोड, कुडाल, सिंधुदुर्ग, कंकवली, वैभववाड़ी रोड, राजापुर रोड, विलावडे, अडावली, रत्नागिरी, संगमेश्वर रोड, चिपलून, खेड़, मानगांव, रोहा, पेन, पनवेल और थाणे स्टेशनों पर रुकेगी।

संरचना : कुल 22 कोच = स्लीपर - 20 कोच, एसएलआर - 02।

उपर्युक्त ट्रेनों के विस्तृत ठहराव और समय के लिए कृपया www lenquiry lindianrail lgov lin पर जाएं।

ट्रेन संख्या के लिए बुकिंग 01004 सभी पैसेंजर रिज़र्वेशन सिस्टम (PRS), इंटरनेट और IRCTC वेबसाइट पर 04 फरवरी को खुलेगा।

सी-टीईटी परीक्षा देने वाले शिक्षकों को चुनाव ड्यूटी से छूट

7 फरवरी को मतदान होगा

मुंबई। केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सी-टीईटी) देने वाले शिक्षकों को जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों की ड्यूटी से छूट दी गई है। इस संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी संबंधित जिला अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के कारण राज्य में तीन दिन का शोक घोषित किया गया था। इसके चलते 12 जिला परिषदों और उनके अंतर्गत 125 पंचायत समितियों के आम चुनाव की मतदान तिथि में बदलाव किया गया है। अब पहले से तय 5 फरवरी के बजाय 7 फरवरी को मतदान होगा। इसी दौरान राज्य के कुछ शिक्षकों की सी-टीईटी परीक्षा होने के कारण, ऐसे शिक्षकों को चुनावी ड्यूटी से मुक्त रखने और उनके स्थान पर वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित जिला अधिकारियों को दिए गए हैं।

खारेगांव टोल नाके पर भीषण हादसा

महानगर संवाददाता

ठाणे

कचरा ट्रक चालक गंभीर घायल

खारेगांव टोल नाके के आगे मुंब्रा की ओर जाने वाले मार्ग पर मंगलवार तड़के बड़ा सड़क हादसा हुआ। एक भारी कचरा ट्रक आगे चल रहे अज्ञात वाहन से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक का चालक केबिन में फंस गया।

घटना सुबह करीब 6.02 बजे की है। हादसे की सूचना मिलते ही रेतीबंदर बीट अग्निशमन केंद्र की टीम मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड, आपदा प्रबंधन कक्ष, एंबुलेंस, शहर यातायात पुलिस और कलवा पुलिस ने संयुक्त रूप से बचाव कार्य शुरू किया। हादसे में शामिल ट्रक अशोक लेलैंड कंपनी का था। वाहन मुलुंड डंपिंग से मुंब्रा की ओर मलबा और कचरा लेकर जा रहा था। दुर्घटना के कारण चालक राजकुमार, उम्र 32 वर्ष, निवासी तळोजा, ट्रक में बुरी तरह फंस गया। रेस्क्यू टीम ने सावधानीपूर्वक चालक को बाहर निकाला। उसके पैर में गंभीर चोटें आई हैं। घायल चालक को तुरंत कलवा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में भर्ती कराया गया। दुर्घटना के बाद कुछ समय तक सड़क पर यातायात बाधित रहा। शहर यातायात पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को सड़क के किनारे हटाने की कार्रवाई की। इसके बाद यातायात धीरे-धीरे सामान्य हुआ। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

उद्यमियों को एक लाख एकड़ भूमि उपलब्ध कराने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री फडणवीस ने संबंधित अधिकारियों को दिया निर्देश

महानगर संवाददाता

मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य में औद्योगिक विकास के लिए शुरू भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को और तेज और पारदर्शी ढंग से पूरी किये जाने तथा परियोजनाओं के लिए भूमि देने वाले किसानों और भूमिधारकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, ऐसा निर्देश दिया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री सरकारी आवास वर्षा बंगले पर महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल (एमआईडीसी) तथा महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (एमएसआरडीसी) की विभिन्न परियोजनाओं के लिए चल रहे भूमि अधिग्रहण को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। बैठक में उद्योग मंत्री डॉ. उदय सामंत (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से), मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल, लोक निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव मिलिंद म्हैसकर, राजस्व विभाग के अपर मुख्य सचिव विकास खारगे, उद्योग विभाग के प्रधान सचिव पी.

अन्बलगन, एमआईडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पी. वेलारासू, एमपीआरडीसी के प्रबंध निदेशक अनिल गायकवाड तथा संबंधित जिलों के जिलाधिकारी (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से) उपस्थित थे। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि राज्य में औद्योगिक विकास के लिए विभिन्न विभागों के पास कुल 8,969 एकड़ भूमि उपलब्ध है तथा अतिरिक्त 20,431 एकड़ भूमि का नया अधिग्रहण किया गया है। फडणवीस ने कहा कि राज्य में औद्योगिक निवेश की भारी मांग आ रही है और उद्यमियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एमआईडीसी को एक लाख एकड़ भूमि उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखना चाहिए। मुंबई–पुणे–नागपुर के साथ-साथ नासिक, छत्रपति संभाजीनगर और सोलापुर क्षेत्रों में भी निवेशकों की भूमि मांग बढ़ रही है। इस दृष्टि से संबंधित जिलाधिकारियों को भूमि अधिग्रहण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। राज्य सरकार की ओर से आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा,विभिन्न जिलों में एमआईडीसी के भूमि अधिग्रहण के साथ-साथ एमएसआरडीसी की शक्तिपीठ एक्सप्रेस वे, विरार–अलीबाग मल्टीमॉडल कॉरिडोर, नागपुर–गोंदिया एक्सप्रेसवे, भंडारा–गडचिरोली एक्सप्रेसवे, नागपुर–चंद्रपुर एक्सप्रेस वे, नवेगांव–सुरजागढ़ मिनरल कॉरिडोर तथा जालना–नांदेड एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाओं की प्रगति की भी मुख्यमंत्री ने समीक्षा की।

शनिवार को तय होगा कौन बनेगा मुंबई का महापौर

महानगर संवाददाता

मुंबई

पिछले पंद्रह दिनों से जिसका इंतजार हो रहा था उसकी घोषणा शनिवार को हो जाएगी। शनिवार को यह तय होगा कि मुंबई का अगला महापौर कौन होगा। भाजपा पहली बार बीएमसी में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। भाजपा का महापौर बनना तय हो चुका है सिर्फ नाम की घोषणा होना बाकी है। बता दें कि भाजपा और शिवसेना नगरसेवकों ने सोमवार को कोकण भवन में अपना रजिस्ट्रेशन किया। भाजपा और शिवसेना नगरसेवकों ने मंगलवार को मनपा मुख्यालय आकर मनपा सचिव के पास अपने रजिस्ट्रेशन के कागजात सौंपे। महापौर पद के चुनाव को लेकर मनपा आयुक्त भूषन गगरानी ने अधिसूचना जारी कर दी। जिसके तहत शनिवार को महापौर और उपमहापौर पद के लिए 7 फ़रवरी को नामांकन किया जाएगा और 11 फ़रवरी को चुनाव कराया जाएगा। नामांकन के समय ही यह तय हो जाएगा कि मुंबई का महापौर कौन बनेगा। इससे पहले ही महायुति और महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवारों के

नामों की घोषणा होने की संभावना है। फिलहाल महापौर और उपमहापौर पद के नामों को लेकर गोपनीयता बनी हुई है। संभावना है कि नामांकन पत्र दाखिल करने से ठीक पहले महायुति और महाविकास आघाड़ी अपने-अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित करेंगी। बुधवार 11 फरवरी को होने वाले चुनाव के लिए महानगरपालिका प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। आम नागरिक भी महापौर चुनाव की प्रक्रिया देख सकें, इसके लिए महानगरपालिका मुख्यालय के बाहर बड़ी स्क्रीन लगाई जाएगी। सभागृह में सीमित जगह होने के कारण चुनिंदा लोगों को ही प्रवेश दिया जाएगा, जबकि गैलरी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के लिए आरक्षित रहेगी। इसके अलावा यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया माध्यमों के जरिए भी महापौर चुनाव की प्रक्रिया का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

आंगनवाड़ी यात्रा के कारण 11 फरवरी को चुनाव कराने की तय हुई तारीख

आंगनवाड़ी स्थित भराड़ी देवी की यात्रा के कारण महापौर और उपमहापौर चुनाव आगे बढ़ाने की मांग सभी राजनीतिक दलों ने की थी। इसी के चलते पहले सोमवार 9 फरवरी को होने वाला चुनाव अब बुधवार 11 फरवरी को आयोजित किया जाएगा इस तरह की जानकारी मनपा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी।

किसके पास कौन समिति रहेगी इसका निर्णय मुख्यमंत्री - उपमुख्यमंत्री लेंगे

इस बीच स्थायी समिति, सुधार समिति सहित अन्य समितियों के अध्यक्ष पदों के बंटवारे को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और दोनों दलों के वरिष्ठ नेताओं के बीच अगले दो दिनों में चर्चा होने वाली है। इसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा कि बीएमसी की स्थाई समिति, सुधार समिति सहित शिक्षा, बेस्ट और स्वास्थ्य जैसी समितियों में कौन सी किसके हिस्से में आती हैं, इस तरह की जानकारी शिवसेना नेता राहुल शेवाले ने दी।

स्वच्छता के लिए बीएमसी ने मांगी मदद

मुंबई। आम नागरिकों को सेवा सुविधा मुहैया कराने में हर समय फिसड्डी रहने वाली मुंबई महानगरपालिका स्वच्छता रैंकिंग सुधारने के लिए नागरिकों से सहयोग की अपील की है। बता दें कि केंद्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 का कार्यक्रम घोषित होने के बाद मुंबई महानगरपालिका ने शहर की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार के लिए नागरिकों से सहयोग की अपील की है। पिछले वर्षों में स्वच्छता सर्वेक्षण में पिछड़ने वाली बीएमसी इस बार बेहतर रैंक हासिल करने को लेकर आशान्वित है।

मनपा की ओर से अतिरिक्त आयुक्त (शहर) डॉ. अश्विनी जोशी ने मुंबईकरों से पूरे महानगर में साफ-सफाई बनाए रखने में सक्रिय सहयोग करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन के लिए नागरिकों की भागीदारी बेहद जरूरी है। इसके लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, वर्षा जल प्रबंधन, सीवेज संचालन, मुंबई सीवेज निपटान परियोजना, शिक्षा सहित विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सर्वेक्षण के मूल्यांकन और रिपोर्टिंग के लिए व्यापक, सटीक और अद्यतन जानकारी एकत्र करने पर जोर दिया गया है।

स्वच्छता सर्वेक्षण का आयोजन हर वर्ष केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा किया जाता है,जिसका उद्देश्य शहरों में स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और नागरिक सहभागिता के आधार पर रैंकिंग तय करना है। वर्ष 2025-26 इस अभियान का दसवां वर्ष होगा। इसमें स्वच्छता, कचरे का पृथक्करण, संग्रहण, परिवहन और प्रसंस्करण जैसे पहलुओं का आकलन किया जाएगा।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की थीम केंद्र सरकार ने 'स्वच्छता की नई पहल– बढ़ाएं हाथ, सफाई साथ' तय की है। इसके तहत नागरिकों की प्रतिक्रिया और उसके सत्यापन को अधिक महत्व दिया गया है। वेबसाइट और मोबाइल ऐप के माध्यम से पूरे वर्ष डिजिटल फीडबैक लिया जाएगा। खुले में शौच और पेशाब पर रोक को लेकर नए मानक भी लागू किए गए हैं। इसके साथ ही स्कूलों में व्यवहार परिवर्तन कार्यक्रमों पर विशेष जोर दिया गया है। इस वर्ष तटीय शहरों के लिए अलग मूल्यांकन मानदंड तय किए गए हैं, जबकि पर्यटन, विरासत और धार्मिक स्थलों तथा अधिक भीड़ भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता पर भी खास ध्यान दिया जाएगा।

पीएम और गृह मंत्री से मिलने दिल्ली जाएंगी सुनेत्रा पवार!

महानगर संवाददाता

मुंबई

पति अजित पवार के आकस्मिक निधन के बाद उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पहली बार सुनेत्रा पवार दिल्ली जाएंगी। जहां सुनेत्रा पवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेंगी। सूत्रों से ऐसी जानकारी मिली है। सुनेत्रा पवार का यह दौरा केवल शिष्टाचार भेंट तक नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र की वर्तमान राजनीतिक स्थिति,सत्ता संतुलन और आगामी रणनीति को

लेकर महत्वपूर्ण है। अजित पवार के निधन के बाद राज्य की राजनीति में जो रिक्तता बनी है, उसे लेकर केंद्र और राज्य स्तर पर मंथन तेज हो गया है। सुनेत्रा पवार का यह दिल्ली दौरा राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है।

पुणे और बीड की पालक मंत्री बनीं सुनेत्रा पवार

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को मंगलवार को बीड और पुणे जिलों के पालक मंत्री का प्रभार सौंपा गया। यह पद पहले उनके पति अजित पवार के पास था। मंगलवार को महाराष्ट्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने शासन निर्णय (जीआर) जारी करते हुए सुनेत्रा पवार के पुणे और बीड जिलों के लिए नए पालक मंत्री के रूप में नियुक्ति की घोषणा की।

लाडकी बहिन योजना' को अजित पवार का नाम देने की मांग

मुंबई। राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बीते 28 जनवरी को एक विमान दुर्घटना में निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन से पूरे महाराष्ट्र में शोक की लहर है। राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक स्तर पर शोक संवेदनाएं व्यक्त की जा रही हैं। इसी बीच, राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मेरी लाडली बहन योजना' को अजित पवार का नाम देने की मांग जोर पकड़ने लगी है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायक अमोल मिटकरी ने अपनी मांग में कहा कि योजना का नाम अजित दादा की लाडकी बहिन योजना' रखा जाए। मिटकरी ने कहा कि यह योजना अजित पवार की संकल्पना से शुरू हुई थी। उनकी स्मृतियां लाडकी बहनों के मन में हमेशा बनी रहें, इसी उद्देश्य से यह मांग की जा रही है। उन्होंने इसे अजित पवार को दी जाने वाली एक श्रद्धांजलि बताया। मिटकरी के इस मांग पर मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा कि किसी भी सरकारी योजना का नाम बदलने का अधिकार मंत्रिमंडल को होता है। इस विषय में अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री लेंगे और जो भी निर्णय होगा, उसे उनका समर्थन रहेगा।

मुख्यमंत्री लेंगे अंतिम निर्णयः पंकजा

पंकजा मुंडे लातूर जिले में एक सभा के बाद मीडिया से बातचीत कर रही थीं। इस दौरान पंकजा मुंडे ने अपने हेलीकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी को लेकर भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उन्हें सुबह सूचित किया गया था कि हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई है, जिसके कारण वह उड़ान नहीं भर सकता। हालांकि, खराबी किस प्रकार की थी, इसकी उन्हें विस्तृत जानकारी नहीं दी गई।

ईवी चार्जिंग के लिए बनेगा मजबूत नेटवर्क

- सरकार ने सब-नोडल एजेंसियों की नियुक्ति को दी मंजूरी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी से विस्तार देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। उद्योग, ऊर्जा, कामगार और खनिकर्म विभाग की तरफ से जारी नए शासन निर्णय (जीआर) के तहत अब चार्जिंग स्टेशनों के विकास के लिए मल्टी-नोडल प्रणाली अपनाई जाएगी, जिससे परियोजनाओं को जमीनी स्तर पर तेजी से लागू किया जा सकेगा। इस व्यवस्था में महावितरण राज्य की मुख्य नोडल एजेंसी बनी रहेगी, जबकि काम में तेजी लाने के लिए कई अहम विभागों और संस्थाओं को सब-नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया है। इनमें महानगरपालिकाएं, नगरपालिका, सिडको, एमएमआरडीए, महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम, पीडब्ल्यूडी, एसटी महामंडल, एमआईडीसी, सहकारिता और परिवहन विभाग शामिल हैं।

सब्सिडी का वर्गीकरण

केंद्र सरकार की पीएम-ई ड्राइव योजना के अंतर्गत चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए आकर्षक आर्थिक सहायता तय की गई है। श्रेणी (अ) में सरकारी इमारतों को अपस्ट्रीम इंफ्रास्ट्रक्चर और इलेक्ट्रिक व्हीकल सप्लाई इक्यूमेंट (ईवीएसई) पर 100% सब्सिडी मिलेगी। श्रेणी (ब) सरकारी/पीएसयू स्थल को इंफ्रास्ट्रक्चर पर 80%, ईवीएसई पर 70% सब्सिडी, श्रेणी (क) सार्वजनिक/व्यावसायिक स्थलः इंफ्रास्ट्रक्चर पर 80% तक सहायता तथा श्रेणी (ड) बैटरी स्वैपिंग स्टेशनः इंफ्रास्ट्रक्चर पर 80% तक सहायता मिलेगी।

हाउसिंग सोसायटियों को राहत

महावितरण नए बिजली कनेक्शन, प्रोत्साहन और सब्सिडी वितरण के लिए एक समर्पित सिंगल विंडो पोर्टल विकसित करेगा। वहीं, हाउसिंग सोसायटियों में चार्जिंग पॉइंट लगाने को आसान बनाने के लिए सहकारिता विभाग को बाय-लॉ में संशोधन के निर्देश दिए गए हैं।

पीपीपी मॉडल और समय सीमा

सब-नोडल एजेंसियां निजी ऑपरेटरों के साथ मिलकर पीपीपी मॉडल पर चार्जिंग स्टेशन विकसित कर सकेंगी। समन्वय सुनिश्चित करने के लिए सभी सब-नोडल एजेंसियों को 15 दिनों के भीतर नोडल अधिकारी नियुक्त करना अनिवार्य होगा, जबकि महावितरण को 30 दिनों में सब्सिडी वितरण की एसओपी तैयार करनी होगी।

25 साल बाद विपक्ष में बैठेगी शिवसेना (उबाठा)

पार्टी कार्यालयों का भी बदलेगा स्वरूप

मुंबई। मुंबई बीएमसी में पिछले 25 सालों से सत्ता का सुख भोग रही उद्धव की शिवसेना को अब विपक्ष में बैठना पड़ेगा। बीएमसी चुनाव में हुए बड़े बदलाव से अब सदन के नेता से लेकर विपक्ष के नेता को मिलने वाले कार्यालय का रंग रूप बदल जाएगा। इतना ही नहीं पार्टी कार्यालयों में बड़ा फेरबदल दिखाई देगा पहली बार बीएमसी में एमआईएम का कार्यालय भी खुलेगा। बता दें कि बीएमसी मुख्यालय में अब परंपरागत रूप से अविभाजित शिवसेना के पास रहा सबसे बड़ा पार्टी कार्यालय अब उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के बीच विभाजित होने की संभावना है। यह विभाजन पार्टी के राजनीतिक विभाजन की झलक मनपा मुख्यालय में भी दिखाएगा। पूर्व महापौर और यूबीटी शिवसेना की नगरसेविका किशोरी पेडणेकर ने कहा कि भाजपा के बाद उनकी पार्टी के पास सबसे अधिक नगरसेवक हैं, इसलिए पहले जैसा ही पार्टी कार्यालय उन्हें मिलना चाहिए, इस बारे में उन्होंने पहले ही मनपा प्रशासन को अवगत करा दिया है।

मनपा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ऐसा कोई लिखित नियम नहीं है, जिसके तहत सबसे बड़ा पार्टी कार्यालय सबसे अधिक नगरसेवकों वाली पार्टी को ही दिया जाए। बीते कई वर्षों से अविभाजित शिवसेना सबसे बड़ा कार्यालय उपयोग में लेती रही है, क्योंकि लगातार दो दशकों से अधिक समय तक वही सबसे बड़ी पार्टी रही।

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल

(महाराष्ट्र गृह निर्माण एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण की एक क्षेत्रीय इकाई)

म्हाडा MHADA

टेली. नं. - 022-66405432, ई-मेल : eewest.msib@mhada.gov.in

संदर्भ क्र. ईई/पश्चिम/एमएसआईबी/ई-निविदा/262/2025-26

ई-निविदा सूचना क्र. 262

कार्यकारी अभियंता (पश्चिम) डिवीजन, मुंबई झोपडपट्टी सुधार मंडल, (म्हाडा की इकाई), कमरा नं. 537, 4थी मंजिल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई – 400 051 फोन नंबर (022) 66405432 द्वारा किसी भी सरकारी /अर्ध सरकारी संगठन अथवा ठेकेदार की संबंधित समुचित श्रेणी में पीडब्ल्यूडी/म्हाडा/सीपीडब्ल्यूडी/सिडको/एमईएस/एमजेपी/एमआईडीसी/भारतीय रेलवे/बीपीटी/एमसीजीएम के साथ पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन ई-निविदा प्रणाली के जरिये बी1 प्रपत्र (प्रतिशत दर) में 7 कार्यों के लिये खुली निविदा/नियमित ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं. विस्तृत निविदा दस्तावेज महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल https://mahatenders.gov.in पर उपलब्ध हैं और यहां से डाउनलोड किये जा सकते हैं. बोली दस्तावेज वेबसाइट पर लोड किये जा सकते हैं. निविदा अनुसूची निम्नानुसार है.

अ. क्र.	चरण	समयावधि की तिथि	अ. क्र.	चरण विवरण	समयावधि की तिथि
1	दस्तावेज बिक्री का प्रारंभ	04.02.2026 को सुबह 10.30 बजे	2	दस्तावेज बिक्री का समापन	11.02.2026 को दोप. 3.00 बजे
3	तकनीकी बोली का खुलना	12.02.2026 को दोप. 3.05 बजे से	4	मूल्य बोली का खुलना	13.02.2026 को सुबह 10.30 बजे से

सक्षम प्राधिकारी के पास बिना कोई कारण दर्शाये किसी भी अथवा सभी निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है. शर्तयुक्त प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया जायेगा.

टिप्पणी 1. कृपया वेबसाइट पर विस्तृत निविदा सूचना का अवलोकन करें.

टिप्पणी 2. शुद्धिपत्र/संशोधन यदि है, तो उसे केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जायेगा.

सीपीआरओ/ए/61

Follow us: @mhadaofficial

म्हाडा - गृहनिर्माण क्षेत्रातील देशातील अग्रगण्य संस्था

हस्ता./-
कार्यकारी अभियंता (प), एमएसआईबी बोर्ड, मुंबई

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

मुख्य अभियंता (यांत्रिक एवं विद्युत) का विभाग

क्र. ई.ई. मेक/4798/आरईएफ/दि. 02.02.2026

ई-निविदा सूचना

विषय : स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से तीन वर्षों की अवधि के लिए एच.ई. विभाग भांडुप कॉम्प्लेक्स के क्षेत्राधिकार अंतर्गत स्काडा नियंत्रण कक्ष में स्प्लिट एसी यूनिट्स की व्यापक सर्विसिंग और अनुरक्षण अनुबंध.

ई.ई.मेके./रेफ्रि./टी-76, दिनांक : 02.02.2026

बोली क्र.	2026_एमसीजीएम_1273741_1
बोली आरंभिक तिथि एवं समय	04.02.2026 को सुबह 11.00 बजे
बोली समाप्ति तिथि एवं समय	10.02.2026 को सायं. 16.00 बजे
वेबसाइट	http://portal.mcgm.gov.in/ http://mahatenders.gov.in
संपर्क अधिकारी का नाम	श्री ए.के. जांभोरे
मोबाइल नं.	9930128387
ईमेल	eemechref.me@mcgm.gov.in

हस्ता./-
ई.ई.मेके. (रेफ्रिजरेशन)

पीआरओ/2850/विज्ञा./2025-26

सप्ताह में एक दिन का सूखा दिन के तौर पर पालन करें.

Government of Maharashtra
Forest Department
Mangrove Division-North Konkan
Abhimaan II, 5th Floor, Teen Haat Naka, Naupada, Thane (W)-400 602
Email- dfommcu@gmail.com
Parent Portal: http://mahatenders.gov.in

E-Tender Notice

Tender Notice No. DFO/MDNK/53/2025-26.

Online Tender Forms in B-1 Format, for the following work are invited by the Divisional Forest Officer, Mangrove Division- North Konkan, Abhimaan II, 5th Floor, Teen Haat Naka, Naupada, Thane (W)-400 602 from the bidders registered with the Government of Maharashtra in appropriate class of Tender Notice.

The blank tender documents should be downloaded from Government website **http://mahatenders.gov.in** from **04/02/2026 at 5.00 pm to 18/02/2026 at 5.00 pm.** Blank Tender documents will not be sold by this office; interested bidders have to download tender documents from the website. For any queries in this regard the interested bidders can contact on telephone no 022-69309286 during office hours.

All requisite information required for the submission of Bid Capacity documents is available on the above said website. If any assistance is required regarding e-Tendering (uploading/downloading) please contact NIC Help Desk number: **1800 3070 2232.**

Sr. No	Name of work	Earnest Money Deposit (Rs.)	Cost of Blank Tender Form (Non-Refundable)
1	2	3	4
1.	Request for Proposals from Reputed Manufacturers / Authorised Distributors for Supply of 02 Multi-Purpose Watercraft for Coastal and Marine Biodiversity Centre, Airoli, Navi Mumbai	Rs.07,00,000/-	Rs.3540/- (Including GST)

1) No changes are to be made by the contractor in the tender documents published on the website. If any changes are made the tender documents will be rejected & action accordingly will be taken against the contractor. Information published on the government website will be final.
2) Right to reject any or all the tenders without assigning any reason there of is reserved.

Sd/-
Divisional Forest Officer,
Mangrove Division-North Konkan

DGIPR/2025-26/C5531

जिमखाना सौंपने की मांग को लेकर प्रदर्शन

महानगर संवाददाता

मुंबई

दक्षिण मुंबई में स्थानीय निवासियों और छात्रों ने विल्सन कॉलेज जिमखाना को कॉलेज को वापस सौंपने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। यह जिमखाना एक शताब्दी से अधिक समय से इस कॉलेज से जुड़ा है। सामाजिक संगठन, 'विल्सन कॉलेज एलुमनी एसोसिएशन' और कई अन्य समूहों ने सोमवार को संयुक्त रूप से यह विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय संगठन 'आम्ही गिरगांवकर' के अध्यक्ष आदित्य परब ने कहा कि स्थानीय लोग जिमखाना का उपयोग लंबे समय से क्रिकेट और फुटबॉल जैसे खेलों के लिए किया करते थे। कोविड-19 महामारी के दौरान जैन अंतरराष्ट्रीय संगठन (जिआईओ) को जिमखाना सौंपे जाने के बाद से वे उसका इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं।

परब ने कहा, 'बचपन से ही हममें से कई लोग खेलने लिए इस मैदान का उपयोग किया करते थे। उस समय विल्सन कॉलेज इसका प्रबंधन करता था।''

उन्होंने कहा कि जब तक सरकार इसे विल्सन कॉलेज को वापस नहीं कर देती और निवासियों को वहां फिर से प्रवेश नहीं मिल जाता, विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। इस मामले पर प्रतिक्रिया के लिए जेआईओ से फिलहाल संपर्क नहीं हो सका है।

पश्चिम रेलवे - भावनगर मण्डल

विभिन्न इंजीनियरींग कार्य

क्रम सं.	ई–निविदा सं.	कार्य का नाम	निविदा मूल्य (₹)	ईएमडी (₹)
01	266-2025-26	भावनगर मण्डल :– 19 स्टेशनों अंतर्गत सिग्नलिंग एवं टेलिकॉम उपकरण सहित EI, MSDAC और इन बिल्ट ब्लॉक वर्किंग के साथ मौजुदा PI स्टेशनों के कोडल लाइफ आधारित प्रतिस्थापन के स्वीकृत हो चुके कार्य के सामने वरि.DEN–सेंट्रल के क्षेत्राधिकार में 4 स्टेशनों अंतर्गत EI भवनों का प्रावधान करने का कार्य।	7,36,79,825.57	5,18,400.00
02	267-2025-26	भावनगर मण्डल :– 19 स्टेशनों अंतर्गत EI, MSDAC और टेलिकॉम उपकरण सहित मौजुदा PI स्टेशन के कोडल लाइफ आधारित प्रतिस्थापन के स्वीकृत हो चुके कार्य के सामने DEN–पूर्व अनुभाग में 7 स्टेशनों अंतर्गत EI भवनों का प्रावधान करने का कार्य।	10,20,56,070.15	6,60,300.00
03	268-2025-26	भावनगर मण्डल : (41 नंग LCs) :– वरि. DEN (C) भावगनर क्षेत्राधिकार : रबराइज्ड सतह के प्रावधान द्वारा सडक सतह का सुधार करने का कार्य।	2,74,61,402.18	2,87,300.00
04	269-2025-26	वांसजालीया जं. – EI एवं MSDAC के प्रावधान सहित भावनगर मण्डल के इंटरलॉकिंग के धोरण I से धोरण II (R) में उन्नयन के संबंध में भवन कार्य।	1,92,48,106.18	2,46,300.00

उपरोक्त सभी निविदा के लिए :– बिडिंग प्रारंभ होने की तारीख: 11/02/2026 एवं बिडिंग समापन की तारीख: 25/02/2026 वेबसाईट विवरण www.ireps.gov.in

BVP-258

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: x.com/WesternRly

भारत–अमेरिका रिश्तों में नई हलचल

सोमवार रात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने भारत–अमेरिका रिश्तों में नई हलचल पैदा कर दी। ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने भारत पर लगाया 50% टैरिफ घटाकर 18% कर दिया है और बदले में भारत रूस से तेल खरीद बंद करने, अमेरिका से ज्यादा तेल खरीदने और 500 अरब डॉलर तक की 'बाय अमेरिकन' खरीद के लिए राज़ी हो गया है। कुछ ही देर बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर धन्यवाद संदेश लिखा। पहली नज़र में यह बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक जीत जैसी लगी। शेयर बाज़ारों ने राहत की सांस ली, रुपया संभला और उद्योग जगत में उम्मीद जगी। लेकिन जैसे-जैसे विवरण सामने आए, साफ़ होने लगा कि तस्वीर उतनी सरल नहीं है। यह समझौता कम, राजनीतिक संकेत ज़्यादा लगता है; और शायद यही वजह है कि इस वक्त भारत को उत्सव से ज़्यादा सतर्कता की ज़रूरत है।

अप्रैल में ट्रम्प प्रशासन ने भारत पर 25% रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था। अगस्त में रूस से तेल खरीदने के कारण अतिरिक्त 25% "पेनल्टी टैरिफ" जोड़ दिया गया-यानी कुल 50%, जो किसी भी देश पर अमेरिका का सबसे ऊंचा टैरिफ था। अब रूस वाला 25% हटाया जाएगा और कुल टैरिफ 18% रह जाएगा। सुनने में यह बड़ी राहत है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाज़ार है। कपड़ा, चमड़ा, जूते और आभूषण जैसे श्रम-प्रधान सेक्टर इस टैरिफ से बुरी तरह प्रभावित हो रहे थे। अक्टूबर में निर्यात करीब 12% गिर चुका था और व्यापार घाटा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। इस लिहाज़ से 18% टैरिफ भारतीय निर्यातकों के लिए ऑक्सीजन जैसा है। कुछ अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि इससे 2026 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 0.2–0.3 प्रतिशत अंक बढ़ सकती है। ट्रम्प ने 'ट्रुथ सोशल' पर तीन बड़े दावे किए—भारत रूस से तेल खरीद बंद करेगा, भारत अमेरिकी उत्पादों पर अपने टैरिफ शून्य तक ले जाएगा और भारत अमेरिका से 500 अरब डॉलर से ज़्यादा का सामान खरीदेगा, जिसमें ऊर्जा, टेक, कृषि और कोयला शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी के संदेश में इन तीनों में से किसी बात की पुष्टि नहीं है। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि "मेड इन इंडिया" उत्पादों पर टैरिफ घटा है और साझेदारी नई ऊंचाइयों तक जाएगी। भारत द्वारा रूसी तेल पूरी तरह बंद करने के दावे पर संदेह है। दरअसल 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत सस्ते रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया था। हाल के महीनों में आयात कुछ घटा ज़रूर है, लेकिन भारत–रूस रणनीतिक रिश्तों को देखते हुए इसे पूरी तरह खत्म करना बेहद मुश्किल है। ट्रम्प का दूसरा बड़ा दावा है—500 अरब डॉलर की अमेरिकी खरीद। ज़रा आंकड़े देखिए। 2024 में भारत–अमेरिका कुल द्विपक्षीय व्यापार लगभग 212 अरब डॉलर था। उसी साल भारत ने अमेरिका से सिर्फ 41.5 अरब डॉलर का सामान खरीदा और सेवाओं का आयात करीब 41.8 अरब डॉलर रहा—यानी कुल मिलाकर लगभग 83 अरब डॉलर। अब सोचिए—83 अरब से सीधे 500 अरब डॉलर। लगभग 500% की छलांग। जानकारों का कहना है कि भारत द्वारा सभी टैरिफ शून्य करना असंभव सा लगता है, खासकर कृषि जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में। भारत का इतिहास बताता है कि वह दोहा दौर से लेकर अब तक कृषि बाज़ार खोलने में हमेशा बेहद सतर्क रहा है। संभावना यही है कि भारत कुछ चुनिंदा अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ घटाएगा, जिसे ट्रम्प घरेलू राजनीति में "जीरो टैरिफ" की बड़ी जीत की तरह पेश करेंगे। यह समझौता सिर्फ व्यापार नहीं, भू-राजनीति से भी जुड़ा है। अगर भारत सचमुच रूसी तेल से दूरी बनाता है और अमेरिकी ऊर्जा पर निर्भरता बढ़ाता है, तो इसका सीधा असर उसकी रणनीतिक स्वायत्तता—वह नीति, जिसके तहत भारत किसी एक गुट में पूरी तरह नहीं बंधता, पर पड़ेगा। कांग्रेस ने भी इसी बिंदु पर सवाल उठाया है—क्या भारत धीरे-धीरे अमेरिकी खेमे की ओर झुक रहा है? यह भी याद रखना चाहिए कि हाल ही में भारत ने यूरोपीय संघ से ट्रेड डील की और उससे पहले ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता किया। माना जा रहा है कि इन्हीं समझौतों ने ट्रम्प पर भारत के साथ जल्दी सौदा करने का दबाव बनाया। इस घोषणा से रुपये, शेयर बाज़ार और बॉन्ड मार्केट पर लटकी अनिश्चितता की तलवार ज़रूर हटी है। निवेशकों को संकेत मिला है कि अमेरिका–भारत रिश्तों में ठंडापन कम होगा। लेकिन ज़मीनी स्तर पर सवाल बने हुए हैं। अगर भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए दरवाज़े खोलता है, तो इसका असर घरेलू किसानों पर पड़ेगा। सस्ती अमेरिकी दालें, मक्का या डेयरी उत्पाद भारतीय कृषि बाज़ार को झटका दे सकते हैं। इसी तरह, अगर "बाय अमेरिकन" नीति के तहत बड़े पैमाने पर आयात बढ़ता है, तो भारतीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सेक्टर पर दबाव आ सकता है। अमेरिकी राजदूत ने कहा कि यह डील ट्रम्प और मोदी की "मज़बूत दोस्ती" का नतीजा है और कुछ तकनीकी दस्तावेज़ों पर जल्द दस्तखत होंगे। यही सबसे अहम बात है—अभी तक कोई संयुक्त लिखित समझौता सार्वजनिक नहीं हुआ है। इसलिए जब तक यह साफ़ न हो जाए कि किन उत्पादों पर टैरिफ घटेगा, समय-सीमा क्या होगी, कृषि जैसे संवेदनशील सेक्टर शामिल होंगे या नहीं, और रूस से तेल पर भारत की वास्तविक प्रतिबद्धता क्या है—तब तक इसे अंतिम समझौता नहीं, बल्कि एक राजनीतिक घोषणा ही माना जाना चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम को अगर एक वाक्य में समेटें, तो यही कहा जा सकता है—भारत को जश्न मनाने में जल्दबाज़ी नहीं करनी चाहिए। 18% टैरिफ निश्चित रूप से राहत है। इससे निर्यात को सहारा मिलेगा और निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा। लेकिन 500 अरब डॉलर की खरीद, शून्य टैरिफ और रूसी तेल पर कथित प्रतिबद्धता—ये सब अभी दावों के स्तर पर हैं। असली पेंच डिटेल में छिपा है। भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए यह वक्त भावनाओं का नहीं, ठंडे दिमाग से हिसाब लगाने का है कि इस सौदे से हमें कितना मिल रहा है और हम कितना दे रहे हैं।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

दिल्ली से न्यूयॉर्क तक,लगा हुआ मधुमास
टैरिफ-टेंशन टें हुआ, बिजनेस में उल्लास
बिजनेस में उल्लास,उधर शेयर मुसकाए
आखिर बुद्धू आज लौटकर फिर घर आए
कह सुरेश कविराय कौन है भीगी बिल्ली
नमो-ट्रंप से पूछ रही है फिर से दिल्ली

सरकार का मैन्युफैक्चरिंग और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर

अंग्रेजी में एक मुहावरा है, टू रॉब पीटर टू पे पॉल। हिंदी में इसका मतलब होगा, पीटर से लेकर पॉल को देना। दुनिया की हर सरकारों के बजट के लिए इस मुहावरे का बखूबी इस्तेमाल होता है। मीडिया भी हर बजट के दिन एक खबर जरूर बनाता है, रुपया आएगा कहां से और जाएगा कहां। इसका भी मतलब इस मुहावरे जैसा ही। बजट प्रबंधन में दुनियाभर की सरकारें एक व्यक्ति या स्रोत से लेकर दूसरे को उपलब्ध कराती रही हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि हर बजट ऐसा ही होता है। लोकसभा में साल 2026-27 के लिए प्रस्तुत बजट को इस मुहावरे से कुछ हद तक दूर रखा जा सकता है। बजट प्रस्तावों की मीमांसा होती रहेगी, लेकिन फौरी तौर पर देखें तो कुछ चीजें साफ होती हैं। इस बजट के बारे में कह सकते हैं कि यह लोकलुभावन नहीं है। साल 2024-25 और 2025-26 के बजट को देखें तो उन दिनों मोदी सरकार पर जनता से किए गए वायदों को पूरा करने का दबाव था। इसलिए बीते दोनों बजट में लोकलुभावन घोषणाएं की गईं। वैसे भारतीय राजनीति की रवायत बन चुकी है कि ऐन चुनावों से पहले आने वाले बजट प्रस्तावों में उस राज्य विशेष जहां चुनाव होने हैं, के लिए लुभावनी घोषणाओं की बाढ़ आ जाती है। कुछ ही महीनों बाद पांच महत्वपूर्ण राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। पश्चिम बंगाल पर बीजेपी जहां कब्जे की कोशिश में दिन-रात एक किए हुए हैं, वहीं प्रश्न प्रदेश बने तमिलनाडु में भी अपनी ताकतवर उपस्थिति जताने के लिए जोर लगाए हुई है। तमिलनाडु के पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेश पुद्दचेरी में भी चुनाव होने हैं। इसी तरह बीजेपी की कोशिश गॉड'स ओन कंट्री यानी

> बजट में सरकार ने पेट्रोलियम पर निर्भरता और कम करने के लिए ई-व्हीकल इकोसिस्टम में बड़े विस्तार की घोषणा की है। केंद्र सरकार मैन्युफैक्चरिंग और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को सपोर्ट करने वाले कई प्रावधानों की घोषणा की है। बजट में अब पब्लिक ट्रांसपोर्ट नेटवर्क के लिए भी ज्यादा से ज्यादा ई-बसों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

भगवान के अपने घर केरल में कमल का फूल खिलाने की है,जबकि असम में तीसरी बार सत्ता हासिल करने के लिए मुतमइन है। राजनीतिक रवायत के मुताबिक, मौजूदा बजट प्रस्तावों में इन राज्यों के लिए घोषणाओं की बाढ़ आनी चाहिए थी। लेकिन तमिलनाडु से आने वाली निर्मला सीतारमण ने अपने नौवें बजट में ऐसा कुछ भी नहीं किया। इस लिहाज से यह बजट भारतीय राजनीति का नया चेहरा प्रस्तुत कर रहा है। इस बजट के बारे में कहा जा सकता है कि यह लोकलुभावन घोषणाओं की बजाय संरचनात्मक सुधारों, विनिर्माण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई जैसे भविष्य के क्षेत्रों पर केंद्रित है। इस बजट में जिस तरह शी मार्ट के जरिए महिला उद्योगपतियों को प्रोत्साहन देने की बात है, बेकार और अनुपयोगी हो चुके कानूनों को बदलने के लिए समिति बनाने का का प्रस्ताव है या सात हाईस्पीड रेल कॉरीडोर बनाने की बात है या फिर ग्रामीण बजट को बढ़ावा दिया गया है, या फिर मनरेगा की जगह पर आए नए कानून जी राम जी को जबरदस्त प्रोत्साहन दिया गया है, उस वजह से यह बजट अलग स्वरूप लिए हुए दिख रहा है। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने इसे वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका को सशक्त बनाने वाला बजट बताया है। हालांकि पूर्व वित्त मंत्री और अर्थशास्त्री पी चिदंबरम् मानते हैं कि इस बजट प्रस्ताव में सरकार चीन और अमेरिकी दबाव में दिख रही है। लेकिन विदेशी समाचार माध्यमों और समाचार एजेंसियों की नजर में यह बजट एक तरह से क्रांतिकारी है। दुनिया की जानी-मानी आर्थिक समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग का कहना है कि भारत ने अपने बजट में $133 बिलियन का इंफ्रास्ट्रक्चर दांव लगाया है। इसके जरिए भारत अपने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को सुपरचार्ज करने की तैयारी में है। इसके साथ ही ब्लूमबर्ग ने बजट में 12.2 लाख करोड़ के कैपेक्स को ग्लोबल सप्लाई चेन के लिए बड़ा संकेत माना है। दुनिया की सबसे बड़ी समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने इन बजट प्रस्तावों को लेकर कहा है कि भारत के इस बजट में वित्तीय अनुशासन बनाम विकास का द्वंद्व दिख रहा है। एजेंसी कहती है कि बजट प्रस्ताव में मोदी सरकार ने 4.3 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे का लक्ष्य रखा है। इसी तरह उसने बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाया। मोदी सरकार के ये कदम नए बदलाव के प्रतीक हैं। ब्रिटेन से प्रकाशित होने वाले प्रसिद्ध आर्थिक अखबार फाइनेंशियल टाइम्स ने मोदी सरकार के बजट को लेकर कहा है कि यह ग्लोबल अनिश्चितता के बीच भारत का स्थिर कदम है। इस बजट के जरिए भारतीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने निवेश और राजकोषीय विवेक के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है। दुनिया की जानी-मानी पत्रिका फोर्ब्स ने 2026 के बजटको लेकर एक तरह से हैरत जताते हुए सवाल पूछ लिया है कि क्या सेमीकंडक्टर और एआई के क्षेत्र मे निवेश भारत को टेक्निकल दुनिया का सुपरपावर बनाएगा? दुनिया की दूसरी बड़ी समाचार एजेंसी एएफपी ने भारत के बजट में बुनियादी ढांचे के लिए रिकॉर्ड 133 अरब डॉलर देने के वादे का स्वागत किया है। कुछ ऐसी ही प्रतिक्रियाएं दूसरी संस्थाओं की भी है। मशहूर रेटिंग एजेंसी मूडीज ने इस बजट को 'टैक्टिकल' यानी रणनीतिक करार दिया है। मूडीज का मानना है कि यह बजट क्रेडिट प्रोफाइल में तुरंत बदलाव नहीं करेगा, लेकिन भारत की आर्थिक स्थिरता के लिए अच्छा है। इन प्रतिक्रियाओं में प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिक्रिया को भी जोड़ सकते हैं, जिन्होंने इसे रिफॉर्म एक्सप्रेस बताया है। भारतीय मध्य वर्ग को हर बार बजट से बड़ी उम्मीद रहती है। देश का सबसे बड़ा आयकर दाता मध्य वर्ग ही है। उसे उम्मीद थी कि इस बार के बजट में आयकर पर किंचित ही सही, छूट मिलेगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इससे उसे थोड़ी निराशा तो जरूर हुई है। बीबीसी और अल जजीरा जैसे चैनलों ने इस मुद्दे को अपनी रवायत के मुताबिक अपनी समीक्षाओं में प्रमुखता दी है। दोनों ही समाचार संस्थानों ने भारतीय विपक्षी नेताओं और आर्थिक-तकनीकी विशेषज्ञों के हवाले से लिखा है कि आयकर स्लैब में बदलाव न होने से मध्यम वर्ग को उतनी राहत नहीं मिली, जितनी उम्मीद थी। सरकारी कर्मचारी उम्मीद कर रहे थे कि आठवें वेतन आयोग को लेकर भी बजट में कोई बड़ी चर्चा या ऐलान हो सकता है। लेकिन निर्मला सीतारमण ने इससे परहेज किया। इसका यह मतलब नहीं कि बजट में आम आदमी का ध्यान नहीं रखा गया है। बजट में कुछ बेहतरीन घोषणाएं भी हुई हैं। महिला उत्थान और सशक्तीकरण की बात खूब की जाती है, लेकिन गांवों या छोटे शहरों से बड़े शहरों में पढ़ाई या नौकरी के लिए आने वाली लड़कियों की सहूलियतों पर कम ही ध्यान दिया जाता रहा है। लेकिन इस बार बजट में उनका ध्यान रखा है। बजट में हर जिले में महिला छात्रावास बनाने का प्रस्ताव किया गया है। बजट का यह फैसला लड़कियों को कॉलेज और नौकरियों तक पहुंचाने में बहुत मददगार साबित होगा। मां-बाप भी बिना किसी डर के सरकारी हास्टलों में अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए भेज सकेंगे। इससे न केवल पढ़ाई बीच में छोड़ने वाली लड़कियों की संख्या कम होगी, बल्कि लड़कियां खुद को ज्यादा सुरक्षित और आत्मनिर्भर महसूस करेंगी। पढ़ाई के साथ-साथ जो अपना छोटा-मोटा काम करने या स्टार्टअप चलाने वाली महिलाओं के लिए भी बजट में घोषणा हुई है। सरकार ने 'शी माट्र्स' नामक प्लेटफॉर्म शुरू करने का फैसला किया है। ये ऐसे बाजार या प्लेटफॉर्म होंगे, जहां सिर्फ महिला उद्यमी, स्वयं सहायता समूह और महिला कारीगर ही अपना सामान बेच सकेंगी। इससे महिलाओं को बिचौलियों की जरूरत नहीं रहेगी।

■ उमेश चतुर्वेदी

UGC विवाद

ऐतिहासिक फैसला करने का समय आ गया है

सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी द्वारा बनाए गए नए नियमों पर फिलहाल रोक तो लगा दिया है,लेकिन इसके बावजूद यह विवाद अभी थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहले यूजीसी द्वारा बनाए गए नियमों के खिलाफ अगड़ी जातियों के लोग सड़कों पर थे और अब इसके समर्थन में एससी,एसटी और ओबीसी समुदाय के लोग सड़कों पर हैं। विवाद चाहे किसी भी मुद्दे पर हो,यह तनाव लाता है और समाज की शांति को भंग करता है। इसलिए विवाद को टालने की बजाय हमेशा स्थाई समाधान को तलाशने के लिए काम करना चाहिए। सही मायने में देखा जाए तो यूजीसी नियमों पर मचे घमासान या यूं कहें कि ताजा विवाद ने दुनिया के सबसे प्राचीन और सबसे विशाल लोकतांत्रिक देश भारत को एक बड़ा मौका दे दिया है और हम अगर इस बार चूक गए तो फिर आने वाले कई दशकों तक यह विवाद देश और समाज की शांति को भंग करता रहेगा। सामान्य भाषा में कहे तो हमारे देश के संविधान ने भारत में रहने वाले सभी लोगों को समानता का अधिकार दिया है, चाहे वो किसी भी जाति, धर्म या संप्रदाय से जुड़े हुए हो। भारतीय न्याय व्यवस्था का मूल सिद्धांत तो यही रहा है कि 'सौ दोषी भले छूट जाएं, लेकिन एक भी निर्दोष को सजा नहीं मिलनी चाहिए।" यह सिद्धांत हमें स्पष्ट तौर पर बताता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और न्याय प्रणाली पर पूरे समाज के भरोसे को बरकरार रखने के लिए यह सबसे अधिक जरूरी है कि किसी भी निर्दोष को किसी भी हालत में वर्ष, महीने, दिन और घंटे तो छोड़िए, एक सेकंड के लिए भी प्रताड़ित नहीं किया जाना

चाहिए। इस कसौटी पर रखकर जब यूजीसी के नियमों को तौला जाता है तो यह साफ-साफ नजर आता है कि यूजीसी ने अपने नियम के जरिए भारत के लोकतांत्रिक और न्यायिक व्यवस्था के मूल सिद्धांत को ही कुचलने की तैयारी कर ली थी। कई लोग यह तर्क भी देते हुए नजर आए कि दुरुपयोग तो किसी भी कानून का हो सकता है। कुछ लोगों ने कई अन्य कानूनों के दुरुपयोग का उदाहरण दिया तो कुछ लोगों ने हज़ार वर्षों के शोषण का जिक्र करते हुए इसे सही ठहराया।

हालांकि भारत के लोगों के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि यह मामला सिर्फ अगड़ा बनाम पिछड़ा भर का नहीं रह गया है और इसे रहना भी नहीं चाहिए। आज़ादी के 75 वर्षों बाद अब यह सोचने का समय आ गया है कि क्या हमारी व्यवस्था कानून का पालन करने वाले निर्दोष लोगों के साथ न्याय कर पा रही है। यह आपको अजीब लगेगा लेकिन सही मायनों में अब हमें इसे राष्ट्रीय मुद्दा बनाना चाहिए कि आखिर बिना किसी सजा के लोगों को दिन, महीने, साल ही नहीं दशकों तक जेल की सलाखों के पीछे रखने के लिए जिम्मेदार कौन है? महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानून, दहेज,महिला उत्पीड़न सहित उन तमाम कानूनों की समीक्षा करने का वक्त आ गया है जो पुलिस को बिना किसी जांच के गिरफ्तार करने का अधिकार देते हैं। एक लोकतांत्रिक देश में बिना किसी सबूत के किसी भी व्यक्ति को किसी भी सूरत में गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए। जो लोग हजारों वर्षों के शोषण की याद दिलाते हैं,उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि उनके स्तर को उठाने और भेदभाव खत्म करने के लिए ही आरक्षण की व्यवस्था लागू की गई है और देश का अगड़ा वर्ग भी पिछले कई दशकों से इसे स्वीकार कर चुका है। लेकिन किसी को भी इतना अधिकार तो नहीं दिया जाना चाहिए कि वो किसी और जाति, धर्म अथवा संप्रदाय के लोगों को बिना मतलब कानूनी विवाद में उलझा दें अथवा जेल भिजवा दें।

सबसे बड़ी बात तो यह है कि, लोग ना जाने क्यों इस तथ्य को भी भुला देते हैं कि हज़ार साल पहले की शासन व्यवस्था चाहे जैसी भी रही हो लेकिन इस देश में पिछले 75 वर्षों से लोकतंत्र है, संसद है, न्यायपालिका है और मीडिया भी है। अगर हज़ार साल पहले ऐसा कुछ हुआ भी होगा जिसका दावा आमतौर पर किया जाता है तो क्या उसका बदला अब एक आज़ाद लोकतांत्रिक देश में लेने की इजाज़त दी जा सकती है। यह तो 'आंख के बदले आंख' लेने जैसा नियम लागू हो जाएगा।

वाद-विवाद में तथ्यों और आंकड़ों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण होती है लेकिन दुर्भाग्य से आज के माहौल में कोई इस पर बात ही नहीं करना चाहता। ऐसा लगता है जैसे सब अपना-अपना दायरा पहले ही तय कर चुके हैं और कोई भी इससे आगे जाना ही नहीं चाहता। शोषण कौन कर रहा है और शोषण किसका हो रहा है, यह तो किसी व्यक्ति या कुछ व्यक्तियों के परसेप्शन के आधार पर तय नहीं हो सकता, इसकी गवाही तो सिर्फ और सिर्फ आंकड़ें ही दे सकते हैं और जैसे ही आप आंकड़ों को सामने रखते हैं तो सारी कहानी ही पलटी हुई नजर आती है।

सबसे बड़ी बात तो यह है कि बार-बार आबादी के बहाने इस विवाद को सुलगाने की कोशिश करने वाले ये भूल जाते हैं कि अगर आप बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक की बात करेंगे तो फिर संविधान निर्माताओं की भावना का सम्मान करते हुए ऐसे लोगों को जिनकी आबादी कम है, उन्हें तो कई तरह के विशेषाधिकार देने पड़ेंगे।

इसलिए , इस विवाद को हमेशा-हमेशा के लिए खत्म करना अब बहुत जरूरी हो गया है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार बार-बार आज़ादी के 100 वर्ष पूरे होने यानी 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का दावा कर रही है तो क्या एक विकसित भारत में भी हमारा देश अतीत की गठरी लेकर ही प्रवेश करेगा? इस सवाल का जवाब अब तो ढूंढ ही लेना चाहिए।

भारत में हायरिंग करना कठिन

भारत का हायरिंग मार्केट तेजी से आगे बढ़ रहा है,लेकिन सही प्रतिभा ढूंढना अब और कठिन हो गया है। लिंक्डइन की नई रिसर्च के अनुसार, अब 74% रिक्रूटर्स को योग्य उम्मीदवारों को ढूंढने में परेशानी हो रही है, भले ही हायरिंग गतिविधि महामारी से पहले के स्तर से 40% अधिक चल रही हो। यह इसलिए है क्योंकि रिक्रूटर्स को मात्रा-गुणवत्ता में असंतुलन का सामना करना पड़ रहा है। उन रिक्रूटर्स में से जिन्होंने कहा कि भर्ती अधिक कठिन हो गई है, उनमें से आधे से अधिक (53%) ने AI-जनरेटेड आवेदनों में वृद्धि की ओर इशारा किया है, जबकि कई ने मांग वाली स्किल्स की निरंतर कमी (47%) का हवाला दिया है। लगभग आधे (48%) ने यह भी कहा कि वास्तविक आवेदनों को कम-गुणवत्ता या भ्रामक आवेदनों से अलग करना प्रक्रिया को बाधित कर रहा है। इसके परिणामस्वरूप एक ज्यादा क्राउडेड और प्रतिस्पर्धी श्रम बाजार बन गया है। लिंक्डइन प्लेटफॉर्म डेटा के अनुसार, भारत में एक ओपन रोल पर आवेदकों की संख्या 2022 से दोगुनी से अधिक हो गई है। इसके अलावा, जबकि 72% पेशेवर कहते हैं कि वे 2026 में सक्रिय रूप से नौकरी की तलाश कर रहे हैं, 85% ने माना है वे इस प्रक्रिया को नैविगेट करने के लिए तैयार नहीं हैं। रिक्रूटर्स एआई का उपयोग करके सही स्किल्स को पहचान रहे हैं, भर्ती को तेज कर रहे हैं, और उम्मीदवारों के सफर को अधिक संतोषजनक बना रहे हैं इन दबावों के बीच, रिक्रूटर्स एआई को समाधान का हिस्सा मान रहे हैं। भारत में जो पहले से इसका उपयोग कर रहे हैं, उनमें से 71% का कहना कि एआई ने उन्हें ऐसे उम्मीदवारों को खोजने में मदद की है जिनकी स्किल्स वे पहले मिस कर देते थे, जबकि 80% ने कहा कि इससे उम्मीदवार की स्किल्स के बारे में जानकारी प्राप्त करना आसान हो गया है। तीन-चौथाई से अधिक (76%) मानते हैं कि एआई पहले से ही भर्ती प्रक्रिया को तेज कर रही है। आगे देखें तो इसे अपनाने में और तेजी आने वाली है। भारत के लगभग 8 में से 8 रिक्रूटर्स कहते हैं कि वे भर्ती लक्ष्यों को समर्थन देने, आवेदकों का मूल्यांकन करने और टॉप टैलेंट को सोर्स करने के लिए एआई के उपयोग को बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। अधिकांश की 2026 में प्री-स्क्रीनिंग इंटरव्यू के लिए एआई उपयोग बढ़ाने की योजना भी है, और वे मानते हैं कि इससे रिक्रूटर्स-उम्मीदवारों के बीच अधिक मूल्यवान बातचीत होगी (83%), भर्ती अनुभव तेज होगा (83%), और उम्मीदवारों की बेहतर जानकारी मिलेगी (82%)। रुचि आनंद,APAC VP, लिंक्डइन टैलेंट सॉल्यूशंस, ने कहा, "हम हायरिंग में एक बड़ा बदलाव देख रहे हैं—अब पुरानी डिग्री या पिछले पदों से ज्यादा ध्यान इस बात पर दिया जा रहा है कि व्यक्ति ने असल में कौन-सी स्किल्स दिखाई हैं और वह क्या कर सकता है। इस बदलाव को बड़े स्तर पर लागू करना एआई के बिना बहुत मुश्किल है। अगर एआई को सही और जिम्मेदारी से इस्तेमाल किया जाए, तो यह रिक्रूटर्स की मदद करता है कि वे सही स्किल्स वाले लोगों को जल्दी पहचान सकें, स्क्रीनिंग में परेशानी कम हो और मूल्यांकन प्रक्रिया ज्यादा एकसमान और निष्पक्ष बने। लिंक्डइन में हमारी मुख्य कोशिश ऐसे एआई टूल्स बनाने की है, जैसे हायरिंग असिस्टेंट, जो भर्ती में फैसला लेने में सहायता करें।

आज का कार्टून

साभार

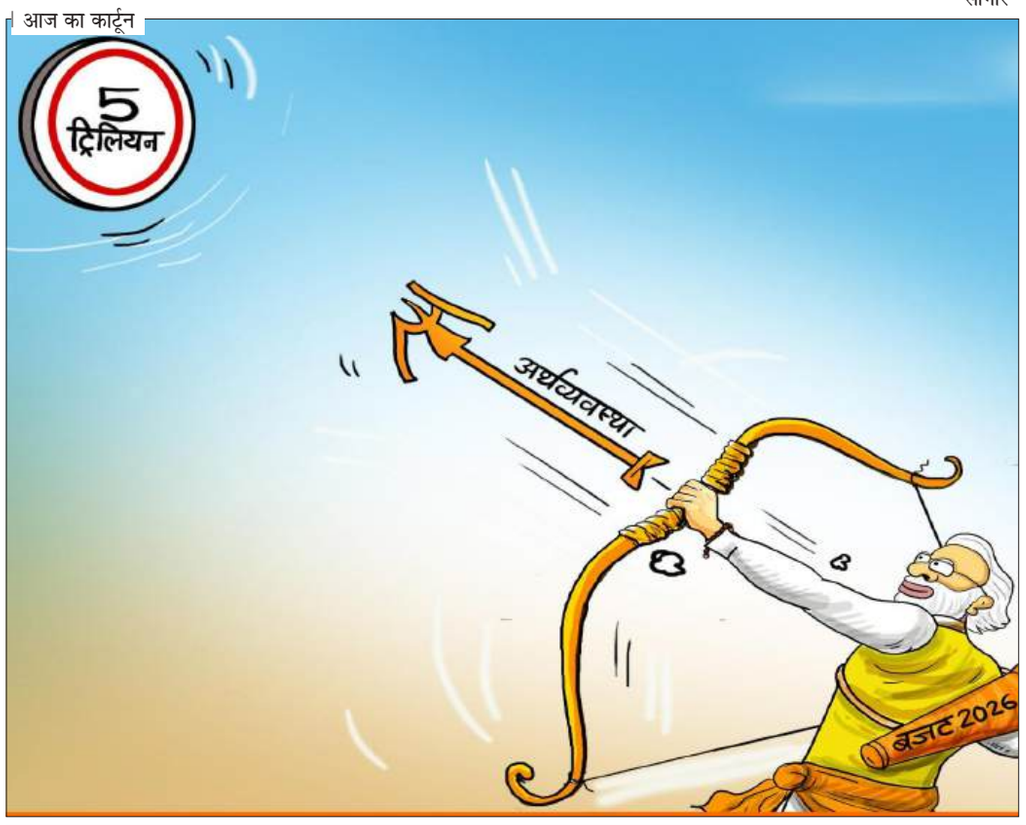

विश्व गुरु बनने की राह को सुगम करने वाला बजट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आज प्रस्तुत केंद्रीय बजट में लोक-लुभावन घोषणाओं के बजाय शाश्वत विकास पर केंद्रित दृष्टि स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। लगभग 7 प्रतिशत की विकास दर के साथ,भारत कोविड-19 से सबसे तेजी से उबरने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। इस दौरान लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकालते हुए देशभर में जीवन-स्तर में उल्लेखनीय सुधार किया गया है,यह हमारी अर्थव्यवस्था की बड़ी उपलब्धि है। इस बजट में तीन प्रमुख प्राथमिकताएं निर्धारित की गई हैंः आधारभूत संरचना और नवाचार के माध्यम से विकास को गति देना, युवाओं और उद्यमियों को सशक्त बनाकर उनकी आकांक्षाओं को पूरा करना तथा समावेशी प्रगति सुनिश्चित करते हुए 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प को आगे बढ़ाना। भारत की आर्थिक राजधानी के रूप में मुंबई इस संकल्प का केंद्र है। मुंबई के विकास को गति देने के लिए आज के बजट में छह प्रमुख पहलों की घोषणा की गई है। देश में निर्मित टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) उत्पादकों को कर-रियायतें दिए जाने से मुंबई की महत्वाकांक्षी 70 किलोमीटर लंबी भूमिगत सुरंग नेटवर्क मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की परिकल्पना वाली 'पाताल लोक' परियोजना को सीधा लाभ मिलेगा। आयात पर निर्भरता घटेगी और स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। इससे परियोजना की लागत कम होगी, मेट्रो निर्माण में तेजी आएगी और देश की आत्मनिर्भरता सुदृढ़ होगी। मुंबई और पुणे उद्योग तथा आर्थिक विकास के राज्य के प्रमुख केंद्र हैं। प्रस्तावित मुंबई–पुणे हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर से क्षेत्रीय संपर्क बढ़ेगा, यात्रा समय घटेगा और व्यावसायिक एकीकरण मजबूत होगा। इस मार्ग पर 250 से 320 किमी प्रति घंटे की गति से ट्रेनें चलेंगी। इससे औद्योगिक और सेवा क्लस्टरों को बल मिलेगा तथा राज्य की अर्थव्यवस्था और निवेश को गति मिलेगी। देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ सूक्ष्म-लघु- मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को इस बजट में 7 लाख करोड़ रुपये की तरलता सहायता मिलेगी। मुंबई और महाराष्ट्र एमएसएमई के प्रमुख केंद्रों में शामिल हैं। इस बड़े वित्तीय समर्थन से उद्यमियों को आधुनिकीकरण, कामकाज के विस्तार और व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन में सहायता मिलेगी। बजट में एमएसएमई को देश के विकास का इंजन बताया गया है। मुंबई स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी को समर्थन देना सृजनात्मक उद्योगों में रणनीतिक निवेश है। 15 हजार माध्यमिक विद्यालयों और 500 महाविद्यालयों में विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स कंटेंट क्रिएटर लैब स्थापित होंगी। इससे जेनरेशन-जेड के युवाओं को मीडिया, मनोरंजन और डिजिटल प्लेटफॉर्म में करियर के लिए सक्षम बनाया जाएगा। यह पहल मुंबई को वैश्विक सृजनात्मक राजधानी के रूप में स्थापित करने का अवसर देती है। मनपाओं द्वारा जारी किए जाने वाले प्रत्येक 1,000 करोड़ रुपए के बॉन्ड पर 100 करोड़ रुपए का प्रोत्साहन अनुदान दिया जाएगा। इससे शहरी आधारभूत संरचना के लिए संसाधन उपलब्ध होंगे। एशिया की सबसे बड़ी मनपा-बीएमसी के लिए यह बड़ी संभावना है। कॉरपोरेट बॉन्ड्स की तुलना में इनमें डिफॉल्ट का जोखिम कम होता है। जुटाई गई राशि का उपयोग सड़कों, जलापूर्ति और सीवरेज जैसे नागरिक परियोजनाओं में किया जाएगा, जिससे शहर के विकास को सीधा लाभ मिलेगा। महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए शी-माट्र्स की स्थापना उनके द्वारा निर्मित उत्पादों के लिए संगठित बाजार उपलब्ध कराएगी। 'लखपति दीदी' पहल के बाद महिलाओं को रोजगार के अवसर देकर आत्मनिर्भर बनाने में शी-माट्र्स महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। स्वयं सहायता समूहों में महाराष्ट्र अग्रणी है, इसलिए शी-माट्र्स का सबसे अधिक लाभ भी महाराष्ट्र को मिलेगा। महिलाओं द्वारा शुरू किए गए छोटे व्यवसायों को स्थिरता मिलेगी और उनके उत्पादों को बड़े स्तर पर बिक्री का मंच प्राप्त होगा। कुल मिलाकर मोदी सरकार का व्यावहारिक और विकासोन्मुखी बजट भारत की विकास-यात्रा को मजबूती देता है और भारत के विश्व गुरु बनने की दिशा को सुगम बनाता है।

अमित साटम
भाजपा के मुंबई अध्यक्ष व विधायक

सुनेत्रा अजित पवार बनीं पुणे की नई पालक मंत्री

पुणे जिले के प्रशासनिक और विकास कार्यों की मिली जिम्मेदारी

पुणे। महाराष्ट्र सरकार ने जिला पालक मंत्रियों की नियुक्ति को लेकर बड़ा फैसला लिया है। जारी शासनादेश के अनुसार उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार को पुणे जिले की नई पालक मंत्री नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही पुणे जिले के प्रशासनिक और विकास कार्यों की जिम्मेदारी अब उनके पास रहेगी। अब तक पुणे जिले के पालक मंत्री रहे दिवंगत अजित आनंदराव पवार के निधन के बाद यह पद रिक्त था। शासन ने इस रिक्त पद को भरते हुए सुनेत्रा अजित पवार को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं बीड़ जिले की पालक मंत्री की जिम्मेदारी भी उन्हें दी गई है।सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी शासन निर्णय में स्पष्ट किया गया है कि यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। राज्यपाल के आदेशानुसार जारी इस शासनादेश पर शासन के उपसचिव हेमंत महाजन के डिजिटल हस्ताक्षर हैं।पुणे जैसे महत्वपूर्ण और तेजी से विकसित हो रहे जिले के लिए पालक मंत्री की भूमिका बेहद अहम मानी जाती है। प्रशासनिक समन्वय, विकास योजनाओं की निगरानी, कानून-व्यवस्था और जनहित से जुड़े मुद्दों पर अब सुनेत्रा अजित पवार की सक्रिय भूमिका देखने को मिलेगी। राजनीतिक गलियारों में इस नियुक्ति को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं और माना जा रहा है कि इससे पुणे जिले के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।

मंजुषा नागपुरे होंगी पुणे मनपा की महापौर

पुणे कोर कमेटी से भेजा गया नाम, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लिया अंतिम निर्णय

महानगर नेटवर्क

पुणे

पुणे महानगरपालिका चुनाव परिणाम आए हुए दो सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बाद आखिरकार भारतीय जनता पार्टी ने महापौर पद के लिए अपने उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर दी है। भाजपा के चौंकाने वाले फैसले और रणनीतिक बैठकों के बाद अनुभवी नगरसेविका मंजुषा नागपुरे के नाम पर अंतिम मुहर लगाई गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की स्वीकृति के बाद यह तय हो गया है कि पुणे की अगली महापौर मंजुषा नागपुरे होंगी। सूत्रों के अनुसार, भाजपा की कोर कमिटी ने महापौर पद के लिए तीन वरिष्ठ नगरसेविकाओं-वर्षा तापकीर, मंजुषा नागपुरे और मानसी देशपांडे-के नामों की अनुशंसा की थी। तीनों ही नगरसेविकाएं लगातार चौथी बार निर्वाचित होकर आई हैं और संगठन में उनका खासा अनुभव व पकड़ मानी जाती है। हालांकि प्रारंभिक दौर में वर्षा तापकीर का नाम सबसे आगे चल रहा था, लेकिन अंतिम क्षणों में पार्टी नेतृत्व ने मंजुषा नागपुरे पर भरोसा जताते हुए उनके नाम पर मुहर लगा दी। पुणे महानगरपालिका में महापौर और उपमहापौर दोनों ही पदों पर निर्विरोध चयन होने की प्रबल संभावना जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, पर्याप्त संख्याबल न होने के कारण राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने महापौर पद के लिए उम्मीदवार न उतारने का निर्णय लिया है। ऐसे में भाजपा की मंजुषा नागपुरे का महापौर बनना लगभग तय माना जा रहा है। वहीं, उपमहापौर पद रामदास आठवले की रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) को दिए जाने की संभावना है। आरपीआई की ओर से परशुराम वाडेकर उपमहापौर पद के लिए नामित बताए जा रहे हैं। महापौर का चुनाव 9 फरवरी को होने वाली पुणे महानगरपालिका की पहली सर्वसाधारण सभा में ध्वनि मत (आवाजी मतदान) के माध्यम से किया जाएगा।

मंजुषा नागपुरे पुणे महानगरपालिका की एक वरिष्ठ और अनुभवी नगरसेविका हैं। यह उनकी नगरसेवक के रूप में चौथी टर्म है। खास बात यह है कि वे इस बार निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। उनके महापौर बनने से सिंहगढ़ रोड क्षेत्र को पहली बार पुणे महानगरपालिका का महापौर मिलने जा रहा है, जिसे क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

भाजपा कोर कमिटी की अहम बैठक

महापौर पद के नाम पर अंतिम निर्णय से पहले भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की अध्यक्षता में पुणे में पार्टी की कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में नवनिर्वाचित नगरसेवकों, वरिष्ठ नेताओं और संगठनात्मक पदाधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की गई। इसी बैठक में तापकीर, नागपुरे और मानसी देशपांडे के नामों की अनुशंसा कर मुख्यमंत्री के पास भेजी गई थी, जिस पर अंततः मंजुषा नागपुरे के नाम को स्वीकृति मिली। कुल मिलाकर, भाजपा ने अपने अनुभवी नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए पुणे महानगरपालिका की कमान मंजुषा नागपुरे को सौंपने का निर्णय लिया है, जिससे शहर की राजनीति में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है।

जिला परिषद चुनाव के लिए 23 हजार से अधिक कर्मियों की नियुक्ति

प्रत्येक तालुका में एक महिला मतदान केंद्र निर्धारित किया गया

पुणे। जिला परिषद एवं पंचायत समिति चुनाव–2026 के सफल संचालन के लिए जिले के 13 तालुकाओं में कुल 23,114 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। यह जानकारी जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जितेंद्र डुडी ने दी। तालुका-वार नियुक्त कर्मियों की संख्या इस प्रकार है—बारामती में 1,945, मावल में 1,612, मुलशी में 1,495, शिरूर में 2,190, हवेली में 1,800, दौंड में 2,060, इंदापुर में 2,632, पुरंदर में 1,538, भोर में 1,190, वेल्हे में 450, आंबेगांव में 1,575, जुन्नर में 2,411 तथा खेड़ तालुका में 2,216 कर्मियों की तैनाती की गई है। जिले में कुल 3,605 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। तालुका-वार मतदान केंद्रों की संख्या—बारामती 299, मावल 243, मुलशी 227, शिरूर 337, हवेली 263, दौंड 317, इंदापुर 400, पुरंदर 235, भोर 237, वेल्हे 105, आंबेगांव 239, जुन्नर 366 तथा खेड़ में 337 मतदान केंद्र शामिल हैं। प्रत्येक तालुका में एक आदर्श मतदान केंद्र तथा एक महिला मतदान केंद्र निर्धारित किया गया है।

जिलाधिकारी कार्यालय में शिकायत निवारण कक्ष

चुनाव संबंधी प्राप्त शिकायतों के त्वरित निवारण हेतु जिलाधिकारी कार्यालय में जिला-स्तरीय शिकायत निवारण कक्ष स्थापित किया गया है। नागरिक हेल्पलाइन नंबर 020-26123371 तथा टोल-फ्री नंबर 1077 पर संपर्क कर सकते हैं, ऐसा आवाहन जिलाधिकारी जितेंद्र डुडी ने किया है।

महाराष्ट्र के लिए रेलवे बजट में ऐतिहासिक वृद्धि

23,926 करोड़ की रिकॉर्ड आवंटन राशि

महानगर नेटवर्क

पुणे

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महाराष्ट्र के लिए रेलवे से जुड़ी बजटीय व्यवस्थाओं पर मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि केंद्रीय बजट 2026-27 में महाराष्ट्र को रेलवे क्षेत्र के लिए 23,926 करोड़ की रिकॉर्ड आवंटन राशि प्रदान की गई है। यह अब तक का सर्वाधिक आवंटन है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2009 से 2014 के दौरान महाराष्ट्र को रेलवे के लिए प्रतिवर्ष औसतन मात्र 1,171 करोड़ का प्रावधान मिलता था, जबकि वर्तमान बजट में यह राशि लगभग 20 गुना बढ़ाई गई है। यह केंद्र सरकार की महाराष्ट्र में रेलवे के बुनियादी ढांचे को सशक्त करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।रेल मंत्री ने जानकारी दी कि बजट में कुल 7 हाई-स्पीड रेल परियोजनाओं की घोषणा की गई है, जिनमें से 2 नई बुलेट ट्रेन कॉरिडोर महाराष्ट्र से संबंधित हैं। इनमें मुंबई–पुणे बुलेट ट्रेन से यात्रा मात्र 48 मिनट में पूरी होगी, जबकि पुणे–हैदराबाद हाई-स्पीड रेल सेवा से यात्रा समय 1 घंटा 55 मिनट रहेगा।उन्होंने बताया कि राज्य में रेलवे अवसंरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हो रहा है। वर्तमान में महाराष्ट्र में कुल 1,70,058 करोड़ की रेलवे परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जिनमें नए रेलमार्गों का निर्माण, स्टेशनों का पुनर्विकास तथा सुरक्षा संबंधी कार्य शामिल हैं।

अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र के 132 रेलवे स्टेशनों को पूर्ण पुनर्विकास के लिए चयनित किया गया है, जिन पर 5,675 करोड़ का निवेश किया जा रहा है। इससे यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

प्रीमियम रेल सेवाओं के विस्तार की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में वर्तमान में 12 जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस और 5 जोड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन किया जा रहा है, जिससे यात्रा की गति और सुविधा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।रेल मंत्री ने बताया कि वर्ष 2014 के बाद से महाराष्ट्र में लगभग 2,400 किलोमीटर नए रेलमार्गों का निर्माण किया गया है, जो मलेशिया के संपूर्ण रेल नेटवर्क से भी अधिक है। इसके साथ ही राज्य में 100 प्रतिशत रेलवे विद्युतीकरण पूर्ण कर लिया गया है और 2014 के बाद 3,744 किलोमीटर रेलमार्ग का विद्युतीकरण किया गया है। सुरक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में 1,228 रेलवे ओवरब्रिज और अंडरपास का निर्माण किया गया है।

एमआईटी एडीटी विश्वविद्यालय के तनु भान की ऐतिहासिक उपलब्धि

पुणे। एमआईटी आर्ट, डिज़ाइन एंड टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की कैडेट, जूनियर अंडर ऑफिसर (जेएनओ) तनु भान ने आरडीसीमें 36 महाराष्ट्र बटालियन का प्रतिनिधित्व करते हुए देश की सर्वश्रेष्ठ एनसीसी कैडेट बनने का गौरव प्राप्त कर ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। उन्हें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। तनु भान के साथ एमआईटी एडीटी विश्वविद्यालय के कैडेट व्यंकटेश अय्यर ने भी एनसीसी 36 महाराष्ट्र बटालियन में स्थान प्राप्त कर गणतंत्र दिवस परेड में महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया। महाराष्ट्र के साथ-साथ विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित हुआ।

श्री समर्थ रामदास स्वामी मंदिर में दास नवमी उत्सव

पुणे। शनिवार पेठ स्थित 95 वर्ष पुराने प्राचीन श्री समर्थ रामदास स्वामी के एकमात्र मंदिर में श्री दास नवमी उत्सव श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की भारी उपस्थिति देखी गई। उत्सव के दौरान वरिष्ठ नागरिकों एवं समर्थ भक्तों द्वारा लघुरुद्र अभिषेक, दासबोध पारायण, मंत्र जाप तथा कीर्तन का आयोजन किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो गया।श्री समर्थ रामदास स्वामी के चरणों में नतमस्तक होते भक्त, अभिषेक एवं पूजा में लीन श्रद्धालु, तथा कीर्तन के माध्यम से नामस्मरण करते समर्थ अनुयायी इस उत्सव की विशेष झलक बने। दास नवमी के पावन अवसर पर मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और पूरे परिसर में "जय जय रघुवीर समर्थ" के जयघोष गूंजते रहे, जिससे भक्तों में विशेष उत्साह और आध्यात्मिक आनंद का अनुभव हुआ।

-फोटो : सुशील राठौड़

जिला परिषद व पंचायत समिति आम चुनाव को लेकर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

पुणे। जिला परिषद एवं पंचायत समिति के आम चुनाव 2026 को शांतिपूर्ण, निर्भय तथा निष्पक्ष वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी जितेंद्र डूडी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। ये आदेश 9 फरवरी 2026 तक प्रभावी रहेंगे।आदेशानुसार जिला कलेक्टर कार्यालय, सभी उपविभागीय अधिकारी कार्यालय, तहसीलदार कार्यालय तथा समस्त शासकीय व अर्धशासकीय कार्यालयों एवं विश्रामगृहों में किसी भी प्रकार की रैली, सभा, जुलूस, मोर्चा, उपोषण, नारेबाजी, वाद्ययंत्र बजाना, गीत गाना अथवा किसी भी प्रकार का चुनाव प्रचार करना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। नगरपालिका, नगर पंचायत एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय, एवं सार्वजनिक संपत्ति पर सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से होर्डिंग्स, बैनर, पोस्टर अथवा दीवारों पर विज्ञापन प्रदर्शित करने पर भी 9 फरवरी 2026 तक रोक लगाई गई है। इसके अतिरिक्त, जाति, भाषा या धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार के शिविरों के आयोजन पर प्रतिबंध रहेगा। धार्मिक स्थलों, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थानों के आसपास अस्थायी रूप से राजनीतिक दलों के कार्यालय स्थापित करने पर भी रोक लगाई गई है।आदेशों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 सहित अन्य प्रचलित कानूनों के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

नशे में वाहन चलाने वालों को सख्त चेतावनी

तीसरी बार नशे में वाहन चलाने पर गाड़ी जब्त तस्वीरें सोशल मीडिया पर होंगी सार्वजनिक

महानगर नेटवर्क

पुणे

पुणे पुलिस ने नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। अब यदि कोई वाहन चालक दो बार "ड्रंक एंड ड्राइव" के मामले में पकड़े जाने के बाद तीसरी बार उसी अपराध में पकड़ा जाता है, तो उसका वाहन जब्त कर लिया जाएगा। इसके साथ ही नियम तोड़ने वाले मद्यपी वाहन चालकों की तस्वीरें वेबसाइट और सोशल मीडिया पर सार्वजनिक की जाएंगी। यह चेतावनी पुलिस आयुक्त अमितेशकुमार ने शिवाजीनगर में आयोजित एक शिविर के दौरान दी। पुलिस आयुक्त अमितेशकुमार ने स्पष्ट किया कि नशे में वाहन चलाने वाले चालकों की तस्वीरें न केवल सोशल मीडिया और संकेतस्थलों पर डाली जाएंगी, बल्कि उनके मित्रों और परिवारजनों तक भी भेजी जाएंगी।

इसके अलावा, सार्वजनिक चौक-चौराहों पर पुलिस की शैली में ऐसे वाहन चालकों का "विशेष सत्कार" भी किया जाएगा, ताकि समाज में एक कड़ा संदेश जाए। शिवाजीनगर स्थित पुलिस मुख्यालय में सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत आयोजित इस समुपदेशन एवं मार्गदर्शन शिविर में नशे में वाहन चलाने के मामलों में कार्रवाई झेल चुके लगभग एक हजार वाहन चालकों को आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मनोज पाटील और उपायुक्त हिम्मत जाधव भी उपस्थित थे। अमितेशकुमार ने कहा कि नशे में वाहन चलाने के कारण कई गंभीर दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें निर्दोष वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। एक मद्यपी चालक की गलती से पूरा परिवार तबाह हो सकता है।

परशुराम वाडेकर के उपमहापौर चुने जाने का स्वागत : जानराव

पुणे। पुणे मनपा के उपमहापौर पद पर रिपब्लिकन पार्टी के राज्य कार्यकारिणी के संगठन सचिव परशुराम वाडेकर के चयन का रिपब्लिकन पार्टी ने जोरदार स्वागत किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, राज्य मंत्री चंद्रकांतदादा पाटील सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।रिपब्लिकन पार्टी के प्रदेश सचिव बालासाहेब जानराव ने विशेष पत्र जारी कर परशुराम वाडेकर को बधाई देते हुए कहा कि उनका 35 वर्षों से अधिक का सामाजिक व राजनीतिक संघर्ष उल्लेखनीय रहा है। एक सामान्य आंदोलनकारी से पुणे महानगरपालिका के उपमहापौर पद तक पहुंचना उनके समर्पण और संघर्ष का परिणाम है।इस अवसर पर पार्टी के कई पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने परशुराम वाडेकर का अभिनंदन दीं।

डाबर च्यवनप्राश द्वारा गाडगील विद्यालय में इम्यूनिटी जागरूकता

पुणे। सर्दियों में बढ़ने वाली खांसी, जुकाम और श्वसन संबंधी बीमारियों से बचाव के लिए डाबर च्यवनप्राश की ओर से बैरिस्टर विठ्ठलराव गाडगील प्राथमिक विद्यालय में विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में 300 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। डाबर च्यवनप्राश द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी जनजागरूकता अभियान के तहत बच्चों को बदलते मौसम में मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता के महत्व, स्वच्छता की आदतों और पौष्टिक आहार के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण तथा डाबर इंडिया लिमिटेड के प्रतिनिधि उपस्थित थे। डाबर इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग हेड (हेल्थ सप्लीमेंट्स) अमित गर्ग ने कहा कि डाबर पिछले 100 वर्षों से देशवासियों की इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

गिफ्टिंग के बड़े डेस्टिनेशन शॉपर्स स्टॉप ने की 'स्टाइल इनिंग्स' लॉन्च की घोषणा

देशभर के ग्राहकों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है

महानगर नेटवर्क

पुणे

ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप को लेकर पूरे देश में बढ़ते रोमांच के बीच, भारत में प्रीमियम फ़ैशन, लाइफस्टाइल और गिफ्टिंग के सबसे बड़े डेस्टिनेशन, शॉपर्स स्टॉप ने आज 'स्टाइल इनिंग्स' के लॉन्च की घोषणा की। लोगों में जबरदस्त उत्साह जगाने वाला यह रिटेल कैंपेन क्रिकेट की थीम पर आधारित है, जो 29 जनवरी से 8 मार्च, 2026 तक देश भर में ब्रांड के सभी स्टोर्स पर चलेगा। स्टाइल इनिंग्स को क्रिकेट और शॉपिंग के रोमांच को एक साथ लाने के लिए डिज़ाइन किया गया, जिसमें "खरीदें और जीतें" जैसे मज़ेदार गेमिफ़ाइड मैकेनिक्स के जरिए ग्राहकों को इनाम जीतने का मौका मिलता है। स्टाइल इनिंग्स के उत्साह को और बढ़ाने के लिए, बंपर प्राइज़ में दिल्ली, कोलकाता, नोएडा, मुंबई, बेंगलुरु और साइबराबाद जैसे चुनिंदा शहरों में भारत बनाम पाकिस्तान मैच की लाइव स्क्रीनिंग के लिए पीवीआर आइनॉक्स के कपल टिकट शामिल हैं।इस कैंपेन के बारे में बात करते हुए, शॉपर्स स्टॉप के कस्टमर केयर एसोसिएट एवं सीएमओ, श्री जितेन महेंद्र ने कहा, "शॉपर्स स्टॉप में हम मानते हैं कि, हर शानदार पारी को शानदार इनाम तो मिलना ही चाहिए। स्टाइल इनिंग्स के जरिए हम ग्राहकों को अपने विनिंग शॉट्स खेलने का मौका दे रहे हैं, फिर चाहे वे टीम इंडिया का उत्साह बढ़ा रहे हों या अपने वॉर्डरोब को नया रूप दे रहे हों। स्टाइल इनिंग्स के ज़रिए, शॉपर्स स्टॉप का लक्ष्य वर्ल्ड कप सीजन के दौरान ग्राहकों के साथ जुड़ाव बढ़ाना, ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपने स्टोर और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाना,और एक प्रीमियम रिटेल डेस्टिनेशन के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करना है। स्टाइल इनिंग्स असल में वर्ल्ड कप के रोमांच और खरीदारी के शानदार अनुभव की बेमिसाल जुगलबंदी है।

पुणे के यूजीएमआरटी दूरबीन ने विशाल ब्लैक होल को खोजा

महानगर नेटवर्क

पुणे

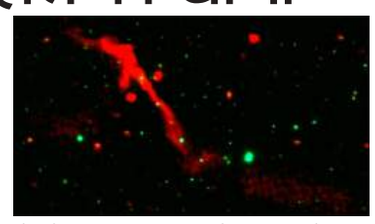

पुणे से 80 किलोमीटर दूर स्थित उन्नत जायंट मीटरवेव रेडियो दूरबीन (यूजीएमआरटी) की मदद से खगोल वैज्ञानिकों ने एक दुर्लभ विशाल रेडियो आकाशगंगा J1007+3540 का अध्ययन किया है, जिसमें एक अत्यंत विशाल कृष्ण विवर (ब्लैक होल) लगभग 10 करोड़ वर्षों की निष्क्रियता के बाद फिर सक्रिय होता हुआ दिखाई दिया। इस अंतरराष्ट्रीय शोध का नेतृत्व डॉ. सब्यसाची पाल (मिदनापुर सिटी कॉलेज, पश्चिम बंगाल) ने किया, जबकि शोध पत्र की प्रमुख लेखिका शोभा कुमारी (पीएचडी शोधार्थी) रहीं। भारत और पोलैंड के वैज्ञानिकों ने मिलकर यह अध्ययन किया। यह शोध खगोल विज्ञान की प्रतिष्ठित पत्रिका मंथली नोटिसेज़ ऑफ़ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी में प्रकाशित हुआ है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह आकाशगंगा लगभग 30 लाख प्रकाश-वर्ष में फैली हुई है और एक घने आकाशगंगा समूह के बीच स्थित है। यूजीएमआरटी की निम्न-आवृत्ति छवियों में आकाशगंगा की "दोहरी-दोहरी संरचना" दिखाई दी, जिससे यह प्रमाणित हुआ कि केंद्रीय कृष्ण विवर ने दोबारा ऊर्जा जेट छोड़ना शुरू कर दिया है।

'रोटरी स्पेल बी प्रतियोगिता में नॉलेज हैबिटैट स्कूल विजेता

पुणे। रोटरी क्लब ऑफ पूना नॉर्थ द्वारा आयोजित 'रोटरी स्पेल बी प्रतियोगिता 2025-26' में नॉलेज हैबिटैट स्कूल ने विजेता का खिताब हासिल किया। अंग्रेज़ी माध्यम वर्ग में नॉलेज हैबिटैट स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि एमईएस बाल शिक्षण मंदिर इंग्लिश मीडियम स्कूल उपविजेता रहा। मराठी माध्यम वर्ग में एच एच सी पी हाईस्कूल फॉर गर्ल्स, हुजूरपागा ने विजेता का स्थान प्राप्त किया, जबकि जागृती स्कूल फॉर ब्लाइंड गर्ल्स को उपविजेता पुरस्कार प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन एमआईटी–कैम्ब्रिज और रोटरी क्लब ऑफ पूना नॉर्थ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। उद्घाटन समारोह के प्रमुख अतिथि एमआईटी स्कूल ऑफ होलिस्टिक्स के निदेशक डॉ. अतुल पाटील थे, जबकि समापन समारोह में फर्ग्युसन कॉलेज के अंग्रेज़ी विभाग की प्रमुख प्रा. डॉ. माधुरी गोखले प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। अध्यक्ष मोहन पूजारी, पूर्व अध्यक्ष शांती श्रीधर, दीपक टक्कर, वी. एस. श्रीनिवासन, कमांडर गिरीश कोनकर, कार्मेलिन सेक्वेरा, संजय करवा तथा अन्य सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। यह प्रतियोगिता 22 जनवरी 2026 को पुणे के सिम्बायोसिस सेंटर फॉर डिस्टेंस लर्निंग, मॉडल कॉलनी में आयोजित की गई। विद्यार्थियों में भाषाई कौशल को बढ़ावा देना, आत्मविश्वास का निर्माण करना,स्वस्थ प्रतिस्पर्धा प्रोत्साहित करना मुख्य उद्देश्य था।

'निडर नारी,सर्वाइकल कैंसर पे भारी' अभियान लॉन्च

पुणे। एमओसी कैंसर केयर एंड रिसर्च सेंटर ने अपने नवीनतम जागरूकता अभियान 'निडर नारी, सर्वाइकल कैंसर पे भारी' के शुभारंभ की घोषणा की है। इस अभियान का उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर को लेकर समाज में व्याप्त चुप्पी और कलंक को तोड़ना तथा महिलाओं को बिना भय, अपराधबोध या किसी भी प्रकार के सामाजिक आकलन के अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित करना है। यह अभियान चुनिंदा स्थानों पर १,५०० डोज़ की निःशुल्क सर्वाइकल कैंसर इम्यूनाइजेशन (टीकाकरण) योजना के साथ शुरू किया गया है, जो रोकथाम के प्रति एमओसी कैंसर केयर की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हालांकि, अभियान का मुख्य फोकस जागरूकता, शिक्षा और समय पर स्क्रीनिंग को बढ़ावा देना है।

इस पहल को समर्थन देने के लिए प्रसिद्ध भारतीय टेलीविजन, फिल्म एवं थिएटर अभिनेत्री स्पृहा जोशी को भी अभियान से जोड़ा गया है। भारत में सर्वाइकल कैंसर एक बढ़ती हुई सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती के रूप में उभर रहा है, जहां विभिन्न आयु वर्गों में इसके मामलों में वृद्धि देखी जा रही है।

LLB छात्रा ने लोणावला में की आत्महत्या

टाइगर पॉइंट से 400 फीट गहरी खाई में मिला शव

पुणे। मुंबई में एलएलबी की पढ़ाई कर रही 20 वर्षीय युवती ने लोणावला के टाइगर पॉइंट से करीब 400 फीट गहरी खाई में कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान श्रेया नरेंद्र पाटी के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पारिवारिक विवाद के चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। करीब 36 घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद लोणावला शिवदुर्ग रेस्क्यू टीम ने ड्रोन की मदद से शव को खाई से बाहर निकाला। मुंबई निवासी श्रेया 31 जनवरी को घर से यह कहकर निकली थी कि वह ट्रेकिंग के लिए जा रही है। सुबह करीब 11 बजे वह लोणावला पहुंची। सबसे पहले वह ड्यूक्स नोज गई, वहां कुछ समय बिताने के बाद नीचे उतरी और रिक्शा से टाइगर पॉइंट पहुंची। टाइगर पॉइंट पर एक स्टॉल के पीछे उसने अपना बैग रख दिया था। पुलिस के अनुसार, टाइगर पॉइंट के पास रेलिंग के नजदीक टूटी हुई तार की बाड़ से होकर उसने सीधे लगभग 400 फीट गहरी खाई में छलांग लगा दी। शाम तक जब श्रेया घर नहीं लौटी और उसका मोबाइल बंद मिला,। इसी दौरान स्टॉल के पीछे रखा बैग दुकानदार की नजर में आया। बैग में मिले पहचान पत्र पर दर्ज मोबाइल नंबर पर कॉल कर दुकानदार ने जानकारी दी। इसके बाद श्रेया के लापता होने की पुष्टि हुई। श्रेया अकेली ही लोणावला आई थी। डॉग स्क्वॉड को बैग में मिले कपड़ों की मदद से उस स्थान तक ले जाया गया, जहां से उसने छलांग लगाई थी।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड ऑफिस नं. 12, अ और ब, सी.टी.एस. नं. 40/1, बी 2, संगम प्रोजेक्ट फेस 1, डॉ आंबेडकर रोड, आर.टी.ओ के पास पुणे-411001, से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित. ● फोन नंबरः 020-26059198 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

पुलिस गोली नहीं चलाएगी, तो क्या गोली खानी चाहिए

अपराधियों पर एक्शन को लेकर CM योगी का बयान

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

यूपी में योगी आदित्यनाथ के सीएम बनते ही अपराधियों पर सख्त कार्रवाई शुरू हो गई थी। UP फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 में बोलते हुए UP के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कई बार लोग कमेंट करते हैं और पूछते हैं कि पुलिस ने गोली क्यों चलाई। अगर पुलिस गोली नहीं चलाएगी, तो क्या पुलिस को गोली खानी चाहिए? हमने इसे कानून के दायरे में रहकर करने की कोशिश की, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि अगर सामने वाला व्यक्ति कानून से नहीं डरता, तो उसे कानून के दायरे में लाना और उसे कानून की भाषा समझाना उस समय की जरूरत बन जाता है। उत्तर प्रदेश में 2012 से 2017 के बीच 900 से ज्यादा दंगे हुए। एक भी शहर ऐसा नहीं था जहां कर्फ्यू न लगा हो। उस समय ऐसा कोई उद्यमी, डॉक्टर या

बिजनेसमैन नहीं होगा जिसने 'गुंडा टैक्स' न दिया हो। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में जब प्रधानमंत्री और हमारी पार्टी ने मुझे यह ज़िम्मेदारी सौंपी, तो हमें इस चुनौती का सामना करना था और हर नागरिक में विश्वास भी जगाना था। स्वाभाविक रूप से, हम यह चुन-चुनकर नहीं कर सकते थे। हमने जीरो टॉलरेंस का फैसला किया और जीरो टॉलरेंस सभी पर समान रूप से लागू होगा। अगर हमारा अपना कोई व्यक्ति गलत करता है, तो उस पर भी वही कानून लागू होगा जो किसी माफिया या अपराधी पर लागू होता है। दोनों चीजें एक साथ नहीं हो सकतीं।

उत्तर प्रदेश एक बेहतरीन निवेश डेस्टिनेशन

अगर उस अपराधी को गोली चलाने की आजादी है, तो हमने पुलिस को पिस्तौल इसलिए दी है ताकि वे भी उनका सामना कर सकें। जब उनसे उसी भाषा में निपटा जाता है। 9 सालों में बड़े सकारात्मक बदलाव हुए हैं। सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है। कोई भी शांति भंग करने, अराजकता या फिरौती की बात नहीं करता। कोई दंगे नहीं होते, कोई गड़बड़ी नहीं होती, कोई जबरन वसूली नहीं होती। आज ऐसी स्थिति कहीं भी नहीं है, और उत्तर प्रदेश ने खुद को एक बेहतरीन निवेश डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित किया है।

यूपी बना निवेशकों की पहली पसंद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित 'फार्मा कॉन्क्लेव 1.0' देश के औद्योगिक इतिहास में एक बड़ा मोड़ साबित हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने अपनी पुरानी पहचान को पीछे छोड़ते हुए खुद को भारत के उभरते 'फार्मा पावरहाउस' के रूप में स्थापित कर लिया है। कॉन्क्लेव में जुटे सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज और जाइडस जैसे वैश्विक दिग्गजों ने एक स्वर में स्वीकार किया कि उत्तर प्रदेश अब 'रेड टेप' (लालफीताशाही) के दौर से निकलकर 'रेड कार्पेट' के युग में प्रवेश कर चुका है। पद्मश्री दिलीप सांघवी ने स्पष्ट किया कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी फार्मा कंपनी होने के नाते वे उत्तर प्रदेश को अपनी अगली मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के लिए देश का सबसे सुरक्षित स्थान मानते हैं मैनकाइंड फार्मा के चेयरमैन रमेश जुनेजा का संबोधन बेहद भावुक रहा। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे 2001 में सुरक्षा कारणों से उन्हें प्रदेश छोड़ना पड़ा था। उन्होंने कहा कि योगी जी के आने के बाद यूपी में एक नई सुबह हुई है।

बुनियादी ढांचे की मजबूती: जाइडस लाइफ साइंसेज

पद्मभूषण पंकज रमनभाई पटेल ने रेखांकित किया कि फार्मा इंडस्ट्री के लिए आवश्यक चार स्तंभ—भूमि, बिजली, पानी और प्रशिक्षित मैनपावर—आज उत्तर प्रदेश में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। हेल्थकेयर सेक्टर के लिए आज देश का 'लैंड ऑफ अपॉर्च्युनिटी' बन गया है।

भविष्य का रोडमैप: वैश्विक नेतृत्व की तैयारी

डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के चेयरमैन सतीश रेड्डी और रामकी ग्रुप के अयोध्या रामी रेड्डी ने कहा कि कोविड काल में भारत ने अपनी जो वैश्विक धाक जमाई थी, उसे अब उत्तर प्रदेश की नीतियां आगे बढ़ाएंगी। उत्तर प्रदेश का स्पष्ट रोडमैप न केवल राज्य को, बल्कि पूरे भारत के फार्मास्युटिकल निर्यात को नई ऊंचाई पर ले जाएगा।

शिवरात्रि के बाद काशी आएंगे पीएम मोदी

हजार करोड़ से ज्यादा की देंगे सौगात; जानें खास

महानगर नेटवर्क

वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिवरात्रि के बाद काशी के दौरे पर आ सकते हैं। संभावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। विभिन्न विभागों से उन योजनाओं और परियोजनाओं की सूची मांगी गई है, जिनका प्रधानमंत्री शिलान्यास या लोकार्पण कर सकते हैं। अनुमान है कि इस दौरे में काशी को एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात मिल सकती है।

जिला प्रशासन ने सभी विभागों से प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं की सूची मांगी है, ताकि शिलान्यास और लोकार्पण का विस्तृत कार्यक्रम तैयार किया जा सके। विभागों के अनुसार कमिश्नरी आवास परिसर में बनने वाले मंडलीय एकीकृत कार्यालय भवन का शिलान्यास पीएम मोदी

कर सकते हैं। वहीं जल निगम की ओर से प्रस्तावित सोलर पार्क और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की परियोजनाओं को भी हरी झंडी मिलने की संभावना है।

शहर के ट्रैफिक और कनेक्टिविटी को नई दिशा देने वाले सिग्नेचर रेल रोड ब्रिज, नगर निगम के नए सदन भवन, और काशी रोपवे परियोजना भी प्रधानमंत्री के एजेंडे में शामिल रहेंगी। इसके अलावा रामनगर में बन रहे वृद्धाश्रम और वर्किंग वुमेन हॉस्टल का शिलान्यास भी संभावित है।ऊर्जा क्षेत्र में एक बड़ी पहल के तहत सर्किट हाउस परिसर में प्रदेश का पहला साइलेंट सब स्टेशन स्थापित किया जाएगा, जो बिना शोर के संचालित होगा। इसे भी प्रधानमंत्री की सौगातों में शामिल किया जा सकता है।

लोक निर्माण विभाग की कई सड़कों, एनएचएआई के हाईवे प्रोजेक्ट, जिला अस्पतालों में बनने वाले डे केयर सेंटर, और बनारस रेलवे स्टेशन पर प्रस्तावित तीसरी रेल लाइन के शिलान्यास की भी तैयारी चल रही है। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि प्रस्तावित सभी परियोजनाओं की कुल लागत एक हजार करोड़ रुपये से अधिक आंकी जा रही है।

अखिलेश यादव ने ट्रेड डील पर उठाए सवाल

- **बोले- 70% आबादी से धोखा**

लखनऊ। अखिलेश यादव ने ट्रेड डील को लेकर सवाल उठाए हैं। अखिलेश यादव ने ट्रेड डील को लेकर सोशल मीडिया पर सवाल पूछा है। अखिलेश ने लिखा कि 'सरकार बताए किस दबाव में ये डील हुई'...।

अखिलेश यादव ने इसे देश की 70% आबादी के साथ धोखा बताया है। पीएम ने एक्स पर पोस्ट कर ट्रेड डील की जानकारी दी थी। बता दें कि बीते दिन अमेरिका के राष्ट्रपति

डोनल्ड ट्रंप एक्स पर पोस्ट कर भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील की जानकारी दी। इसके साथ ही ट्रंप ने लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी उनके 'सबसे अच्छे दोस्तों' में से एक हैं और दोनों नेताओं ने दोस्ती व सम्मान के आधार पर यह समझौता किया है।

मंदिर आंदोलन के संघर्ष साथियों की तलाश में छूट रहे पसीने

19 मार्च को राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित

महानगर नेटवर्क

अयोध्या

राम मंदिर आंदोलन के संघर्षकालीन साथियों और कारसेवकों की पहचान व सूची तैयार करना जिम्मेदारों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। दशकों पुराने आंदोलन से जुड़े हजारों कार्यकर्ताओं के नाम, पते और संपर्क सूत्र जुटाने में पसीना छूट रहा है। स्थिति यह है कि अब तक कारसेवकों की प्रामाणिक सूची पूरी नहीं हो सकी है। सूत्रों के मुताबिक, इस कार्य में जुटी समिति ने राम मंदिर ट्रस्ट से फरवरी माह तक का समय मांगा है। आंदोलन के दौर में अलग-अलग संगठनों, क्षेत्रों और भूमिकाओं में सक्रिय रहे कारसेवकों का रिकॉर्ड बिखरा हुआ है। कई

कार्यकर्ता समय के साथ स्थानांतरित हो चुके हैं, तो कई के संपर्क सूत्र बदल गए हैं, जिससे सत्यापन की प्रक्रिया और जटिल हो गई है। गौरतलब है कि 19 मार्च हिंदू नववर्ष के अवसर पर राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से नव संवत्सर समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस समारोह की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू होंगी। वे समारोह में 400 श्रमिकों को सम्मानित करेंगी। समारोह के लिए पांच हजार मेहमानों की सूची बनाई जा रही है। इनमें राम मंदिर आंदोलन के संघर्ष के साथी रहे 1984 से 2002 के बीच के कार्यकर्ताओं को भी बुलाकर सम्मान दिया जाना है। किसी भी सच्चे संघर्ष साथी का नाम छूट न जाए, इसी वजह से प्रक्रिया में अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है। इसके लिए पुराने अभिलेख, संगठनों की फाइलें, स्थानीय स्तर पर संपर्क अभियान और जनसहयोग का सहारा लिया जा रहा है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए हैं कि नव संवत्सर के अवसर पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

बलरामपुर अस्पताल का 157वां स्थापना दिवस

सोलर पैनल के शुभारंभ में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक होंगे शामिल

लखनऊ। बलरामपुर अस्पताल में मंगलवार को 157 वर्ष का हो जाएगा। स्थापना दिवस के अवसर पर मरीजों के लिए कई सुविधाएं शुरू की जाएंगी। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। उपमुख्यमंत्री अस्पताल में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए तैयार सोलर पैनल का शुभारंभ करेंगे। इसके अलावा नई लिफ्ट का भी उद्घाटन होगा। यह प्रदेश का सबसे पुराना और सबसे बड़ा सरकारी जिला अस्पताल है। इसकी स्थापना 1869 में हुई थी। अंग्रेजों ने 12-20 बेड की डिस्पेंसरी के रूप में इसकी शुरुआत की थी। वर्ष 1902 में राजा बलरामपुर ने इसे विकसित किया और 1947 में बलरामपुर अस्पताल राज्य सरकार के अधीन आ गया।अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता आर्या के अनुसार, इस बार विरासत से विश्वास तक की थीम पर स्थापना दिवस समारोह मनेगा।

मां विंध्यवासिनी की तरह भव्य बनेगा चौकिया धाम

ग्रेनाइट की जगह की जाएगी स्टोन सेटिंग

महानगर नेटवर्क

जौनपुर

पूर्वांचल में आस्था का केंद्र शीतला धाम चौकिया भी काशी विश्वनाथ मंदिर और मां विंध्यवासिनी धाम की तर्ज पर नव्य-भव्य नजर आएगा। इसके लिए इसी महीने काम शुरू किया जाएगा। मां का दरबार भव्य बनाने की तैयारी है। इसके लिए डिजाइन भी तैयार कर ली गई है। हालांकि इसमें मामूली फेरबदल भी की जा सकती है।शीतला धाम चौकिया में सुंदरीकरण और पर्यटन विकास के लिए शासन से करीब छह करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। दो दिन पहले ही अधिकारियों की टीम ने धाम क्षेत्र का निरीक्षण किया। सर्वे के बाद धाम का डिजाइन फाइनल कर लिया गया है। सर्वे टीम में

शामिल जिम्मेदारों के मुताबिक धाम क्षेत्र का विकास भविष्य को ध्यान में रखते हुए कराया जा रहा रहा है। धाम का मुख्य द्वार नए लुक में नजर आए। धाम के मुख्य हिस्से में दोनों तरफ मां शीतला की तस्वीर होगी। जबकि मुख्य द्वार पर माता रानी की ही छोटी-छोटी तस्वीरें होंगी। इसी तरह प्रवेश द्वार पर गणेश जी विराजमान रहेंगे। यही नहीं, चौकिया धाम के आसपास के हॉल तोड़कर नए और आकर्षक बनाए जाएंगे।

इंटरलॉकिंग की जगह सीसी सड़के बनेंगी

शीतला धाम में सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम भी होते रहते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इसके लिए स्टेज भी बनाया जाएगा। साथ ही सुलभ कॉम्प्लेक्स भी बनाए जाएंगे। धाम क्षेत्र की गलियों में लगे इंटरलॉकिंग की जगह सीसी सड़क बनाई जाएंगी। मंदिर प्रशासन की मानें तो इसी माह निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। चौकिया स्थित माता शीतला धाम के दर्शन के बाद विंध्याचल में मां विंध्यवासिनी का दर्शन करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

बसपा के पूर्व सांसद के वाहन की पुलिस ने की चेकिंग

- **अतुल राय ने पोस्ट कर लिखा 'मुझे कोई ताकत नहीं रोक सकती'**

मऊ। मऊ जिले के घोसी से बसपा के पूर्व सांसद अतुल राय सोमवार की देर रात एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शहर में पहुंचे। यहां पुलिस ने कचहरी गेट के पास पूर्व सांसद के वाहन के साथ तीन अन्य वाहनों की तलाशी ली। शहर कोतवाल अनिल सिंह के नेतृत्व में पुलिस जवानों ने तलाशी की कार्रवाई की। यह चेकिंग करीब 20 मिनट तक चला।हालांकि चेकिंग अभियान में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। वहीं इस मामले में एसपी इलामारन जी ने बताया कि पुलिस को किसी से इनपुट मिला था, जिसके बाद पुलिस ने चेकिंग की थी। इस दौरान पुलिस ने पूर्व सांसद की मर्यादा का ध्यान भी रखा था। उधर, इस मामले के बाद अतुल राय ने अपने सोशल मीडिया पर इसको लेकर एक पोस्ट किया। जिसमें उन्होंने लिखा कि मऊ प्रशासन के द्वारा आज मेरी गाड़ियों की सघन तलाशी कराई गई। जबकि सी आर पी सी-144 (बीएनएस-163) को ध्यान में रखते हुए मैं चार गाड़ियों से भ्रमण कर रहा था, उसके बाद भी प्रशासन के द्वारा यह कार्यवाही की गई।

पुलिस पर हमला, हाईवे किया जाम

सूरज श्रीवास्तव की मौत के बाद हुए बवाल, 23 गिरफ्तार

महानगर नेटवर्क

प्रतापगढ़

प्रतापगढ़ के साहूमई के रहने वाले सूरज श्रीवास्तव की मौत के बाद बवाल के दौरान रविवार को पुलिसकर्मियों पर हमला करने वाले 23 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उनके पास से 23 लकड़ी के डंडे, दो लोहे की सरिया और छीना गया एक सीयूजी मोबाइल नंबर बरामद किया गया। सोमवार की शाम सभी पकड़े गए आरोपियों का चालान न्यायालय भेजा गया। मानिकपुर के साहूमई के रहने वाले सूरज श्रीवास्तव की जहरीला पदार्थ खाने के कारण शुक्रवार को मौत हो गई। उसकी मां ने बेटे की हत्या का

आरोप लगाते हुए प्रधानपति समेत तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। गिरफ्तारी की जिद पर अड़े परिजन व ग्रामीण रविवार की शाम शव लेकर हाईवे जाम करने पहुंचे। जहां शव की छीनाझपटी के दौरान ग्रामीणों और पुलिसकर्मियों में टकराव हो गया।देखते ही देखते उनके बीच मारपीट और पथराव होने लगा। हमले में थानाध्यक्ष नरेंद्र सिंह, दरोगा देवीदीन बुंदेला समेत 12 पुलिसकर्मी घायल हो गए। बवालियों ने सरकारी सीयूजी मोबाइल भी छीन लिया। रात में ही थानाध्यक्ष ने नामजद व अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई।

लालच देकर करते थे ब्रेन वॉश, कबूल कराते थे ईसाई धर्म

चार आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

महानगर नेटवर्क

जौनपुर

जौनपुर जिले के तरियारी गांव में धर्म परिवर्तन के मामले में हिरासत में लिए गए लोगों से पुलिस ने रविवार देर रात तक पूछताछ की। इसके बाद सभी महिला-पुरुषों को छोड़ दिया और चार आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर चालान कर दिया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी लोगों से बीमारी ठीक होने की बात कहकर उनका ब्रेन वॉश करते थे। तरियारी गांव में रविवार को पुलिस ने छापा मारकर 30 से ज्यादा लोगों को हिरासत में

लिया था। विश्व हिंदू परिषद के सत्संग प्रमुख प्रखंड का काम देखने वाले केराकत कोतवाली क्षेत्र के नरहन गांव निवासी संत राम जनम नागर बाबा ने घटना की तहरीर दी। ईसाई धर्म परिवर्तन के लिए गांव के दूरदराज की महिलाओं और पुरुषों को एकत्र किया। धार्मिक साहित्य के माध्यम से लालच देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए कहा जा रहा था।

प्रिया हत्याकांड: अफेयर, लिव-इन और मंदिर में शादी

फिर भी विजय ने दूसरी लड़की से किया विवाह

महानगर नेटवर्क

गोरखपुर

गोरखपुर के पीपीगंज क्षेत्र में प्रिया हत्याकांड 'पति-पत्नी और वो' के साथ ही भरोसे के कत्ल की भी कहानी है। सहजनवां के विजय के प्यार में पागल प्रिया उसके साथ की चाह में मुंबई से भागी चली आई। यहां विजय ने मंदिर में साथ जीने-मरने की कसमें खाईं। प्रिया उसकी साजिशें समझ नहीं पाई जिसकी कीमत उसे जान देकर चुकानी पड़ी। हालांकि विजय और अन्य आरोपियों

ने बचने की बहुत कोशिशें कीं, लेकिन सीसीटीवी फुटेज ने उनकी कलई खोल दी। पुलिस ने मामले में विजय साहनी, उसकी पत्नी संध्या और साजिश रचने के आरोप में विजय के ससुर रामबिलास साहनी को गिरफ्तार कर सोमवार को कोर्ट में पेश किया।

पत्नी के साथ मिलकर प्रिया को मार डाला

पूछताछ में विजय ने स्वीकार किया कि वह प्रिया के दबाव से डर चुका था। पत्नी के साथ मिलकर उसने सुनियोजित तरीके से हत्या की। एसपी साउथ ने बताया कि पुलिस की गिरफ्त में आया आरोपी विजय कुमार साहनी मूल रूप से सहजनवां थाना क्षेत्र के माडर गांव पोस्ट पाली का रहने वाला है।

मकान कब्जेदारी को लेकर विवाद

लखनऊ। इंदिरा नगर के बस्तौली गांव में मकान पर कब्जे को लेकर चल रहे प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने सपा पार्षद सुरेंद्र वाल्मीकि को हिरासत में लिया और थाने ले गई। इस पर बड़ी संख्या में पार्षद के समर्थक थाने पहुंच गए।लोग पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। उन्होंने अयोध्या रोड पर जाम का प्रयास किया। पुलिस ने लाठियां फटकारकर भीड़ को खदेड़ा। बस्तौली गांव में पुराना मकान था जिस पर कुछ लोगों ने कब्जा किया था। सहायक पुलिस आयुक्त गाजीपुर अनिद्य विक्रम सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर नियमानुसार मकान को दो दिन पहले कब्जे से मुक्त कराया गया।

नाराज संविदाकर्मी ट्रांसफॉर्मर पर बैठा, 12 घंटे ठप रही आपूर्ति

भदोही। आइडी बंद होने (काम से हटाए जाने) से नाराज विद्युत उपकेंद्र सीतामढ़ी में तैनात विद्युत संविदा कर्मी शिव यादव सोमवार की सुबह छह बजे ट्रांसफॉर्मर पर चढ़कर बैठ गया। इससे तीन फीडरों की बिजली आपूर्ति 12 घंटे तक ठप रही। इससे 50 गांव के उपभोक्ताओं को परेशानी हुई। शाम छह बजे कोइरौना थानाध्यक्ष के समझाने पर कर्मचारी माना और ट्रांसफॉर्मर से नीचे उतरा। बिजली आपूर्ति बहाल हो सकी। सीतामढ़ी विद्युत उपकेंद्र पर 19 निजी कंपनी के कर्मचारी तैनात हैं। कुछ दिन पहले तीन कर्मियों को हटाते हुए उनकी आईडी बंद कर दी गई। विद्युतकर्मी शिव यादव आईडी बंद होने से आक्रोशित होकर उपकेंद्र में विद्युत आपूर्ति करने के लिए लगे ट्रांसफॉर्मर पर चढ़कर बैठ गया।

धमकी देने लगा कि जब तक आईडी नहीं चालू होगी वह नहीं उतरेगा। करंट प्रवाहित तार को पकड़कर जान दे देगा। इसके बाद उपकेंद्र की आपूर्ति बंद कर दी गई। देखते ही देखते ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। बिजली निगम के अधिकारी उसे उतारने का प्रयास किए, लेकिन वह नहीं माना। अधिशासी अभियंता को बुलाने की मांग पर अड़ा रहा। सुबह छह से शाम छह बजे तक उपकेंद्र पर गहमागहमी का माहौल रहा।

महाकुंभ की जनवरी से ज्यादा माघ में हुआ जीएसटी कलेक्शन

संगमनगरी ने इस बार आर्थिक मोर्चे पर सबको चौंकाया

प्रयागराज। संगमनगरी ने इस बार आर्थिक मोर्चे पर सबको चौंका दिया है। राज्य वाणिज्य कर के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष महाकुंभ की जनवरी की तुलना में इस वर्ष माघ मेले की जनवरी में प्रयागराज जोन में रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन दर्ज किया गया है। यह उछाल जोन की बढ़ती व्यापारिक गतिविधियों की ओर इशारा कर रही है। खास बात यह है कि देश में जहां जीएसटी कलेक्शन की बढ़त 6.2 फीसदी रही, वहीं प्रयागराज में यह ग्रोथ 8.83 फीसदी दर्ज की गई।

प्रयागराज में पिछले वर्ष महाकुंभ का आयोजन था। तब जनवरी-2025 में यहां 262.72 करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन हुआ था। वहीं, जनवरी-2026 में माघ मेला लगा, जिस दौरान यहां जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 285.91 करोड़ रुपये पहुंच गया। जानकारों का मानना है कि माघ मेले के दौरान स्थानीय व्यापार एवं अन्य क्षेत्र में हुए भारी लेनदेन ने राजस्व बढ़ाने में मदद की। डिजिटल पेमेंट और बिलिंग के प्रति बढ़ती जागरूकता ने भी इस रिकॉर्ड कलेक्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वरिष्ठ कर एवं वित्त सलाहकार डॉ. पवन जायसवाल का कहना है कि माघ मेले के साथ ही हाल के दिनों में सोने-चांदी की खरीद फरोख्त की बिलिंग काफी हुई। इससे विभाग को राजस्व मिला। इस वजह से भी यहां जीएसटी की ग्रोथ अच्छी रही।

संत प्रेमानंद महाराज से मिले 'महाभारत के युधिष्ठिर'

आशीर्वाद लिया; सुनाया मशहूर डायलॉग

महानगर नेटवर्क

मथुरा

धारावाहिक महाभारत में युधिष्ठिर का किरदार निभाने वाले अभिनेता गजेंद्र चौहान संत प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने उनके रमणरेती क्षेत्र स्थित श्रीराधा केलि कुंज आश्रम पहुंचे। उन्होंने संत से महाभारत को लेकर अध्यात्म चर्चा की। संत ने कहा कि युधिष्ठिर साक्षात धर्म के अंश से प्रकट हुए।वर्ष 1988 में रामानंद सागर के धारावाहिक महाभारत में युधिष्ठिर की भूमिका निभाने वाले अभिनेता गजेंद्र चौहान ने संत प्रेमानंद के समक्ष कहा कि महाभारत का एक संवाद देश के प्रधानमंत्री रहे अटल बिहारी वाजपेयी को बहुत अच्छा लगता था। जब भी मिलते थे तो कहते थे कि वह संवाद सुनाओ। कोई भी पुत्र, कोई भी पिता, कोई भी परिवार, कोई भी प्रतिज्ञा, कोई भी परंपरा राष्ट्र से ऊपर नहीं हो सकती। क्योंकि भीष्म ने प्रतिज्ञा ली थी, कि यदि राष्ट्र पर बात आएगी तो कोई भी प्रतिज्ञा तोड़नी होगी।

इस पर संत प्रेमानंद ने प्रसन्न होते हुए कहा कि कहा कि उन्होंने धर्मग्रंथ पर आधारित धारावाहिक में जो अभिनय किया वह बेहतर है। युधिष्ठिर साक्षात धर्म के अंश से प्रकट हुए थे।

अध्यापक की कार की ऑटो से टक्कर, महिला की मौत,11 घायल

महानगर नेटवर्क

मिर्जापुर

थाना क्षेत्र के मछली मंडी के सामने सोमवार की सुबह तेज रफ्तार इलेक्ट्रिक कार और ऑटो की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में ऑटो चालक समेत 12 लोग घायल हो गए। चालक व एक महिला को सीएचसी से रेफर किया गया। रास्ते में महिला सोनी की मौत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। थानाध्यक्ष अमरजीत चौहान ने बताया कि ऑटो में सवार महिलाएं खैरा क्षेत्र के खेत मजदूरी करने जा रही थी। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार इलेक्ट्रिक कार ने ओवरटेक करने के चक्कर में ऑटो

में टक्कर मार दी। कार से अध्यापक अपनी पत्नी को कछवां स्थित कंपोजिट विद्यालय छोड़ने जा रहा था। पत्नी वहीं पढ़ाती है। अध्यापक बजहां स्थित कंपोजिट विद्यालय में पढ़ाता है।

हादसे के बाद अध्यापक वाहन वहीं छोड़कर अपनी पत्नी को उसके विद्यालय छोड़ने चला गया। उधर, हादसे में पार्वती (35), गुड़िया (20), सुघरा (38), नेहा (18), सरोजा (18), राधिका (14), रेखा (30), रेखा (35), ज्योति (12), कुसुम (30) सोनी (22) घायल हो गई। सभी घायल बसंतापुर औराई भदोही की निवासी हैं। ऑटो चालक चंद्रेश यादव (35) निवासी विक्रमपुर औराई भदोही भी घायल हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे कस्बा चौकी प्रभारी विनय कुमार दुबे ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर हालत गंभीर होने पर ऑटो चालक चंद्रेश यादव और सोनी को मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया। मंडलीय अस्पताल ले जाते समय सोनी की रास्ते में मौत हो गई। परिजनों को सूचना दी गई। कार चालक पर प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

6 फरवरी को बच्चों से बात करेंगे पीएम मोदी

इन प्लेटफॉर्म पर लाइव होगा 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

बोर्ड एग्जाम की तैयारियों में लगे करोड़ों बच्चों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के तहत 6 फरवरी 2026, शुक्रवार को रूबरू होंगे। यह जानकारी खुद प्रधानमंत्री ने अपने ट्विटर हैंडल से दी है। पीएम मोदी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से किए गए ट्वीट के मुताबिक, "#ParikshaPeCharcha वापस आ गया है! इस बार, यह चर्चा #Ex-amWarriors के साथ देवमोगरा, कोयंबटूर, रायपुर और गुवाहाटी के बच्चों के साथ-साथ दिल्ली में 7 लोक कल्याण मार्ग पर मौजूद युवा साथियों के साथ होगी। यह चर्चा स्ट्रेस फ्री परीक्षा और कई दूसरी चीजों पर चर्चा करके बच्चों को रिफ्रेश करेगी। 6 फरवरी PPC जरूर देखें।"प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कार्यक्रम हर साल नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में होता था, लेकिन पिछले साल इस कार्यक्रम को सुंदर नर्सरी में आयोजित किया गया था। अब प्रधानमंत्री अपने ही आवास से बच्चों के साथ लाइव जुड़ेंगे। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज और नरेंद्र मोदी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर होगा। प्रसारण का समय सुबह 10 बजे से होगा। इस दौरान प्रधानमंत्री छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से सीधे संवाद करेंगे। पीएम मोदी के इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन करने वाले उम्मीदवारों को आमतौर पर देश भर में होने वाले कॉम्पिटिशन के ज़रिए चुना जाता है।

2025 में सुंदर नर्सरी में हुआ था कार्यक्रम

परीक्षा पे चर्चा का आठवां एडिशन 10 फरवरी, 2025 को नई दिल्ली में सुंदर नर्सरी में ऑर्गनाइज किया गया था और इसमें एक नया, इनोवेटिव फॉर्मेट पेश किया गया था। इसमें सरकारी स्कूलों, केंद्रीय विद्यालयों, सैनिक स्कूलों, एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूलों, CBSE इंस्टीट्यूशन और नवोदय विद्यालयों के 36 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया।

सबरीमाला सोना चोरी मामला, केरल विधानसभा में हंगामा

अध्यक्ष की कुर्सी पर चढ़े कांग्रेस विधायक, जमकर काटा बवाल

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

केरल विधानसभा में सबरीमाला मंदिर के सोने की चोरी के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान नाटकीय दृश्य देखने को मिले, जिसमें एक कांग्रेस विधायक ने अध्यक्ष की कुर्सी पर चढ़ने का प्रयास किया, जिससे कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। बाद में सुरक्षा कर्मियों ने भी मंच के सामने विपक्ष के विधायकों द्वारा उठाए गए बैनर को बलात खींच लिया। सुरक्षा कर्मियों की कार्रवाई के बाद और अधिक यूडीएफ विधायकों ने मंच पर चढ़ने का प्रयास किया। सदन में हंगामे के बीच अध्यक्ष को फिर से सदन को थोड़ी देर के लिए स्थगित करना पड़ा, क्योंकि सत्तारूढ़ मोर्चे के विधायक विपक्ष की कार्रवाई पर हंसते हुए देखे गए। विपक्ष ने सदन में असहयोग की घोषणा की, जबकि राज्य सरकार में मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय करार दिया।

कांग्रेस-नेतृत्व वाले यूडीएफ विपक्ष ने मंगलवार, 3 जनवरी को सबरीमाला सोने की चोरी मामलों की एसआइटी जांच में मुख्यमंत्री कार्यालय के हस्तक्षेप का आरोप लगाते हुए घोषणा की कि वे अब सदन के साथ सहयोग नहीं करेंगे। इसी के साथ विधानसभा की कार्यवाही का बहिष्कार कर दिया। विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने सदन की कार्यवाही शुरू होने पर अध्यक्ष एएन शमसीर को यूडीएफ के बहिष्कार के निर्णय की जानकारी दी। सतीशन ने दावा किया कि ऐसे हालात बनाए जा रहे हैं कि दोनों मामलों के आरोपित जमानत पर बाहर आ सकें और इस प्रकार, जांच में बाधा डाल सकें।इन सभी कारणों से विपक्ष पूर्ण रूप से सदन की कार्यवाही का बहिष्कार कर रहा है और मुख्यमंत्री विजयन की प्रतिक्रिया सुने बिना विपक्ष विधानसभा से बाहर चला गया। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि विपक्ष के विधायक सुरक्षा कर्मियों पर बैनर के डंडे से हमला कर रहे थे।

Iran-अमेरिका न्यूक्लियर टॉक

'अगर डील फाइनल नहीं हुई तो...'

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ती तनातनी के बीच परमाणु वार्ता फिर से बहाल होने जा रही है। दोनों देशों के शीर्ष राजनयिकों के बीच तुर्किये में शुक्रवार को वार्ता होगी।

हालांकि, इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने फिर चेतावनी दी है कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ तो अमेरिकी युद्धपोत ईरान की तरफ बढ़ रहे हैं और बुरी चीजें होंगी।जबकि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा कि वह निष्पक्ष और तर्कसंगत बातचीत चाहते हैं। उन्होंने वार्ता में शामिल होने वाले विदेश मंत्री अब्बास अराघची को इस संबंध में निर्देश दिए हैं।

यह वार्ता ऐसे समय होने जा रही है, जब पिछले महीने देशभर में हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर ईरानी सरकार की हिंसक कार्रवाई के बाद अमेरिका के साथ तनातनी बढ़ गई है और क्षेत्रीय युद्ध का अंदेशा जा रहा है। ऐसे में तुर्किये के इस्तांबुल शहर में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकाफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच बैठक होगी, जिसमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद को सुलझाने और क्षेत्रीय युद्ध के खतरे को टालने के प्रयास किए जाएंगे।

अमेरिकी और ईरानी अधिकारियों ने सोमवार को वार्ता बहाल होने के बारे में जानकारी दी। जबकि एक क्षेत्रीय राजनयिक ने बताया कि वार्ता में सऊदी अरब और मिस्र जैसे देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। वहीं मध्यस्थता कर रहे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति के एक सलाहकार ने कहा कि पश्चिम एशिया ईरान-अमेरिका के बीच फिर टकराव देखना नहीं चाहता है।व्हाइट हाउस में सोमवार को पत्रकारों से वार्ता के दौरान संभावित समझौते के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि वार्ता हो रही है। उन्होंने कहा, 'हमारे जहाज अभी ईरान की ओर बढ़ रहे हैं, जिनमें बड़े और सर्वश्रेष्ठ हैं।

ट्रंप ने रखी हैं तीन शर्तें

ईरानी सूत्रों ने पिछले सप्ताह बताया कि ट्रंप ने वार्ता बहाल करने के लिए तीन शर्तें रखी हैं, जिनमें शून्य यूरेनियम संवर्धन, तेहरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को सीमित करना और क्षेत्रीय क्षद्म गतिविधियों को समर्थन देना बंद करना है। हालांकि ईरान लंबे समय से इन तीनों मांगों को अस्वीकार्य करता आ रहा है, क्योंकि वह इन्हें अपनी संप्रभुता का उल्लंघन मानता है।

अगस्ता वेस्टलैंड सेना के लिए फिर सप्लाई करेगी हेलिकॉप्टर

नई दिल्ली। इटली की कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड क्लीन चिट मिलने के पांच साल बाद फिर भारत के रक्षा क्षेत्र में एंट्री करने जा रही है। यह वही कंपनी है, जिसका नाम बहुचर्चित VVIP हेलिकॉप्टर कांड से जुड़ा था। इसने करीब एक दशक तक भारतीय राजनीति को झकझोर दिया था। अगस्ता की पैतृक कंपनी लियोनार्डो के साथ अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस की डील को अंतिम रूप दिया जा चुका है। अडाणी ग्रुप के अनुसार इसकी औपचारिक घोषणा मंगलवार को होगी। लियोनार्डो कभी फिनमैकेनिका के नाम से जानी जाती थी।अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला 3,600 करोड़ का एक VVIP हेलिकॉप्टर खरीद घोटाला है। इसमें कंपनी पर 12 एडब्ल्यू-101 (AW-101) हेलिकॉप्टर की खरीद में भारतीय वायुसेना के अधिकारियों

और बिचौलियों को लगभग 360 करोड़ की रिश्वत देने का आरोप है। भारत ने 2014 में इस सौदे को अधिकारिक रूप से रद्द करने के बाद कंपनी को ब्लैकलिस्ट किया गया था। सबूतों के अभाव में पहले इटली की अदालत ने और बाद में नवंबर 2021 में रक्षा मंत्रालय ने अगस्ता वेस्टलैंड को क्लीन चिट दे दी थी। यह सौदा 2010 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली UPA सरकार के दौरान इटली की कंपनी फिनमैकेनिका की सहायक कंपनी 'अगस्ता वेस्टलैंड' के साथ हुआ था।

मेलबर्न में महात्मा गांधी की मूर्ति चोरी

कांस्य प्रतिमा को काटकर ले गए चोर

महानगर नेटवर्क

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में महात्मा गांधी की 426 किलोग्राम वजनी कांस्य प्रतिमा चोरी हो गई है। यह प्रतिमा ऑस्ट्रेलियन इंडियन कम्युनिटी सेंटर के बाहर लगी थी और भारतीय समुदाय के लिए सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक महत्व रखती थी। इस घटना ने भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय में गहरी चिंता और आक्रोश पैदा कर दिया है। भारत ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के समक्ष उठाया है और तुरंत कार्रवाई कर प्रतिमा की वापसी और जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान की मांग की है।

विदेश मंत्रालय के अधिकारी और आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर

जायसवाल ने 3 फरवरी 2026 को मीडिया से बातचीत में कहा हम गांधी प्रतिमा के विनाश और चोरी की कड़ी निंदा करते हैं। यह प्रतिमा रोवविले, मेलबर्न के ऑस्ट्रेलियाई भारतीय कम्युनिटी सेंटर में स्थापित थी। हमने ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों से आग्रह किया है कि इस चोरी की तत्काल जांच हो, प्रतिमा को वापस लाया जाए और दोषियों को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़े। इस प्रतिमा को नई दिल्ली स्थित इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशंस (ICCR) ने ऑस्ट्रेलिया को उपहार में दिया था। इसका उद्घाटन 12 नवंबर 2021 को ऑस्ट्रेलिया के तत्कालीन प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने किया था। उद्घाटन के 24 घंटे के भीतर ही अज्ञात लोगों ने प्रतिमा में तोड़फोड़ की थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना सोमवार को लगभग दोपहर 12:50 बजे हुई। मेलबर्न पुलिस के मुताबिक, तीन अपराधियों ने प्रतिमा को उसके फाउंडेशन से काटने के लिए एंगल ग्राइंडर का इस्तेमाल किया। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में प्रतिमा को टखनों से कटे हुए देखा जा सकता है और स्थल पर अब केवल पैरों के अवशेष ही बचे हैं।

भोपाल में वकीलों ने रेप के आरोपी को पीटा

11वीं की छात्रा से किया था दुष्कर्म

जिला कोर्ट में पेश करने लेकर आई थी पुलिस

भोपाल। भोपाल जिला कोर्ट परिसर में वकीलों ने 11वीं की छात्रा से रेप-ब्लैकमेलिंग के आरोपी को पीट दिया। कोहेफिजा पुलिस सोमवार को आरोपी ओसाफ अली खान को कोर्ट में पेश करने लेकर आई थी। इस बीच वहां मौजूद वकीलों की भीड़ ने उसे घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी।हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिसकर्मियों और वकीलों के बीच झूमाझटकी की स्थिति बन गई। इसके वीडियो भी सामने आए हैं। एक वीडियो 2 फरवरी का बताया जा रहा है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आरोपी को देखते ही वकीलों का गुस्सा भड़क उठा। कुछ वकीलों ने आरोपी को पुलिस से छुड़ाने की कोशिश की

और उसके साथ मारपीट की।

कोर्ट परिसर में शोर-शराबा और धक्का-मुक्की के चलते कुछ देर के लिए कामकाज भी प्रभावित हुआ। पुलिस ने बल प्रयोग कर किसी तरह आरोपी को भीड़ से बचाया और सुरक्षित बाहर निकाला। मामला तब सामने आया जब शाहपुरा स्थित एक प्रतिष्ठित स्कूल में पढ़ने वाली 11वीं की छात्रा ने परिवार के साथ कोहेफिजा थाने में शिकायत दर्ज कराई।

हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

पत्नी ने पति को छोड़ा, अलग रहने का मेंटिनेंस लेने का कोई हक नहीं

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

केरल हाई कोर्ट ने तलाक के एक मामले में बड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि अगर पत्नी ने बिना किसी बड़ी वजह से पति को छोड़ दिया है तो वह तलाक से पहले अलग रहने के दौरान का मेंटिनेंस नहीं मांग सकती है। जस्टिस सतीश निनान और जस्टिस पी कृष्ण कुमार की डिवीजन बेंच ने फैमिली कोर्ट के फैसले को दरकिनार करते हुए कहा कि जब पत्नी ने ही पति को छोड़ने का फैसला किया है तो उसे पहले का

मेंटिनेंस देने का कोई तुक नहीं है।फैमिली कोर्ट ने दोनों को इसी बुनियाद पर तला की अनुमति दी थी कि पत्नी ने पति को छोड़ दिया है। इसके पीछे कोई बड़ी वजह भी सामने नहीं आई थी। फैमिली कोर्ट ने कहा था कि पत्नी जब से अलग रह रही थी, तब से ही मेंटिनेंस देना होगा। हाई कोर्ट ने कहा कि तलाक कानून 1869 के तहत अगर किसी एक की इच्छा से भी तलाक दिया जाता है तब भी पहले का मेंटिनेंस देना जरूरी नहीं है।

महिला के वकील ने कोर्ट में कहा कि अगर पत्नी ने पति को छोड़ दिया है तो इसका मतलब यह नहीं है कि इसके पीछे कोई वजह नहीं है। वकील ने कहा कि तलाक कानून 1869 के तहत परित्याग का मतलब है कि जिस व्यक्ति पर आरोप लगाया गया है उसकी मर्जी के खिलाफ ही उसे छोड़ देना।

नाभा जेल से बाहर आए बिक्रम मजीठिया

- रिहा होते ही AAP पर बरसे
- बोले– मुझे जेल में मरवाना चाहती थी सरकार

पटियाला । आय से अधिक संपत्ति मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया नाभा जेल से बाहर आ गए हैं। जेल के बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी थी। मजीठिया के समर्थक जेल के बाहर डटे हुए हैं। जेल के बाहर ढोल-नगाड़ों के साथ भंगड़ा हो रहा है। मजीठिया करीब सात माह से नाभा जेल में बंद थे।बाहर आने के बाद मजीठिया ने आप सरकार पर हमला बोला। मजीठिया ने आरोप लगाया कि आप सरकार मूसेवाला की तरह मुझे मरवा सकती है लेकिन मजीठिया न झुकेगा, न रूकेगा। मैं पंजाब की बात करता रहूंगा। उन्होंने विपक्ष के नेताओं का धन्यवाद किया। मजीठिया

ने कहा कि सरकार ने उनकी पत्नी को बहुत परेशान किया। मजीठिया में कहा कि सरकार चाहती थी कि वह जेल से जिंदा बाहर ना आएं लेकिन पंजाब के सभी लोगों की दुआओं का असर है कि वह पूरी चढ़दी कला में हैं। साथ ही वह ऐलान करना चाहते हैं कि वह सरकार से नहीं डरते हैं और आगे भी इसी तरह से पंजाब के किसानों, मजदूरों लोगों और नौजवानों की आवाज बनकर सरकार के खिलाफ झंडा बुलंद करते रहेंगे।

हम तो जश्न मनाना चाहेंगे लेकिन...

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर थरूर के सरकार से तीखे सवाल

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

मंगलवार को कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते पर केंद्र सरकार से स्पष्टता की मांग की। थरूर ने कहा कि भले ही भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ (शुल्क) को 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसद करना सकारात्मक हो सकता है, लेकिन सरकार को इसके सभी पहलुओं और विवरणों को सार्वजनिक करना चाहिए। थरूर ने कहा कि वे इस डील को लेकर जश्न मनाना चाहेंगे लेकिन पहले सरकार बताए तो कि मसला क्या है? थरूर ने सरकार की कार्यशैली और पारदर्शिता पर सवाल

उठाए। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा- हमारे पास राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के ट्वीट हैं; क्या संसदीय लोकतंत्र में इतना ही काफी है? क्या भारत सरकार को देश की जनता को यह नहीं समझाना चाहिए कि इस सौदे में वास्तव में क्या है? उन्होंने विशेष रूप से कृषि क्षेत्र पर समझौते के प्रभाव को लेकर चिंता जताई।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने कि सूचना (साधारण प्रारूप)

न्यायलय श्रीमान अपर सिविल जज (जू0डि0) न्यू कोर्ट षष्टम जौनपुर (उ0प्र0)

मु0नं0 8 सन 1980

फतेह मोहम्मद बनाम जलील

बनाम 10.साजिदा उ0त0 57 साल पत्नी सरवर अली 11.सरफराज उ0त0 24 साल 12.सरताज अली उ0त0 29 साल 13.शाहबाज अली उ0त0 27 साल 14.शाहनवाज अली उ0त0 26 साल 15.सैफ अली उ0त0 25 साल पुत्रगण स्व0सरवर अली सा0मौ0सराय कस्बा घिसुआ खास त0मछलीशहर जिला जौनपुर-तरतीवी

चुकि उपर नामाकिंत ने इस न्यायलय में यह आवेदन किया जाता है कि अतएव आपको एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती जाति कि आपको आवेदन के खिलाफ संवागित करन के लिये स्वय या सम्पर्क रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा सज्जात द्वारा ही ऐसा करने से असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षी सुना और अवध ाारित किया जायेगा।

तारीख पेशी 09-02-2026

आपत्ति/निस्तारण

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित निकाली गयी। (न्यायालय)

वर्दी वाले कुछ सच कब्र तक ले जाते हैं...

जनरल नरवणे को J&K के पूर्व DGP की नसीहत

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण (मेमॉयर) पर आधारित एक लेख का हवाला देकर पिछले दो दिनों से राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े करने की कोशिश की है। मंगलवार को उन्होंने लोकसभा में फिर से चीन के साथ सैन्य टकराव का मुद्दा उठाने का प्रयास किया, जिसके बाद सदन में सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक और हंगामा हो गया। इस हंगामे और विवाद के बीच जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वैद ने जनरल नरवणे को नसीहत देते हुए एक बड़ा बयान दिया है।

देश और विदेश के 64 लोग ग्रहण करेंगे जैन दीक्षा

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

दीक्षार्थी भारत के नौ राज्यों और शहरों - सूरत, अहमदाबाद, बनासकांठा (भाभर, थराद, वाव), सौराष्ट्र, मुंबई, पुणे, उदयपुर, हिंगणघाट, रायपुर और उज्जैन - से, तथा यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका (USA) से भी दो दीक्षार्थी आ रहे हैं, जो जैन धर्म की वैश्विक आध्यात्मिक पहुँच को प्रतिबिंबित करता है।मुंबई एक ऐतिहासिक और अभूतपूर्व आध्यात्मिक प्रसंग का साक्षी बनने जा रहा है। जैन दीक्षा महोत्सव 2026 का आयोजन पहली बार इतने भव्य और विराट स्तर पर

बोरीवली वेस्ट के चीकुवाड़ी क्षेत्र में किया जा रहा है। यह पाँच दिवसीय महोत्सव "संयमरंग उत्सव" नाम से 4 फरवरी से 8 फरवरी 2026 तक आयोजित होगा, और 8 फरवरी 2026 को इसका भव्य परिपूर्ण दिवस होगा, जब 18 पुरुष और 46 महिला दीक्षार्थी एक ही मंडप में सामूहिक रूप से जैन दीक्षा ग्रहण करेंगे - जो महाराष्ट्र के इतिहास में पहली बार होगा। महोत्सव के लिए 2,50,000 वर्ग फुट क्षेत्र में एक विशाल आध्यात्मिक नगरी का निर्माण किया गया है, जो पूरे परिसर को त्याग, तप, संयम और जैन आध्यात्मिक मूल्यों की अनुभूति से परिपूर्ण बनाएगी। दीक्षा उत्सव वरिष्ठ आचार्य भगवंत गच्छाधिपति पूज्य सोमसुंदरसूरिजी महाराज साहेब तथा अनेक पूज्य आचार्य भगवंतों की उपस्थिति में आयोजित होगा। यह दीक्षा, पूज्य शांतिचंद्रसूरि समुदाय के जैनाचार्य पूज्य जिनचंद्रसूरिजी महाराज साहेब के प्रशिष्य, पूज्य योगतिलकसूरिजी महाराज साहेब के मार्गदर्शन में संपन्न होगी।

ट्रंप और मोदी के दावे तो अलग हैं

अमेरिका से टैरिफ डील पर चीन भी बोला, किस बात पर हैरान

नई दिल्ली। अमेरिका की ओर से भारत पर टैरिफ को 50 फीसदी से घटाकर सीधे 18 पर्सेंट किए जाने पर चीन का भी रिएक्शन आया है। चीन के सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने एक एक्सपर्ट के हवाले से लिखा है कि भले ही अमेरिका और मोदी सरकार के बीच टैरिफ घटाने पर सहमति बन गई है, लेकिन दोनों के बयानों में अंतर है। चीन ने दरअसल उस बात का उल्लेख किया है, जिसमें ट्रंप ने दावा किया है कि भारत ने रूसी तेल की खरीद बंद करने का भरोसा दिया है। इसके अलावा कृषि उत्पाद, तकनीक समेत तमाम अमेरिकी चीजों की खरीद पर भी भारत ने सहमति जताई है। अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ को जीरो फीसदी तक घटाने का भी ट्रंप का दावा है।

वहीं भारत ने ट्रंप के ऐसे किसी भी दावे पर बात नहीं की है। डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने जो ट्वीट किया है, उसमें उनके इन दो दावों के बारे में बात नहीं की।

डोगरों से एकजुट, प्रगतिशील और दूरदर्शी बने रहने की अपील

नई दिल्ली। डोगरा वेलफेयर एसोसिएशन, दिल्ली एनसीआर द्वारा राजेंद्र भवन में आयोजित वार्षिक मेल-मिलाप कार्यक्रम में डोगरी–पहाड़ी भाषा और संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और एकता का स्वर ज़ोरदार तरीके से गूंजा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर के सदर-ए-रियासत यह चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. कर्ण सिंह ने कहा कि डोगरा समाज को कांगड़ा और चंबा जैसे पड़ोसी पहाड़ी-भाषी क्षेत्रों के साथ मिलकर अपनी सांस्कृतिक एकता को मज़बूत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बहुभाषिक होना समय की ज़रूरत है, लेकिन मातृभाषा की अनदेखी नहीं की जा सकती। यदि नई पीढ़ी को डोगरी बोलने के लिए प्रेरित नहीं किया गया तो यह भाषा आने वाले समय में संकट में पड़ सकती है। डॉ.सिंह ने भाषा संरक्षण

में परिवारों, विशेष रूप से माताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए डोगरों से एकजुट, प्रगतिशील और दूरदर्शी बने रहने की अपील की। उन्होंने इस आयोजन के लिए सुदेश डोगरा और समस्त आयोजक टीम को बधाई भी दी। लोकप्रिय डोगरी-हिमाचली लोकगीत "माये निं मेरिये, जम्मूऐ दी राहे, चंबा कितनी क दूर" में कथित छेड़छाड़ के विरोध में प्रसिद्ध गायक धीरज शर्मा ने गीत को उसके मूल शब्दों में प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति में ज्योति गुप्ता सहित अन्य कलाकारों ने भी भाग लिया। एसोसिएशन ने इस मुद्दे पर जम्मू के प्रमुख साहित्यिक और सांस्कृतिक संगठनों की चुप्पी पर निराशा व्यक्त की, जबकि लोकगीतों की सांस्कृतिक चिंताओं की हिफाजत में आवाज़ उठाने वाले हिमाचली कलाकारों की सराहना की। वरिष्ठ पत्रकार और भाषा कार्यकर्ता रमन केसर ने कहा कि लोकगीतों के साथ छेड़छाड़ पश्चिमी पहाड़ी और डोगरी को अलग-अलग दिखाने का प्रयास है, जिसका एसोसिएशन रचनात्मक और सशक्त ढंग से विरोध करेगी। इस अवसर पर रोहित महाजन, क्लस्टर हेड, जम्मू एंड कश्मीर बैंक ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले कलाकारों को ट्राफियां भेंट कर के सम्मानित किया। कार्यक्रम के आयोजन में कैलाशपति शर्मा, सुदेश डोगरा, जगदीश शर्मा , कुलवीर सिंह , कर्नल सुनील शर्मा, नेहा शर्मा, सतपाल शर्मा और बोधराज ठाकुर, राज रैना जी का विशेष योगदान रहा। डोगरा वेलफेयर एसोसिएशन पिछले चार वर्षों से लोहड़ी के अवसर पर लगातार यह आयोजन कर रही है। एसोसिएशन ने स्वयं को राजनीति से दूर रखा हुआ है और समाजी-सांस्कृतिक कार्यों में लगी हुई है।

● इलाहाबाद हाईकोर्ट सख्त

यूपी में सभी सहायक शिक्षकों की नियुक्तियों की होगी जांच

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में शिक्षा विभाग के भीतर जड़ें जमा चुके भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़े पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। एक ऐतिहासिक फैसले में अदालत ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि पूरे उत्तर प्रदेश में सहायक अध्यापकों की नियुक्तियों की व्यापक जांच की जाए। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी हथियाने वाले शिक्षकों को न केवल बर्खास्त किया जाए, बल्कि उनसे अब तक ली गई सैलरी की वसूली भी की जाए।

न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकल पीठ ने प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को यह जिम्मेदारी सौंपी है। अदालत ने निर्देश दिया है कि पूरी जांच प्रक्रिया को छह महीने के भीतर पूरा किया जाए। हाईकोर्ट ने उन अधिकारियों को भी कड़ी चेतावनी दी है जिनकी मिलीभगत या लापरवाही की वजह से ऐसे फर्जी शिक्षक सिस्टम में बने रहे। अदालत ने आदेश दिया है कि जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त दंडात्मक और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। यह पूरा मामला गरिमा सिंह नाम की एक शिक्षिका की याचिका से शुरू हुआ।

महावितरण

ई - निविदा सूचना

अधीक्षक अभियंता, महावितरण, गणेशखिंड शहर मंडल, पुणे यांचे तर्फे मान्यताप्राप्त व नोंदणीकृत ठेकेदारांकडून कार्यक्षेत्रातील 22 केव्ही वीज उपकेंद्रांच्या बिघाड दुरुस्तीच्या **(Breakdown Maintenance)** कामासाठी एजन्सी नामिकाप्रविष्ठ **(Empanelment)** करण्यासाठी ई-निविदा मागवण्यात येत आहेत. **निविदा क्रमांक: 18/2025-2026** असून, सदर निविदा **दि. 11 फेब्रुवारी 2026 रोजी रात्री 23:55 वाजेपर्यंत** उपलब्ध असून **निविदा भरण्याची अंतिम तारीख 12 फेब्रुवारी 2026 रोजी सकाळी 11:00 वाजेपर्यंत आहे.** निविदेच्या अधिक माहितीसाठी **https://etender.mahadiscom.in** या संकेतस्थळाला भेट द्यावी.

अधीक्षक अभियंता, गणेशखिंड शहर मंडल, पुणे

PRO/PZ/216/2025-26

आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम)

सीआईएन/CIN : U15100MH1950G01008187,

वेबसाइट /Website : www.irel.co.in

ISO 9001: 2015, ISO 14001:2015

Unleashing Values | TECHNOLOGIES FOR NEW INDIA@75 | आज़ादी का अमृत महोत्सव

अभिरुचि की अभिव्यक्ति

संदर्भ /Ref: ADVT.NO.IREL/EOI/ILM/2025-26/01

आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड फरवरी-मार्च 2026 के दौरान इल्मेनाइट के विक्रय हेतु अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) (ईओआई सं.EOI-IREL-OR-ILM/2025-26) का आमंत्रण करता है। इच्छुक क्रेता ईओआई दस्तावेज को http://irel.co.in (समाचार खंड) से डाउनलोड कर सकते हैं, इसमें किसी भी सुधार की सूचना केवल उपरोक्त में बताई गई वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा।

हस्ता/-

वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन)

Senior Manager (Marketing)

CbC 48129/12/0004/2526

घर की रोजाना सफाई में पोछा लगाना बहुत जरूरी

घर को साफ और स्वच्छ रखने के लिए रोज पोछा लगाना बहुत जरूरी होता है। लेकिन केवल पोछा लगा देना ही काफी नहीं होता, बल्कि यह भी जानना जरूरी है कि पोछा लगाने के पानी में क्या डालें, जिससे फर्श अच्छी तरह साफ हो और उसमें चमक भी बनी रहे। सही चीज मिलाने से गंदगी जल्दी हटती है, बदबू नहीं आती और घर में साफ-सफाई का एहसास बना रहता है। कुछ लोग सिर्फ पानी का इस्तेमाल करते हैं, तो कुछ लोग साबुन, फ्लोर क्लीनर या घरेलू चीजें जैसे नींबू और सिरका मिलाते हैं। सही तरीके से और सही मात्रा में डाली गई चीजें फर्श को नुकसान पहुंचाए बिना उसे साफ और सुरक्षित रखती हैं। इसलिए पोछा लगाने से पहले यह जानकारी होना जरूरी है कि कौन-सी चीज फर्श के लिए सही है और कैसे इस्तेमाल करनी चाहिए।

पहले झाड़ू जरूर लगाएं

पोछा लगाने से पहले झाड़ू या वैक्यूम कर लें। इससे धूल-मिट्टी हट जाती है ।

पोछा साफ होना चाहिए

गंदे पोछे से फर्श और ज्यादा गंदा हो जाता है। पोछा लगाने से पहले उसे अच्छे से धो लें।

पानी बहुत ज्यादा न हो

बहुत गीले पोछे से फर्श चिपचिपा हो सकता है और फिसलने का डर रहता है।

साफ पानी का इस्तेमाल करें

एक ही गंदे पानी से पूरा घर पोछा न लगाएं। जरूरत पड़े तो बीच-बीच में पानी बदलें।

कोनों और फर्नीचर के नीचे ध्यान दें

दीवारों के पास, कोनों और बेड-सोफा के नीचे ज़्यादा गंदगी जमा होती है।

एक ही दिशा में पोछा लगाएं

इधर-उधर पोछा घुमाने की जगह एक दिशा में लगाएं, इससे सफाई बेहतर होती है।

सही क्लीनर का इस्तेमाल करें

फर्श के हिसाब से क्लीनर चुनें मार्बल, टाइल या वुडन फ्लोर के लिए अलग-अलग।

हवादार रखें

पोछा लगाने के बाद खिड़की-दरवाज़े खोल दें ताकि फर्श जल्दी सूख जाए।

अंत में पोछा धोकर सुखाएं

इस्तेमाल के बाद पोछे को धोकर धूप या हवा में सुखाना जरूरी है।

फिसलन से बचाव करें

पोछा लगाने के तुरंत बाद फर्श पर चलने से बचें, खासकर बच्चों और बुजुर्गों का ध्यान रखें।

घर में मनी प्लांट लगाने से पहले जान लें ये 4 जरूरी नियम

वास्तु शास्त्र का महत्व हमारे जीवन में काफी गहरा होता है। कहा जाता है अगर किसी भी कार्य को करने से पहले या फिर करने के दौरान इसमें बताये गए नियमों का सही से पालन किया जाए तो इसके परिणाम काफी ज्यादा शुभ होते हैं वहीं, अगर इसमें बताये गए नियमों को अनदेखा किया जाए तो जीवन में परेशानियां भी बढ़ सकती हैं। हमारे इसी वास्तु शास्त्र में घर पर मनी प्लांट को रखने को लेकर भी कुछ खास नियम बताये गए हैं। मान्यताएं हैं कि घर पर अगर मनी प्लांट को सही तरीके से लगाया है तो इससे जीवन में सुख-समृद्धि और पॉजिटिव एनर्जी बढ़ती है। लेकिन, अगर इसे गलत तरीके से रखा जाए तो इससे फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। आज इस आर्टिकल में हम आपको वास्तु शास्त्र में बताये गए कुछ ऐसे नियमों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनका ख्याल आपको घर पर मनी प्लांट लगाने से पहले जरूर रखना चाहिए।

1 सही दिशा में लगाएं मनी प्लांट

वास्तु शास्त्र की अगर मानें तो आपको घर पर मनी प्लांट हमेशा ही दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। इस दिशा को भगवान गणेश और शुक्र ग्रह से जुड़ा हुआ माना जाता है। जब आप इस दिशा में मनी प्लांट को रखते हैं तो जीवन में सुख और पैसे बढ़ने लगते हैं। इसके अलावा पॉजिटिव एनर्जी बढ़ती है और आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है। आपको इस बात का खास ख्याल रखना है कि आप उसे कभी भी उत्तर-पूर्व दिशा में न लगाएं। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको पैसों से जुड़ी दिक्कतों से जूझना पड़ सकता है।

2 जमीन पर फैलने न दें बेल

वास्तु के अनुसार अगर मनी प्लांट की बेल जमीन पर फैलने लगे तो ये काफी ज्यादा अशुभ होता है। अगर किसी घर में ऐसा हो तो उसकी तरक्की रुक जाती है और पैसों से जुड़ी दिक्कतों का होना भी शुरू हो जाता है। इस बात का ख्याल रखें कि मनी प्लांट की जो बेल है वह हमेशा ही ऊपर की तरफ बढ़े। आप अगर चाहें तो इसे दीवार या फिर एक स्टैंड की मदद से भी ऊपर की तरफ बढ़ने के लिए सहारा दे सकते हैं।

3 सूखे या पीले पत्तों को तुरंत हटाएं

वास्तु शास्त्र के अनुसार जब मनी प्लांट के पत्ते सूख जाते हैं या फिर उसके पत्ते पीले पड़ जाते हैं तो ये निगेटिव एनर्जी को अट्रैक्ट करने लगते हैं। अगर पत्ते सूख गए हैं या फिर पीले पड़ गए हैं तो आपको इसे तुरंत हटा देना चाहिए। आपको इस बात का भी ख्याल रखना चाहिए कि आप इस पौधे की सही देखभाल जरूर करें। एक हेल्दी मनी प्लांट घर में खुशहाली और तरक्की लेकर आता है।

4 घर के अंदर पौधा लगाना होता शुभ

वास्तु शास्त्र के अनुसार आपको मनी प्लांट को हमेशा ही घर के अंदर लगाना चाहिए। ऐसा करना ही सबसे ज्यादा शुभ होता है। आप इसे या तो लिविंग रूम या फिर बालकनी में भी लगा सकते हैं। जब पौधे को घर की इन जगहों पर लगाते हैं तो परिवार में सुख-शांति बढ़ती है और साथ आर्थिक उन्नति के रास्ते खुल जाते हैं।

फेस की स्किन को ग्लोइंग और हेल्दी बनाने के उपाय

फेस की स्किन को ग्लोइंग और हेल्दी बनाए रखने के लिए उबटन और फेसपैक हमेशा से इस्तेमाल किए जाते रहे हैं। घर में बनी हल्दी, चंदन, मुल्तानी मिट्टी और दही की फेसपैक हो या मार्केट में मिलने वाली फेसपैक, ये स्किन को तमाम तरह के बेनिफिट्स देती हैं। डेड स्किन रिमूव करना, स्किन को इंस्टेंट ग्लो देना, टैनिंग रिमूव करना हो या डार्क स्पॉट्स और पिगमेंटेशन को रिमूव करना, फेस पैक इन सभी में हेल्प करती हैं। हालांकि कई बार फेसपैक और उबटन इस्तेमाल करते हुए हम कई गलतियां कर बैठते हैं, जिस वजह से स्किन को पूरा फायदा नहीं मिल पाता। न्यूट्रीशनिस्ट ने ऐसी ही 3 गलतियों के बारे में बताया है, जो आपको फेस पैक या उबटन लगाते हुए बिल्कुल भी नहीं करनी हैं।

अगर आपको लगता है कि फेसपैक ज्यादा लगा लेंगी और बहुत देर तक लगी रहने देंगी, तो स्किन ज्यादा ग्लो करेगी, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। न्यूट्रीशनिस्ट कहती हैं कि ज्यादा देर तक फेसपैक को लगे रहने देना एक बड़ी गलती है। आपको 15-20 मिनट के लिए फेसपैक नहीं लगानी है, बस 5-10 मिनट के लिए ही लगा हुआ रहने दें। फेसपैक से जुड़ी दूसरी गलती जो ज्यादातर लोग करते हैं, वो है अपने स्किन टाइप के मुताबिक फेसपैक इस्तेमाल ना करना। हर स्किन के लिए फेसपैक अलग होती है। अगर आपकी पित्त टाइप स्किन है तो कूलिंग फेसपैक लगाएं, वात टाइप स्किन के लिए नरिशिंग फेसपैक अच्छी रहती है। वहीं कफ टाइप स्किन के लिए लाइट और ड्राइंग फेसपैक चुननी चाहिए। अगर आप गलत फेसपैक अप्लाई करती हैं तो इरीटेशन और ब्रेकआउट हो सकते हैं। ग्लोइंग स्किन के चक्कर में फेसपैक को ओवरयूज करना सही नहीं है। अगर आप रोज-रोज फेसपैक लगा रही हैं, तो स्किन बैरियर कमजोर हो सकता है। न्यूट्रीशनिस्ट सलाह देती हैं कि हफ्ते में सिर्फ दो बार ही फेसपैक इस्तेमाल करनी चाहिए। ग्लोइंग और हेल्दी स्किन के लिए इतना काफी होता है।

फ्रिज से जुड़े हैक जो आसान कर देंगे आपके कई काम

क्या आप जानती हैं कि फ्रिज के और भी कई इस्तेमाल हैं, जो आपके कई काम आसान बना सकते हैं? आज हम आपके साथ इसी से जुड़े स्मार्ट हैक शेयर कर रहे हैं।

फ्रिज से जुड़े कमाल के हैक

फ्रिज आजकल लगभग हर घर की जरूरत बन चुका है। खाने की स्टोरेज से ले कर आइसक्रीम या बर्फ जमाने तक, फ्रिज डेली के कई काम निपटा देता है। वैसे क्या आप जानती हैं कि फ्रिज के और भी कई इस्तेमाल हैं, जो आपके कई काम आसान बना सकते हैं? आज हम आपके साथ इसी से जुड़े स्मार्ट हैक शेयर कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर ज्योति प्रकाश देहलीवाल ने इन्हें साझा किया है। तो चलिए फटाफट जान लेते हैं।

ज्यादा देर तक जलेगी मोमबत्ती

इमरजेंसी के लिए मोमबत्ती हर घर में होती है। सबसे बढ़िया रहेगा कि आप अपनी मोमबत्ती को फ्रीजर में स्टोर कर के रख लें। इसके बाद आप जब भी मोमबत्ती जलाएंगी वो ज्यादा देर तक जलेगी।

फटाफट जमेगी बर्फ

फटाफट बर्फ जमानी है तो सबसे पहले पानी को हल्का गुनगुना कर लें। अब इसे आइस ट्रे में डालकर जमने के लिए छोड़ दें। बर्फ फटाफट जम जाएगी।

फ्रिज में नहीं आएगी बदबू

कई बार फ्रिज में बदबू आने लगती है। इसके लिए एक कटोरी में थोड़ा सा बेकिंग पाउडर और नींबू का रस मिक्स कर के रख दें। फ्रिज एकदम फ्रेश स्मेल करेगा।

कुकर की रबड़ टाइट करें

कुकर में लगाने वाली रबड़ कई बार ढीली हो जाती है। इसे दोबारा टाइट करने के लिए लगभग एक घंटा फ्रीजर में रख दें। अब जब आप इसे कुकर में लगाएंगी तो ये आराम से लग जाएगी।

फ्रिज की रबर को ऐसे करें क्लीन

फ्रिज के डोर पर लगी रबर इस्तेमाल के साथ काफी गंदी हो जाती है। इसके गैप में गंदगी इकट्ठा हो जाती है, जिसे निकलना काफी मुश्किल होता है। इसके लिए डिशवॉश जेल और बेकिंग सोडा मिक्स करें। अब एक कपड़े को इसमें भिगोएं और एक कार्ड में लपेट लें। कार्ड की मदद से आप रबर के किनारों को अच्छे से क्लीन कर पाएंगी।

फ्रिज में रखें कोयला

फ्रिज में एक कटोरी रखें जिसमें दो-तीन कोयले जरूर रखें। इससे फ्रिज में बनने वाली कार्बन डाइऑक्साइड और खतरनाक गैस एब्जॉर्ब हो जाती हैं।

फ्रिज का टेंपरेचर चेंज करती रहें

फ्रिज और फ्रीजर का टेंपरेचर मौसम के साथ चेंज करना जरूरी है। इसके लिए फ्रिज के साथ आए मैनुअल इंस्ट्रक्शन को फॉलो करें और उसी हिसाब से टेंपरेचर की सेटिंग करें।

खतरनाक आदत रात को देर तक जागना

संदीदा टीवी शो या एक दिलचस्प किताब को पढ़ने के लिए क्या आप रोजाना देर रात तक जागते हैं? यह बात जानकर आपको हैरानी होगी कि यह आदत आपके दिल के स्वास्थ्य को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचा रहा है। एक बड़े अध्ययन में पाया गया है कि जो लोग रात में अधिक सक्रिय होते हैं, उनकी हृदय स्वास्थ्य सामान्य जनसंख्या की तुलना में खराब होता है।

इस अध्ययन के प्रमुख शोधकर्ता ने कहा, 'यह नहीं है कि देर रात तक जागने वाले बर्बाद हो गए हैं। चुनौती आपके आंतरिक घड़ी और दैनिक कार्यक्रमों के बीच असंगति की है, जो हृदय-स्वस्थ व्यवहारों का पालन करने को कठिन बनाती है।

'आपके शरीर की आंतरिक घड़ी और आपका दिल:

प्रमुख शोधकर्ता के अनुसार, हृदय रोग दुनिया भर में मृत्यु का प्रमुख कारण है, और पर्याप्त नींद ना लेना हृदय के दौरे और स्ट्रोक जैसी समस्याओं के लिए एक बड़ा कारक है। आपका शरीर एक सर्केडियन रिदम पर चलता है-एक 24 घंटे की आंतरिक घड़ी जो नींद, हार्मोन का उत्सर्जन, रक्तचाप और हृदय गति को नियंत्रित करती है। जब आप देर रात तक कृत्रिम रोशनी में जागते हैं, तो यह प्रणाली भ्रमित हो जाती है।

रात में, सामान्यत:

आपका रक्तचाप और हृदय गति कम हो जाती है, जिससे आपके दिल को आराम करने का मौका मिलता है। लेकिन देर रात तक जागने और अनियमित नींद के कारण यह समय कम हो जाता है, जिससे दिल को लंबे समय तक अधिक मेहनत करनी पड़ती है।

अध्ययन कैसे किया गया:

इस अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक में 300,000 से अधिक मध्य आयु और वृद्ध वयस्कों का अनुसरण किया। लगभग 8 प्रतिशत लोगों ने अपने आप को देर रात तक जागने वाले व्यक्ति के रूप में वर्गीकृत किया, जो शाम के समय अधिक सक्रिय होते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि रात के उल्लूओं में सामान्य जनसंख्या की तुलना में पहले हृदय के दौरे या स्ट्रोक का जोखिम 16 प्रतिशत अधिक था।

मुख्य कारण क्या हैं:

शोधकर्ताओं के अनुसार, तीन मुख्य अस्वस्थ व्यवहार हैं: धूम्रपान, अपर्याप्त और अनियमित नींद और खराब आहार।

रात को देर तक जागने वालों का मेटाबोलिज्म दिन के दौरान बदलता रहता है, जिससे उन्हें सुबह जल्दी खाई गई उच्च-कैलोरी नाश्ते को संभालना कठिन हो जाता है। इसके अलावा, देर रात बाहर जाने पर स्वस्थ भोजन विकल्प खोजना भी मुश्किल हो जाता है।

दिल की देखभाल कैसे कर सकते हैं: हालांकि तुरंत सुबह का पक्षधर बनना संभव नहीं है, लेकिन रात को जागने वाले अपनी हृदय स्वास्थ्य को सुधारने के लिए कुछ छोटे और व्यावहारिक बदलाव कर सकते हैं:

हर दिन एक ही समय पर सोना और जागना

बिस्तर पर जाने से कम से कम एक घंटे पहले स्क्रीन के संपर्क को कम करना। रात में भारी भोजन, शराब और कैफीन से बचना। सुबह की रोशनी और नियमित शारीरिक गतिविधि को प्राथमिकता देना।

आलू के पराठे

आलू का पराठा सिर्फ एक डिश नहीं, बल्कि इमोशन है। बच्चे हों या बड़े, गरमा-गरम आलू का पराठा और साथ में चाय, भला किसे पसंद नहीं होगा ये जबरदस्त कॉम्बिनेशन। खैर, नॉर्मल आलू का पराठा तो हर घर में बनता है। वही बेसिक मसाले और आलू वाली स्टफिंग। लेकिन आलू के पराठे को और टेस्टी ट्विस्ट देना है तो ये वाली रेसिपी जरूर ट्राई करें। आलू की स्टफिंग के साथ-साथ आपको बस ये एक मसाला बनाकर भरना है, पराठे का स्वाद दोगुना हो जाएगा। जिन लोगों को चटपटा और स्पाइसी खाना पसंद है, उनके लिए तो ये वाली रेसिपी ट्राई करना बनता है। शेफ रोशन मिश्रा ने अपने इंस्टाग्राम पर इस रेसिपी को शेयर किया है, आइए जानते हैं।

ढाबा स्टाइल आलू का पराठा बनाने के लिए सामग्री

एकदम चटपटा, स्पाइसी ढाबा स्टाइल आलू पराठा बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत पड़ेगी वो हैं - गेहूं का आटा, अजवाइन, नमक, उबले हुए आलू (3-4), 1 प्याज, हरी मिर्च (2-4), हरा धनिया, गरम मसाला (1/4 चम्मच), चाट मसाला (1/4 चम्मच), नमक (स्वादानुसार), लहसुन की कलियां (10-12), सूखा नारियल (2 इंच), लाल मिर्च पाउडर (आधा चम्मच), काला नमक।

अनोखे अंदाज में बनाएं आलू का पराठा

आलू का पराठा बनाने के लिए सबसे पहले डो तैयार करें। गेहूं के आटे में हल्का सा अजवाइन क्रश कर के डालें, थोड़ा सा नमक मिलाएं और सख्त सा आटा लगाकर तैयार कर लें। आटे को रेस्ट करने दें, तब तक स्टफिंग तैयार कर लें। इसके लिए एक बाउल में बारीक कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च और हरा धनिया लें। साथ में उबले हुए आलू कद्दूकस कर लें। ऊपर से गरम मसाला, चाट मसाला और स्वादानुसार नमक मिलाएं और सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करते हुए एक स्टफिंग तैयार कर लें।

आलू के पराठे में मिलाएं ये चटपटा मसाला

स्टफिंग बनाने के बाद चटपटा सा मसाला बनाकर तैयार कर लें। इसके लिए मिक्सर जार में लहसुन की कलियां, सूखे नारियल के टुकड़े, लाल मिर्च पाउडर और काला नमक डालें और सभी को पीसकर एक मसाला तैयार कर लें।

स्टफिंग के साथ भरें ये मसाला

सबसे पहले आटे की लोई को हल्के हाथों से दबाते हुए फ्लैट कर लें। अब आपने जो चटपटा मसाला बनाकर तैयार किया है, उसे पराठे में भरें। फिर आलू की तैयार स्टफिंग पराठे में डालें। पराठा बेल लें और सुनहरा होने तक दोनों तरफ से सेंक लें। बहुत ही चटपटा और टेस्टी आलू का पराठा बनकर तैयार होता है।

मेथी के लड्डू खाने के जादुई फायदे

सर्दियों में लोग अकसर शरीर को ठंड से बचाने और इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखने के लिए कई तरह के लड्डू बनाकर खाते हैं। तिल-गुड़, आटे-गोंद, मेथी और अलसी जैसे हर लड्डू की अपनी एक अलग विशेषता और गुण है। यही वजह है कि आयुर्वेद में इन लड्डुओं को 'सुपरफूड' कहा जाता है। बात अगर मेथी के लड्डू की करें तो आमतौर बच्चे इसके कड़वे स्वाद की वजह से इसे देखकर अक्सर मुंह बनते हैं। लेकिन जब यही कड़वी मेथी गुड़, सोंठ और ढेर सारे सूखे मेवों के साथ मिलकर लड्डू का रूप लेती है, तो वह एक बेमिसाल स्वादिष्ट औषधि बन जाती है।

आयुर्वेद के अनुसार इसका सेवन विशेष रूप से जोड़ों के दर्द, कमजोरी और महिलाओं की सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। आइए जानते हैं मेथी के लड्डू खाने से सेहत को मिलते हैं क्या गजब के फायदे।

जोड़ों के दर्द :- मेथी की तासीर गर्म होने के साथ इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी मौजूद होते हैं, जो घुटनों और जोड़ों के दर्द में राहत देते हैं। दरअसल, सर्दियों में वात दोष बढ़ने से जोड़ों में दर्द, जकड़न या आर्थराइटिस की समस्या होने लगती है। सर्दियों में जोड़ों में होने वाली जकड़न के लिए यह बेहतरीन घरेलू उपाय हो सकता है।

पाचन तंत्र होता है दुरुस्त :-मेथी में फाइबर की प्रचुर मात्रा मौजूद होती है, जो कब्ज, गैस और अपच की समस्या को दूर करके पेट साफ और पाचन क्रिया को बेहतर बनाए रखने में मदद करती है।

ब्लड शुगर होता है कंट्रोल :- मेथी ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद करती है। मेथी में पाया जाने वाला गैलेक्टोमैनन, जो एक घुलनशील फाइबर है, आंतों में कार्बोहाइड्रेट और शुगर के अवशोषण को धीमा करता है, जिससे भोजन के बाद रक्त शर्करा में अचानक वृद्धि नहीं होती और ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित करने में मदद मिलती है। डायबिटीज के मरीजों के लिए बिना चीनी वाले लड्डू फायदेमंद हो सकता हैं।

अजेय भारत की नजर छठे खिताब पर

आज अफगानिस्तान से टक्कर

टीमें

भारत U-19: एरॉन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हर्वंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद इनान, उधव मोहन, किशन सिंह
अफगानिस्तान U-19: महबूब खान (कप्तान), अजीजुल्लाह मियाखिल, फैसल शिनोजादा, खालिद अहमदजई, उस्मान सादात, उजैरुल्लाह नियाजई, अब्दुल अजीज, अकील खान, खतिर स्तानिकजई, नजीफुल्लाह अमीरी, नूरिस्तानी ओमरजई, रूउल्लाह अरब, सलाम खान, वहीदुल्लाह जदरान, जैतुल्लाह शाहीन.

हरारे। ICC अंडर-19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में अजेय भारतीय टीम आज अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी। टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाली भारत की टीम इस मुकाबले में प्रबल दावेदार मानी जा रही है और उसकी नजरें रिकॉर्ड छठा खिताब जीतने की दिशा में एक और कदम बढ़ाने पर होंगी।भारत U-19 वर्ल्ड कप के इतिहास की सबसे सफल टीम है, जिसने 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में खिताब जीता है। अब टीम बुधवार को छठी बार चैंपियन बनने की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी।भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अब तक खेले गए अपने सभी पांच मुकाबले काफी सहजता से जीते हैं। सुपर सिक्स चरण में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 58 रन से हराना टीम के आत्मविश्वास को और मजबूत करता है। अफगानिस्तान ने भी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम ने पांच में से चार मैच जीते, जबकि उसकी इकलौती हार श्रीलंका के खिलाफ चार विकेट से हुई। हालांकि मौजूदा फॉर्म और टीम संयोजन को देखते हुए नॉकआउट मुकाबले में भारत का पलड़ा भारी नजर आता है। विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू भारत के लिए अब तक सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 5 मैचों में 199 रन बनाए हैं, जिसमें 2 अर्धशतक शामिल हैं। ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने भी शानदार फॉर्म दिखाई है। उन्होंने 5 मैचों में 196 रन बनाए हैं और 2 अर्धशतक जड़े हैं। हालांकि टीम प्रबंधन उनसे नॉकआउट मुकाबले में अर्धशतक को शतक में बदलने की उम्मीद करेगा। ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा भारत के लिए एक और अहम खिलाड़ी हैं। उन्होंने 5 मैचों में 172 रन बनाए हैं और टूर्नामेंट में भारत की ओर से एकमात्र शतक (109 नाबाद) जिम्बाब्वे के खिलाफ जड़ा था। कप्तान आयुष म्हात्रे ने गेंदबाजी में निरंतरता दिखाई है। उन्होंने 5 मैचों में 6 विकेट लिए हैं, हालांकि बल्लेबाजी में सुधार की गुंजाइश बनी हुई है। अब तक उनके नाम 99 रन हैं, जिसमें 53 रन उनका सर्वोच्च स्कोर रहा है। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की कमान दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश के हाथों में है। यह सेमीफाइनल मुकाबला बुधवार को दोपहर 1:00 बजे (IST) शुरू होगा।

पद्म श्री मिलने पर भावुक हुए रोहित

बोले– देश को मैच जिताने की कोशिश हमेशा जारी रहेगी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म श्री से नवाज़ा गया है। इस सम्मान को लेकर रोहित ने खुशी जताते हुए इसे अपने और अपने परिवार के लिए बेहद खास पल बताया और कहा कि भारत के लिए मैच और ट्रॉफी जीतने की उनकी कोशिश कभी नहीं रुकेगी। पद्म श्री मिलने के बाद रोहित शर्मा ने भारत सरकार और अपने पूरे क्रिकेट सफर में साथ देने वाले लोगों का धन्यवाद किया। दूरदर्शन स्पोर्ट्स द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किए गए वीडियो संदेश में रोहित ने कहा- 'पद्म श्री प्राप्त करना मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत ही खास पल है। मैं भारत सरकार का इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त करता हूं। अपने करियर में मेरा साथ देने वाले सभी लोगों का भी धन्यवाद। देश के लिए मैच और ट्रॉफी जीतने की मेरी कोशिश हमेशा जारी रहेगी। धन्यवाद। जय हिंद।' रोहित शर्मा ने वर्ष 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। बीते करीब 19 वर्षों में उन्होंने बल्लेबाज और कप्तान दोनों रूपों में भारतीय क्रिकेट पर गहरी छाप छोड़ी है। सभी प्रारूपों में उनकी निरंतरता और नेतृत्व क्षमता की दुनियाभर में सराहना हुई है। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने वैश्विक मंच पर बड़ी सफलता हासिल की। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब जीता और लंबे समय बाद ICC ट्रॉफी का सूखा खत्म किया। इसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतकर रोहित ने खुद को एक सफल कप्तान के रूप में स्थापित किया। कप्तानी के अलावा रोहित शर्मा का बल्लेबाजी रिकॉर्ड भी शानदार रहा है— टेस्ट क्रिकेट: 67 मैच, 4300+ रन, 12 शतक; वनडे क्रिकेट: 282 मैच, 11,500+ रन, 33 शतक; टी20 इंटरनेशनल: 4231+ रन, 5 शतक, रोहित टी20 क्रिकेट के सबसे सफल बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। रोहित शर्मा टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन वह अभी भी वनडे क्रिकेट में सक्रिय हैं। उनका लक्ष्य 2027 वनडे वर्ल्ड कप खेलने का है और वह लगातार टीम के लिए रन बना रहे हैं।

ICC को नहीं मिली PCB की कोई चिट्ठी

इन कारणों से पाकिस्तान क्रिकेट ले सकता है यू-टर्न

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के खिलाफ ग्रुप स्टेज मुकाबले के बायकॉट को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) और पाकिस्तान सरकार पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान ने अपने 'भारत बायकॉट' फैसले के समर्थन में कई अन्य क्रिकेट बोर्डों से संपर्क किया, लेकिन उसे कहीं से भी समर्थन नहीं मिला। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग-थलग पड़े पाकिस्तान के लिए अब इस फैसले से पीछे हटने के अलावा कोई ठोस विकल्प नजर नहीं आ रहा है। पाकिस्तान ने ऐलान किया था कि वह T-20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेगा, लेकिन 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाला मुकाबला नहीं खेलेगा। हालांकि, ICC ने साफ किया है कि उसे अब तक PCB की ओर से इस फैसले पर कोई आधिकारिक पत्र नहीं मिला है। ICC ने पाकिस्तान से अपने फैसले पर दोबारा विचार करने को कहा है और चेताया है कि इसका देश के क्रिकेट पर दूरगामी असर पड़ सकता है।अगर पाकिस्तान अपने फैसले पर अड़ा रहता है तो उसे भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। अनुमान है कि ICC टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान मुकाबला अकेले 2000 करोड़ रुपये (करीब 250 मिलियन डॉलर) से ज्यादा की कमाई करता है। ऐसे में बायकॉट की स्थिति में पाकिस्तान को करोड़ों रुपये का नुकसान हो सकता है और ICC की ओर से आर्थिक प्रतिबंध या टूर्नामेंट से निलंबन जैसी सख्त कार्रवाई भी संभव है। पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर डेनिश कनेरिया ने बायकॉट के फैसले को गैर-तार्किक बताते हुए कहा कि इससे दुनिया में यह संदेश जाएगा कि पाकिस्तान भारत से खेलने से डर रहा है। कनेरिया ने कहा कि पाकिस्तान को दूसरों के मुद्दों में उलझने के बजाय अपने क्रिकेट पर ध्यान देना चाहिए। पूर्व विकेटकीपर कमरान अकमल ने पाकिस्तान सरकार के फैसले का समर्थन करते हुए ICC से पाकिस्तान की संप्रभुता का सम्मान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जब भारत ने हाइब्रिड मॉडल में खेलने का फैसला किया था, तब पाकिस्तान ने उसका सम्मान किया था, इसलिए अब ICC को भी PCB के फैसले को समझना चाहिए।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की बढ़ीं मुश्किलें

नई दिल्ली/ढाका। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के बायकॉट के चलते पहले ही आलोचनाओं का सामना कर रहे बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) की मुश्किलें अब और बढ़ गई हैं। महिला क्रिकेटर्स से जुड़े यौन उत्पीड़न मामलों में कथित लापरवाही को लेकर बांग्लादेश हाईकोर्ट ने BCB को जमकर फटकार लगाई है। कोर्ट ने न सिर्फ बोर्ड की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए, बल्कि तत्काल प्रभाव से एंटी-सेक्सुअल हैरेसमेंट पॉलिसी लागू करने का भी आदेश दिया है। खिलाड़ियों की सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए बांग्लादेश ने भारत में होने वाले मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया था। इसके बाद ICC ने कड़ा रुख अपनाते हुए बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इसी बीच अब महिला क्रिकेटर्स की सुरक्षा से जुड़ा मामला सामने आने से BCB एक और बड़े विवाद में घिर गया है। द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार (2 फरवरी) को पूर्व नेशनल शूटर सबरीना सुल्ताना की याचिका पर सुनवाई के दौरान बांग्लादेश हाईकोर्ट ने BCB से पूछा कि उसे "गैर-कानूनी, अधिकारहीन और जनहित के खिलाफ संस्था" क्यों न घोषित कर दिया जाए। कोर्ट ने विशेष रूप से पूर्व महिला कप्तान जहानारा आलम के मामले में लापरवाही को लेकर बोर्ड से अब तक की गई कार्रवाई और आगे की योजना पर जवाब मांगा।हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि जब तक इस पूरे मामले पर अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक कोर्ट की गाइडलाइंस के अनुसार BCB को तुरंत एंटी-सेक्सुअल हैरेसमेंट पॉलिसी लागू करनी होगी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि खिलाड़ियों की सुरक्षा से कोई समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हाईकोर्ट ने यौन उत्पीड़न मामले में लगाई लताड़

अल्काराज का बड़ा फैसला

रॉटरडैम ओपन से हटे

नई दिल्ली। नए ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने फरवरी में होने वाले एबीएन एमरो रॉटरडैम ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट आयोजकों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि कर दी है। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी अल्काराज पिछले सीजन में इस एटीपी 500 इनडोर हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट के चैंपियन रहे थे। हालांकि, एटीपी वेबसाइट के मुताबिक 9 से 16 फरवरी तक होने वाले इस टूर्नामेंट में वह अपने खिताब की रक्षा नहीं करेंगे। 22 वर्षीय अल्काराज ने यह फैसला उस ऐतिहासिक उपलब्धि के ठीक एक दिन बाद लिया, जब उन्होंने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बनाया। रविवार को खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में उन्होंने नोवाक जोकोविच को चार सेट में हराकर मेलबर्न में अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता था। सोमवार को अल्काराज ने मेलबर्न के रॉयल एग्ज़िबिशन बिल्डिंग में आयोजित एक सेलिब्रेशन फोटोशूट में भी हिस्सा लिया, जहां ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत का जश्न मनाया गया। हालांकि अल्काराज की गैरमौजूदगी के बावजूद रॉटरडैम ओपन का मैदान सितारों से सजा रहेगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया के नंबर-2 अलेक्जेंडर ज्वेरेव, फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे और एलेक्स डी मिनौर जैसे शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। वर्तमान में एटीपी रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी अल्काराज अपने करियर में अब तक 15 बड़े खिताब जीत चुके हैं। इनमें ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियां, निट्टो एटीपी फाइनल्स, एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट्स और एक ओलंपिक सिंगल्स गोल्ड मेडल भी शामिल है।

हार के बावजूद एरीना सबालेंका टॉप पर कायम

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के बाद जारी हुई नई टेनिस रैंकिंग में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। पुरुष और महिला- दोनों वर्गों में फाइनल हार के बावजूद कुछ दिग्गज खिलाड़ियों ने अपनी मजबूत स्थिति बरकरार रखी है, जबकि कुछ सितारों ने लंबी छलांग लगाई है। ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में कार्लोस अल्काराज़ से हारने के बावजूद 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच को रैंकिंग में फायदा मिला है। जोकोविच एक पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। 38 वर्षीय सर्बियाई दिग्गज अगस्त 2024 के बाद पहली बार टॉप-3 में लौटे हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलियन ओपन के विजेता कार्लोस अल्काराज़ ने शानदार प्रदर्शन के दम पर एटीपी नंबर-1 रैंकिंग बरकरार रखी है। दूसरे नंबर पर मौजूद यानिक सिनर को पीछे छोड़ते हुए अल्काराज़ शीर्ष पर कायम हैं। गौर है कि जोकोविच ने टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में सिनर को हराया था। महिला वर्ग में एरीना सबालेंका को ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में एलेना रयबाकिना से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद वह WTA नंबर-1 रैंकिंग पर बनी हुई हैं। रयबाकिना दो स्थान की छलांग लगाते हुए तीसरे नंबर पर पहुंच गई हैं, जबकि इगा स्वियातेक दूसरे स्थान पर बरकरार हैं।WTA रैंकिंग में चौथे से छठे स्थान तक अमेरिकी खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला है।

भारत को मिली बड़ी जिम्मेदारी

2027 एशियन शूटिंग चैंपियनशिप की करेगा मेजबानी

नई दिल्ली। भारत को शूटिंग खेल में एक और बड़ी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी मिली है। एशियन शूटिंग कॉन्फेडरेशन (ASC) ने घोषणा की है कि भारत 2027 एशियन राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा, जिसमें लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 के लिए 8 कोटा स्थान दांव पर होंगे। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 1 से 10 दिसंबर 2027 तक डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (NRAI) द्वारा किया जाएगा। एशियन शूटिंग कॉन्फेडरेशन ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इस चैंपियनशिप का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि इसमें एशिया महाद्वीप के लिए 8 ओलंपिक कोटा स्थान आवंटित किए जाएंगे। ये कोटा आमतौर पर राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों (NOC) को दिए जाते हैं, जबकि ओलंपिक रैंकिंग या यूनिवर्सैलिटी कोटा खिलाड़ियों के नाम पर आवंटित होते हैं। भारत ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए शूटिंग में अधिकतम संभव 16 कोटा (8 राइफल, 8 पिस्टल) हासिल किए थे। इतना ही नहीं, भारत ने रिकॉर्ड 21 शूटरों को ओलंपिक भेजा था, जो टोक्यो 2020 में भेजे गए 15 खिलाड़ियों से कहीं ज्यादा था। पेरिस ओलंपिक में भारतीय निशानेबाजों ने तीन कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। भारत इस समय भी घरेलू धरती पर शानदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा है, क्योंकि 2 से 14 फरवरी तक नई दिल्ली में एशियन शूटिंग चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल) आयोजित की जा रही है। इस चैंपियनशिप में भारत ने 118 खिलाड़ियों का सबसे बड़ा दल उतारा है, जो कुल 311 खिलाड़ियों का एक-तिहाई से भी ज्यादा है। कजाकिस्तान 35 खिलाड़ियों के साथ दूसरा सबसे बड़ा दल लेकर आया है, जबकि ईरान के 28 निशानेबाज हिस्सा ले रहे हैं।

एशियाई ताकतों की मजबूत मौजूदगी

कोरिया, ईरान और जापान जैसी एशियाई शक्तियों ने भी मजबूत टीमें भेजी हैं। इसके अलावा चीनी ताइपे, वियतनाम और हांगकांग के शूटरों से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

20 देशों के 564 स्टार्ट्स

इस चैंपियनशिप में 20 देशों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जहां कुल 564 स्टार्ट्स होंगे। सभी मुकाबले डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में खेले जाएंगे।

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले भारत को राहत

वॉशिंगटन सुंदर की फिटनेस में सुधार

नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर की फिटनेस को लेकर टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले बड़ी खबर सामने आई है। जनवरी की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के दौरान पसली में चोट लगने के बाद से सुंदर मैदान से बाहर हैं, लेकिन अब उनकी रिकवरी तेजी से आगे बढ़ रही है। 26 वर्षीय सुंदर टी-20 वर्ल्ड कप से पहले फिट होने की दौड़ में हैं और भारतीय टीम मैनेजमेंट को उनसे काफी उम्मीदें हैं। वह टूर्नामेंट के लिए घोषित भारतीय स्क्वॉड का हिस्सा हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, वॉशिंगटन सुंदर ने अब तक बिना किसी परेशानी के चार बल्लेबाजी सत्र पूरे कर लिए हैं। इसके अलावा उन्होंने 2 फरवरी को चार ओवर गेंदबाजी भी की। 4 फरवरी को उनका एक और बॉलिंग सेशन तय है, जिसके जरिए यह परखा जाएगा कि वह मैच के दबाव को झेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं या नहीं। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी सुंदर की फिटनेस को लेकर उम्मीद जताई है। न्यूजीलैंड

के खिलाफ पांचवें टी-20 मैच के बाद उन्होंने कहा, 'वॉशी काफी अच्छा कर रहे हैं। उन्होंने बल्लेबाजी और गेंदबाजी लगभग शुरू कर दी है और रिकवरी के संकेत सकारात्मक हैं। उम्मीद है कि वह जल्द ही मैदान पर लौटेंगे।' वॉशिंगटन सुंदर भारत की टी-20 टीम का अहम हिस्सा बन चुके हैं। मैचः 58, रनः 254, विकेटः 51, उनका अनुभव और ऑलराउंड क्षमता टी-20 वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में भारत के लिए बेहद अहम साबित हो सकती है। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत को ग्रुप A में रखा गया है, जहां उसका सामना नामीबिया, नीदरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका से होगा। भारतीय टीम 7 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी।

भारत की टी-20 वर्ल्ड कप 2026 टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रिंकू सिंह।

पाक विकेटकीपर ने की 'चीटिंग'?

नई दिल्ली। T-20 वर्ल्ड कप 2026 से ठीक पहले पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए तीसरे टी-20 मैच की एक वायरल स्टंपिंग ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। सोशल मीडिया पर सामने आए स्लो-मोशन वीडियो में दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तानी विकेटकीपर ख्वाजा नफे ने ICC के नियमों का उल्लंघन किया, फिर भी बल्लेबाज़ को आउट दे दिया गया। लाहौर में खेले गए तीसरे टी-20 में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज़ कूपर कॉनॉली को मोहम्मद नवाज़ की गेंद पर स्टंप आउट दिया गया। मैदान पर अंपायरों ने तुरंत उंगली उठा दी, लेकिन बाद में आए रिप्ले ने कहानी बदल दी। स्लो-मोशन फुटेज में साफ दिखता है कि विकेटकीपर ने दाएं हाथ में गेंद पकड़ी हुई थी, लेकिन बाएं हाथ से बेल्स गिराईं, यहीं से विवाद शुरू हुआ, क्योंकि ICC के नियम इसके उलट कुछ और कहते हैं। ICC मेन्स T-20 प्लेइंग कंडीशंस के क्लॉज 29.2.1 के अनुसार विकेट तभी सही तरीके से टूटता है, जब जिस हाथ से बेल्स गिराई जाएं, उसी हाथ में गेंद हो। इस मामले में गेंद उस हाथ में नहीं थी जिससे विकेट तोड़ा गया। नियम के मुताबिक, यह फेयर स्टंपिंग नहीं मानी जाती और बल्लेबाज़ को नॉट आउट दिया जाना चाहिए था। ऑस्ट्रेलिया पहले से ही संघर्ष कर रहा था (82/6) इस फैसले के बाद स्कोर हुआ 82/7,पूरी टीम 96 रन पर ऑलआउट,यह ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी T-20 हारों में से एक रही, हालांकि पाकिस्तान की जीत पर यह विवाद भारी पड़ गया।

शादी से पहले जेनेलिया करती थीं रितेश को नजरअंदाज

रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा की पहली मुलाकात हैदराबाद एयरपोर्ट पर हुई थी। उस समय रितेश के पिता विलासराव देशमुख महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे। जेनेलिया को लगता था कि मुख्यमंत्री का बेटा होने की वजह से रितेश बिगड़ैल और नखरीले होंगे। इसी गलतफहमी के चलते जेनेलिया ने पहली ही मुलाकात में रितेश को पूरी तरह इग्नोर किया और उनके सामने एटीट्यूड भी दिखाया। इस दिलचस्प किस्से का खुलासा खुद रितेश देशमुख ने एक इंटरव्यू में किया था। फिल्म 'तुझे मेरी कसम' के सेट पर जब दोनों की दोबारा मुलाकात हुई तो धीरे-धीरे उनके बीच दोस्ती हो गई। हैदराबाद में शूटिंग खत्म होने के बाद जब रितेश मुंबई लौटे,तो उन्हें एहसास हुआ कि वे जेनेलिया को मिस कर रहे हैं। यहीं से दोनों की लव स्टोरी ने असली मोड़ लिया। इसके बाद दोनों ने फिल्म 'मस्ती' में भी साथ काम किया, जिससे उनका रिश्ता और मजबूत होता चला गया। रितेश और जेनेलिया का रिश्ता उनकी पहली फिल्म के समय से ही शुरू हो गया था, लेकिन दोनों ने मीडिया से इसे पूरी तरह छुपाकर रखा। कई बार अफेयर की खबरें सामने आईं, लेकिन जेनेलिया हर बार रितेश को सिर्फ अच्छा दोस्त बताकर इन खबरों को नकार देती थीं। चर्चा यह भी थी कि दोनों पहली फिल्म के बाद ही सगाई करना चाहते थे, लेकिन रितेश के पिता विलासराव देशमुख उस समय इसके लिए तैयार नहीं थे। साल 2012 में फिल्म 'तेरे नाल लव हो गया' के दौरान एक बार फिर दोनों की शादी की खबरें जोर पकड़ने लगीं। आखिरकार 3 फरवरी 2012 को रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा शादी के बंधन में बंध गए।

बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा कपल्स में शुमार रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा 3 फरवरी को अपनी शादी की सालगिरह सेलिब्रेट किया। दोनों की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। बेहद कम लोग जानते हैं कि शादी से पहले इस कपल ने करीब 9 साल तक एक-दूसरे को गुपचुप तरीके से डेट किया था।

श्वेता तिवारी ने बेडरूम में कराया फोटोशूट

तस्वीरें शेयर कर लिखा- 'फिर से धुरंधर...'

टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपने से जुड़े अपडेट फैंस को देती रहती हैं। इसके साथ ही श्वेता तिवारी अपने फोटोज और वीडियोज भी दिखाती रहती हैं,इस समय उनकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और उन्हें काफी पसंद किया जा रहा है। श्वेता तिवारी की खूबसूरत तस्वीरों को साथ ही उनकी पोस्ट में लिखा कैप्शन भी फैंस का ध्यान खींच रहा है। आइए जानते हैं कि एक्ट्रेस ने लेटेस्ट फोटोज के साथ पोस्ट में क्या लिखा है।

श्वेता तिवारी ने कराया फोटोशूट

श्वेता ने अपने बेडरूम खूबसूरत फोटोशूट करवाया है। श्वेता तिवारी ने इसकी तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। श्वेता तिवारी अपने फोटोशूट में काफी खुश दिखाई दे रही हैं, इन तस्वीरों में दिख रहा है कि श्वेता तिवारी एंजॉय के मूड में नजर आ रही हैं। श्वेता तिवारी के हाथ में किताब नजर आ रही है और बेड पर सामने टैबलेट रखा नजर आ रहा है. श्वेता तिवारी ने पोस्ट के साथ दिलचस्प कैप्शन लिखा है. फोटोज के साथ कैप्शन लिखा है, 'दिनभर की थकान के बाद नाइट रूटीन, खाना खा लेना, पढ़ना, सोने का नाटक करना. धुरंधर फिल्म दोबारा देखना.' श्वेता तिवारी को लेकर एक फैन ने लिखा है, 'यंग रहने के लिए कौन सी दवा खाती हो.' एक फैन ने लिख है, 'इनके लिए उम्र सिर्फ एक नंबर है।'

धुरंधर द रिवेंज के टीजर ने मचाया तहलका

धुरंधर की जबरदस्त कामयाबी के बाद अब मेकर्स ने धुरंधर द रिवेंज का टीज़र रिलीज कर दिया है, और रिलीज होते ही इसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। करीब 1 मिनट 12 सेकंड के इस टीज़र में फिल्म की दुनिया की झलक मिलती है, जहां कुछ सीन पहले पार्ट की याद दिलाते हैं तो कई फ्रेश विजुअल्स कहानी को नए स्तर पर ले जाते नजर आते हैं। सबसे खास बात यह है कि रणवीर सिंह का एनर्जी से भरपूर अंदाज एक बार फिर स्क्रीन पर छा जाता है, जो दर्शकों को पहले ही पल से बांध लेता है।

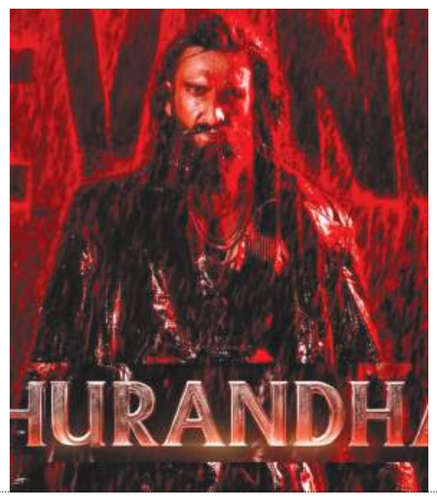

टीज़र में रणवीर सिंह पहले से ज्यादा आक्रामक, इंटेंस और स्टाइलिश अवतार में दिखाई दे रहे हैं। उनके एक्सप्रेशंस, बॉडी लैंग्वेज और एक्शन सीक्वेंस यह संकेत देते हैं कि इस बार कहानी सिर्फ आगे नहीं बढ़ेगी, बल्कि और ज्यादा गहरी और खतरनाक होने वाली है। पुराने सीन का इस्तेमाल नॉस्टेल्जिया जगाता है, वहीं नए सीन यह साफ कर देते हैं कि धुरंधर 2 सिर्फ रिपीट नहीं, बल्कि अपग्रेडेड अनुभव देने वाली है। टीज़र में जानबूझकर कहानी का पूरा खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन बैकग्राउंड स्कोर, कट्स और विजुअल्स से इतना साफ है कि इस बार दांव पहले से कहीं बड़े हैं। कुछ पुराने कैरेक्टर्स की झलक मिलती है, तो कुछ नए किरदार कहानी में ट्विस्ट लाने का संकेत देते हैं। यही सस्पेंस टीज़र को और ज्यादा प्रभावशाली बनाता है। टीज़र के आखिर में फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया गया है। धुरंधर द रिवेंज 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। टीज़र देखने के बाद फैंस के बीच एक्साइटमेंट साफ झलक रही है और सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

अनिल कपूर ने बदला लुक

अनिल कपूर बॉलीवुड के उन एक्टर्स में से हैं, जो 69 साल की उम्र में भी बेहद फिट हैं। अभिनेता अपनी फिटनेस का पूरा ध्यान रखते हैं। सोशल मीडिया पर वह अक्सर फैंस के साथ अपने फिटनेस वीडियो भी शेयर करते हैं। 69 साल के अनिल कपूर की फिजीक देखकर ऐसा लगता है मानो उनकी उम्र ठहर सी गई हो। अपनी किलर पर्सनैलिटी के साथ आज भी वह फैंस के दिलों पर राज करते हैं। इस बीच अनिल कपूर ने अपना नया लुक शेयर करके फैंस को हैरान कर दिया है। हाल ही में अनिल कपूर ने अपना नया लुक सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसे देखने के बाद अनिल कपूर के फैंस उनके नए लुक पर रिएक्ट करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। अनिल कपूर ने हाल ही में जो तस्वीर शेयर की है, उसमें वह सफेद बालों और मूछों में नजर आ रहे हैं और पोज दे रहे हैं।

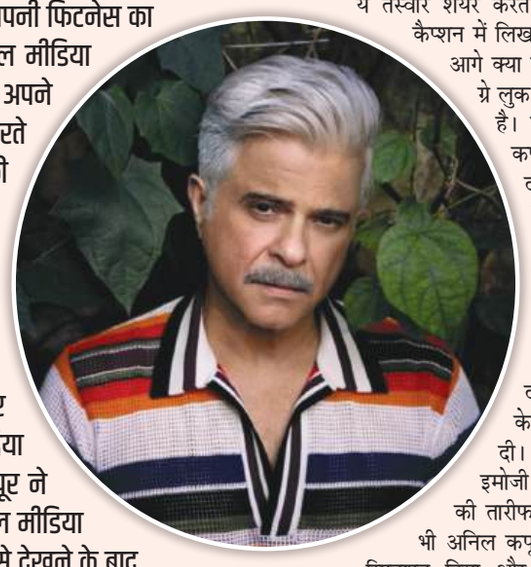

ये तस्वीर शेयर करते हुए अनिल कपूर ने कैप्शन में लिखा- 'कोई नहीं जानता.... आगे क्या होने वाला है।' उनके इस ग्रे लुक ने फैंस का दिल जीत लिया है। कई ने कमेंट करते हुए अनिल कपूर के बदले लुक पर प्रतिक्रिया दी। हालांकि, अनिल कपूर के फैंस इस मामले में थोड़ा बंटे हुए दिखे।

अनिल कपूर के ट्रांसफॉर्मेशन पर उनके फैंस ने फायर और हार्ट इमोजी पोस्ट के जरिए उनके नए लुक पर प्रतिक्रिया दी। सोनम कपूर ने भी पापा के ट्रांसफॉर्मेशन पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने हार्ट और फायर इमोजी के जरिए उनके नए लुक की तारीफ की। दर्शन कुमार ने भी अनिल कपूर के नए लुक पर रिएक्शन दिया और लिखा- 'वाह, झक्कास।' अभिनेता सुधांशु पांडे, रितेश देशमुख और अनुपम खेर ने भी सुपरस्टार के झक्कास लुक की तारीफ की और वैभवी मर्चेंट ने भी कमेंट के जरिए बताया कि उन्हें अभिनेता का ये लुक बेहद पसंद आया।

ब्लैक मिनी स्कर्ट में जाह्नवी कपूर ने ढाया कहर

जाह्नवी कपूर अपने फैशन सेंस और सिजलिंग अवतार से अक्सर इंटरनेट का तापमान बढ़ा देती हैं। हाल ही में उन्होंने ब्लैक आउटफिट में अपनी कुछ मिरर सेल्फी शेयर की हैं, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में जाह्नवी ने ब्लैक कलर की टर्टलनेक फुल-स्लीव क्रॉप टॉप और मैचिंग प्लीटेड मिनी स्कर्ट पहनी है, जो उनके कर्व्स को बखूबी फ्लॉन्ट कर रही है। जाह्नवी की यह ड्रेस 'एस्थेटिक' और 'बोल्ड' का मिश्रण है। उन्होंने जो प्लीटेड मिनी स्कर्ट पहनी है, वह एक क्लासिक स्कूल-गर्ल लुक की याद दिलाती है, लेकिन उसे क्रॉप टॉप और रफ ब्लैक बूट्स के साथ पेयर करके उन्होंने इसमें एक हाई-लेवल 'सेक्सी अपील' जोड़ दी है।

यह आउटफिट जाह्नवी टोंड मिड्रिफ को हाइलाइट कर रहा है, जो उनके फिटनेस के प्रति समर्पण को भी दर्शाता है। उनके मोटे सोल वाले ब्लैक बूट्स इस पूरे लुक में एक 'ग्रंज' और पावरफुल वाइब जोड़ रहे हैं। तस्वीरों में जाह्नवी का 'मिरर सेल्फी' गेम ऑन पॉइंट है। उनके चेहरे के हाव-भाव में एक तरह का आत्मविश्वास और सौम्यता है। कहीं वे पाउट करते हुए चुलबुली दिख रही हैं,तो कहीं उनकी गहरी निगाहें कैमरे में सीधे झांकते हुए एक 'मिस्टीरियस' अपील पैदा कर रही हैं। चेहरे पर मिनिमल मेकअप और न्यूड लिप शेड ने उनके लुक को और भी नेचुरल और ग्रेसफुल बना दिया है। जाह्नवी ने अपने बालों को खुला रखा है, जो 'सॉफ्ट मेसी वेव्स' में उनके कंधों पर गिर रहे हैं। जाह्नवी कपूर बखूबी जानती हैं कि सोशल मीडिया की पीढ़ी को क्या पसंद है। उनकी इन तस्वीरों में न केवल ग्लैमर है, बल्कि एक तरह की 'रिलेटेबिलिटी' भी है। चाहे वह लिफ्ट के अंदर ली गई सेल्फी हो या आईने के सामने पोज देना, जाह्नवी हर फ्रेम में अपनी पर्सनैलिटी को चमकने देती हैं।

उर्वशी रौतेला का किलर अवतार

उर्वशी रौतेला एक बार फिर अपने लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए सोशल मीडिया पर छा गई हैं। इन फोटो में उर्वशी का अंदाज इतना बोल्ड और ग्लैमरस है कि नजरें हटाना मुश्किल हो जाए। ब्लैक और गोल्ड टोन की ऑफ-शोल्डर गाउन में उर्वशी ने न सिर्फ अपने फिगर को कॉन्फिडेंस के साथ फ्लॉन्ट किया है, बल्कि हर एंगल से उनका लुक बेहद रॉयल और सेंसुअस नजर आता है।

ड्रेस की बात करें तो ब्लैक बेस पर गोल्डन एम्ब्रॉयडरी और डीटेलिंग इस आउटफिट को और भी खास बनाती है। कॉर्सेट स्टाइल फिटिंग उर्वशी की कर्व्स को खूबसूरती से हाईलाइट कर रही है, वहीं ऑफ-शोल्डर स्लीव्स उनके ग्लैमर को एक एलिगेंट टच देती हैं। यह ड्रेस रेड कार्पेट या हाई-प्रोफाइल इवेंट के लिए एक परफेक्ट फैशन स्टेटमेंट लगती है। फेशियल एक्सप्रेशन में उर्वशी का सिग्नेचर कॉन्फिडेंस साफ झलकता है। कैमरे की ओर देखती हुई उनकी आंखें और सॉफ्ट लेकिन इंटेंस लुक तस्वीरों में वॉव फैक्टर जोड़ देता है। वहीं साइड पोज़ में उनका डाउनकास्ट एक्सप्रेशन तस्वीर को और ज्यादा सेंसुअल बना देता है। हेयर स्टाइल भी इस लुक की बड़ी यूएसपी है। सॉफ्ट वेवी कर्ल्स और गोल्डन हेयर एक्सेसरी उर्वशी के पूरे लुक को एक प्रिंसेस वाइब देती है। लाइट लेकिन ग्लोइंग मेकअप, न्यूड लिप्स और शार्प आई मेकअप उनके चेहरे की खूबसूरती को और उभारता है। कुल मिलाकर, उर्वशी रोटैला की ये तस्वीरें ग्लैमर, ग्रेस और सेक्सी अपील का परफेक्ट कॉम्बिनेशन हैं, जो फैंस को बार-बार देखने पर मजबूर कर रही हैं।

सनी लियोनी हुईं ऊप्स मोमेंट का शिकार

फिर पति ने किया ये काम, वीडियो हो रहा वायरल

बॉलीवुड से लेकर साउथ की मूवीज में नजर आने वाली पॉपुलर एक्ट्रेस सनी लियोनी इन दिनों शो 'स्प्लिट्सविला 16' को होस्ट कर रही हैं। शो को पसंद किया जा रहा है और इससे जुड़े वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। इसी बीच सनी लियोनी का का एक वीडियो लोगों के चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, वह एक इवेंट में अपने पति डैनियल वेबर के साथ पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने पैप्स को जमकर पोज देकर खुश कर दिया। इस इवेंट के दौरान सनी लियोनी ऊप्स मोमेंट का शिकार हो गईं। इसके बाद उनके पति डैनियल वेबर ने समझदारी दिखाई। एक्ट्रेस का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रह है।

सनी लियोनी की पति ने की मदद

सनी लियोनी और उनके पति डैनियल वेबर ने मुंबई में एक इवेंट में शिरकत की थी। इस दौरान सनी लियोनी ने ब्राउन कलर की डीपनेक वाली ड्रेस पहनी थी। इसमें वह काफी ज्यादा ग्लैमरस नजर आईं और पैप्स को फोटोज और वीडियोज लेने का पूरा मौका दिया। इस दौरान ऐसी घटना हुई कि वह हैरान रह गईं। दरअसल, सनी लियोनी पैप्स को पोज देते समय ऊप्स मोमेंट का शिकार हो गईं लेकिन उनके पति डैनियल वेबर ने समझदारी दिखाती हुए अपनी पत्नी को इशारा किया और उन्होंने अपनी ड्रेस ठीक कर ली। सनी लियोनी का पल कैमरे में कैद हो गया और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। सनी लियोनी के इस नए वीडियो पर तमाम यूजर्स कमेंट कर रहे हैं।

O'Romeo पर कानूनी घेरा, रिलीज से पहले बढ़ा विवाद

फिल्म O'Romeo रिलीज से पहले ही गंभीर कानूनी विवाद में घिर गई है। हुसैन उस्तरा की बेटी सनोबर शेख ने निर्माता साजिद नाडियाडवाला, निर्देशक विशाल भारद्वाज और लेखक हुसैन जैदी के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

सनोबर शेख का आरोप है कि फिल्म का कथित रूप से उनके पिता हुसैन उस्तरा से संबंध दिखाया जा रहा है, जबकि इसके लिए न तो परिवार से अनुमति ली गई और न ही कोई सहमति हासिल की गई। फिल्म के टीज़र के सामने आने के बाद यह मामला सामने आया, जिसने बॉलीवुड इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। अपनी याचिका में सनोबर शेख ने अदालत से मांग की है कि O'Romeo को उसके मौजूदा नाम या किसी अन्य नाम से 13 फरवरी 2026 या उसके बाद किसी भी तारीख को रिलीज, टेलीकास्ट या प्रसारित करने का अधिकार निर्माताओं को न दिया जाए। उन्होंने कोर्ट से यह घोषित करने का अनुरोध किया है कि प्रतिवादियों को इस फिल्म से जुड़े किसी भी प्रकार के व्यावसायिक अधिकार इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं है। यह मांग सीधे तौर पर फिल्म की प्रस्तावित रिलीज पर सवाल खड़े करती है। सनोबर शेख ने सिर्फ सिनेमाघरों तक ही नहीं, बल्कि टीवी चैनलों और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी फिल्म के प्रदर्शन पर स्थायी रोक लगाने की मांग की है। इसके अलावा, उन्होंने केस के निपटारे तक अस्थायी निषेधाज्ञा (टेम्परेरी इंजंक्शन) की भी अपील की है, ताकि कोई भी व्यक्ति या संस्था, चाहे वह निर्माता की ओर से काम कर रही हो, फिल्म को किसी भी माध्यम से रिलीज या प्रसारित न कर सके। याचिका में एक और अहम मांग उठाई गई है। सनोबर शेख ने कोर्ट से अनुरोध किया है कि फिल्म की रिलीज से पहले उसकी प्री-स्क्रीनिंग कराई जाए और इसके लिए एक कोर्ट कमिश्नर या किसी अधिकृत व्यक्ति की नियुक्ति की जाए, जो फिल्म देखकर अपनी रिपोर्ट अदालत को सौंपे। इसके साथ ही, उन्होंने अंतरिम राहत, मुकदमे का खर्च और अन्य जरूरी निर्देश देने की भी मांग की है।

अक्षय ने ट्विंकल का उड़ाया मजाक

अक्षय कुमार का हाल ही में शुरू हुआ टीवी गेम शो अपने दूसरे हफ्ते में पहुंच चुका है। इन दिनों बड़े पर्दे के सुपरस्टार अक्षय कुमार अपने फैंस का मनोरंजन छोटे पर्दे पर कर रहे हैं। वो व्हील ऑफ फॉर्च्यून नाम का शो होस्ट कर रहे हैं। सोनी टीवी पर इसकी शुरुआत मंगलवार, 27 जनवरी से हुई थी। इस शो का हिस्सा आम लोगों के साथ-साथ बॉलीवुड के सेलेब्स भी बन रहे हैं। इसके हालिया एपिसोड में अक्षय एक्ट्रेस एलनाज नौरोजी के साथ मस्ती-मजाक करते हुए नजर आए।

रितेश देशमुख, करिश्मा कपूर, श्रेयस तलपड़े, जेनेलिया देशमुख और साजिद खान जैसे सेलेब्स अक्षय कुमार के शो पर नजर आ चुके हैं। वहीं हाल ही में व्हील ऑफ फॉर्च्यून पर एक्ट्रेस एलनाज नौरोजी ने भी शिरकत की। इस दौरान अक्षय और एलनाज दोनों ही एक दूसरे के साथ मस्ती मजाक करते हुए दिखाई दिए। इसी बीच अक्षय ने पत्नी ट्विंकल खन्ना के लिए कुछ ऐसा कह दिया जिसकी काफी चर्चा हो रही है। अपने शो पर अक्षय ने ट्विंकल से खूब मस्ती मजाक किया।

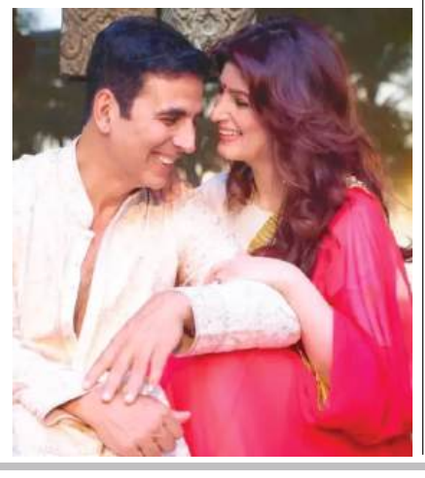

'गोलमाल' फ्रेंचाइजी में इस एक्ट्रेस की वापसी

डायरेक्टर रोहित शेट्टी अब अपनी कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'गोलमाल' को आगे बढ़ा रहे हैं। वो जल्द ही 'गोलमाल 5' की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। फ्रेंचाइजी के हीरो अजय देवगन एक बार फिर इसमें नजर आएंगे। वहीं हाल ही में खबर आई है कि अक्षय कुमार भी इस फिल्म का हिस्सा बनने जा रहे हैं। अक्षय के बाद अब इस फिल्म में एक और कास्टिंग हुई है। बॉलीवुड की एक बड़ी हिरोइन भी इस फिल्म का हिस्सा बनने जा रही है। वो एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि करीना कपूर हैं। करीना पहले भी इस फ्रेंचाइजी में काम कर चुकी हैं। अब एक बार फिर से वो इस फ्रेंचाइजी की फिल्म में दिखेंगी। लंबे समय से इस बारे में चर्चा चल रही थी कि करीना 'गोलमाल 5' में दिखेंगी या नहीं। देरी हुई, लेकिन अब वो इस फिल्म का हिस्सा हैं। करीना की कास्टिंग में देरी क्यों हुई इसकी भी वजह सामने आई है। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा कहा गया कि करीना की कास्टिंग में समय इसलिए लगा, क्योंकि डेट्स, साथ ही और भी कई मुद्दों का ध्यान रखना जरूरी था। रोहित शेट्टी करीना को फिल्म में कास्ट करने के लिए एक्साइटेड थे। साथ ही करीना ने इस फ्रेंचाइजी में वापसी की इच्छा जताई थी। रोहित ने अपनी टीम के साथ मिलकर करीना के लिए एक खास, मजेदार और एंटरटेनिंग रोल लिखा है। और अब वो इस फिल्म का हिस्सा बन चुकी हैं। करीना अजय देवगन के साथ 'गोलमाल 3' में दिखी थीं। ये फिल्म साल 2010 में आई थी।